THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 59 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.14 2080 बुधवार, 22 मई-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केजरीवाल : इंडिया गठबंधन को मिल रही हैं 300 सीटें

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि 4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। केजरीवाल के मुताबिक इंडिया गठबंधन को अकेले अपने दम पर ही लोकसभा की 300 सीटें मिल रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि इसको लेकर कई सर्वे किए गए हैं। सर्वे के नतीजों के आधार पर वह यह दावा कर रहे हैं। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल दो व्यक्ति ऐसे हैं जिनके समर्थक भारत की बजाए पाकिस्तान में ज्यादा हैं।

राजभवन के तीन अधिकारियों को अग्रिम जमानत

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। कोलकाता में राजभवन के तीन अधिकारी मुख्य मेट्रोपॉलिटन (सीएमएम) अदालत के समक्ष पेश हुए। तीनों अधिकारी खुद पर दर्ज एफआईआर के संबंध में अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में पेश हुए। दरअसल राजभवन की एक महिला कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर कथित तौर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था। इस मामले में तीनों अधिकारियों पर महिला को गलत तरीके से रोकने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अदालत ने तीनों को अग्रिम जमानत देते हुए कहा है कि प्रत्येक अधिकारी को 500 रुपये का मुचलका भरना होगा। इससे पहले राजभवन में संविदा पर कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने कथित छेड़छाड़ मामले में न्यायाधीश के सामने अपना बयान दर्ज कराया था।

इंडी गठबंधन की डूब रही है नाव : पीएम

सपा-कांग्रेस ले रहे झूठ का सहारा

प्रयागराज, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को परेड ग्राउंड में जनसभा को संबोधित किया। इलाहाबाद से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी और फूलपुर से प्रत्याशी प्रवीण पटेल को जिताने की अपील करते हुए मोदी ने कहा कि सपा शासन काल में इलाहाबाद में दिन दहाड़े गोली और बम चलते थे। व्यापारी असुरक्षित महसूस करते थे। आज भाजपा सरकार माफिया के महलों को ढहाकर वहां गरीबों के लिए मकान बनवा रही है।

उन्होंने कहा कि सपा शासन काल में जाति देखकर नौकरी मिलती थी। यूपीपीएएसी का नाम बदलकर परिवार सर्विस कमीशन रख दिया गया था। सपा-कांग्रेस सरकार में प्रयागराज के साथ काफी भेदभाव किया गया था। वोट बैंक के लालच में यह लोग कुंभ की व्यवस्था ठीक तरीके से नहीं करते थे। मोदी ने कहा कि चौबीस का चुनाव तय करेगा कि भारत के भविष्य की त्रिवेणी किधर से बहेगी। पीएम ने करीब 22 मिनट तक भाषण दिया। राम मंदिर के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा।

अब एक्सप्रेस वे और डिजिटल इंडिया से होती है भारत पहचान

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत तेजी से बदल रहा है। विश्व पटल पर भारती की पहचान अब एक्सप्रेस वे से होती है। इंफ्रास्ट्रक्चर से होती है। भारत की डिजिटल टैक्नोलॉजी लेने के लिए विदेशी भी लालायित हैं। भारत आज भारत दुनिया में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। यहां की टी-ट्वेंटी से दुनिया हैरान।

अलग है प्रयागराज का मिजाज

पीएम ने कहा कि प्रयागराज का मिजाज हर जगह से अलग है। यहां के लोग किसी से दबकर रहते हैं न किसी से डरकर रहते हैं। जो जिंदादिली मैने में प्रयागराज के लोगों में देखी है वह कम ही देखने को मिलती है। यही मिजाज आज के भारत का मिजाज है। भारत आज तेजी से बढ़ रहा है। हर देशवासी खुश है। सपा-कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को यह बात हजम नहीं हो रही है। कांग्रेस के शहजादे भारत को गाली देने के लिए विदेश जाते हैं। इंडी गठबंधन का एजेंडा है कि वह सत्ता में आए तो कश्मीर से आर्टिकल 370 और सीएए खत्म कर देंगे। पीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस को कुंभ से ज्यादा वोट बैंक की चिंता रहती है। >14

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। हालांकि हाईकोर्ट ने उन्हें हफ्ते में एक दिन अपनी बीमार पत्नी से मिलने की इजाजत दी है। वहीं, आज ही राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी।

हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि यह केस सत्ता के दुरूपयोग का है। इनका मकसद था, ऐसी पॉलिसी बनाना जो कुछ लोगों के लिए फायदेमंद रहे और जिससे इन्हें बैकडोर से कुछ मुनाफा मिलता रहे। याचिकाकर्ता के ऐसी पॉलिसी डिजाइन करने की इच्छा करते ही भ्रष्टाचार शुरू हो गया था। हाईकोर्ट ने 14 मई को यह फैसला सुरक्षित रख लिया था। सिसोदिया करीब 15 महीने से तिहाड़ में बंद हैं। उन्हें सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था।

स्वाति मालीवाल मारपीट केस
पुलिस बिभव को मुंबई ले गई
दावा-केजरीवाल के पीए ने आईफोन फॉर्मेट किया

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से सीएम हाउस में हुई मारपीट केस में दिल्ली पुलिस आरोपी बिभव कुमार को मंगलवार 21 मई को मुंबई ले गई। पुलिस का कहना है कि बिभव ने आईफोन फॉर्मेट करने से पहले उसका डेटा मुंबई में किसी व्यक्ति या डिवाइस को ट्रांसफर कर दिया था। उसी डेटा को हासिल करना है।

वहीं, मालीवाल मारपीट केस की जांच अब स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। एसआईटी को नॉर्थ दिल्ली की डीसीपी अंजिता चेप्याला लीड कर रही हैं। टीम में इंस्पेक्टर रैंक के 3 अधिकारी भी हैं। इनमें सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन का अधिकारी भी शामिल है, जहां मामला दर्ज किया गया था। एसआईटी अपनी जांच करने के बाद सीनियर्स को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। 13 मई को हुई घटना के बारे में जानने के लिए दिल्ली पुलिस 20 मई को बिभव कुमार को सीएम हाउस भी ले गई थी। करीब डेढ़ घंटे तक क्राइम सीन रीक्रिएट किया गया। पुलिस बिभव को शाम करीब 5.45 बजे सीएम हाउस पहुंची और शाम 7.26 बजे बाहर निकली। बिभव कुमार फिलहाल 23 मई तक दिल्ली पुलिस की रिमांड में हैं। दिल्ली पुलिस ने 18 मई को बिभव की 7 दिन की कस्टडी मांगी थी, लेकिन उन्हें 5 दिन की ही रिमांड दी थी। बिभव पर 13 मई को सीएम आवास में स्वाति के साथ बदसलूकी और मारपीट करने का आरोप है। आरोपी बिभव और पीड़ित स्वाति दोनों के साथ सीन रीक्रिएशन किया जा चुका है। दिल्ली पुलिस इन दोनों से मिले घटना के इनपुट का एनालिसिस किया जा रहा है। >14

ममता पर विवादित टिप्पणी मामले में भाजपा नेता अभिजीत गंगोपाध्याय पर कार्रवाई

24 घंटों के लिए प्रचार पर रोक

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में चुनाव आयोग ने भाजपा उम्मीदवार जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय की कड़ी निंदा की। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार पर 21 मई को शाम के पांच बजे से लेकर अगले 24 घंटे तक चुनाव प्रचार पर रोक लगाई है। आयोग ने भाजपा नेता को आदर्श आचार संहिता के तहत अपने सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की भी चेतावनी दी है। दरअसल, हल्दिया में 15 मई को एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते समय भाजपा उम्मीदवार गंगोपाध्याय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी।

टीएमसी ने चुनाव आयोग को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। चुनाव आयोग ने गंगोपाध्याय को कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसका 20 मई शाम पांच बजे तक जवाब मांगा था। मौजूदा लोकसभा चुनाव में गंगोपाध्याय चौथे राजनेता हैं जिन्हें महिलाओं के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी के लिए नोटिस भेजा गया है। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने भी क्रमश: ममता बनर्जी और कंगना रणौत के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग ने दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था और दोनों की टिप्पणियों की निंदा की थी।

भारत की सैन्य विरासत को खोजेगी उद्भव परियोजना : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल मनोज ने उद्भव परियोजना के बारे में बताया जिससे भारत की समृद्ध विरासत के बारे में पता लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में देश के दृष्टिकोण को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि पिछले साल यह परियोजना शुरू की गई। इसमें 'उद्भव' वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों की गहराई के बारे में है। इसके जरिए प्रतिष्ठित भारतीय और पश्चिमी विद्वानों के बीच पर्याप्त बौद्धिक अभिसरण का खुलासा किया है।

सेना प्रमुख मनोज पांडे ने भारतीय सामरिक संस्कृति में ऐतिहासिक पैटर्न के सम्मेलन में टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि यह 'उद्भव' परियोजना बल को "भविष्य के लिए तैयार" करने के लिए है। साथ ही भारत के प्राचीन रणनीतिक कौशल को समकालीन सैन्य क्षेत्र में एकीकृत करके सेना को तैयार करना। उन्होंने कहा, इस परियोजना में वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों की गहनता से पड़ताल की गई है। यह पड़ताल परस्पर जुड़ाव, धार्मिकता और नैतिक मूल्यों पर आधारित रही। >14

भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त : संबित पात्रा

बाद में माफी मांगी, कहा-3 दिन उपवास रखकर पश्चाताप करूंगा, पुरी से चुनाव लड़ रहे

पुरी, 21 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा ने सोमवार को एक न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भक्त हैं। पात्रा के बयान पर ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कई बड़े नेताओं ने आपत्ति जताई। इसके बाद पात्रा ने माफी मांग ली।

संबित पात्रा ने रात 1 बजे वीडियो जारी कर कहा, आज महाप्रभु जगन्नाथ को लेकर मुझसे जो भूल हुई है, उसको लेकर मेरा मन दुखी है। मैं जगन्नाथ जी के चरणों में शीश झुकाकर माफी मांगता हूं। मैं अपनी गलती को सुधारने और पश्चाताप के लिए अगले 3 दिन उपवास करूंगा। संबित पात्रा का यह बयान 20 मई को तब आया, जब पीएम मोदी उनके समर्थन में रोड़ शो करने खुद पुरी पहुंचे थे। पुरी लोकसभा सीट पर छठे फेज यानी 25 मई को वोटिंग होगी। संबित पात्रा के बयान को लेकर सीएम नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाप्रभु श्री जगन्नाथ ब्रह्मांड के भगवान हैं। >14

पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी को बड़ी राहत

आय से अधिक संपत्ति मामले में हाई कोर्ट ने स्थगित की सजा

प्रयागराज, 21 मई (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी को इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने उनकी जमानत मंजूर कर ली है और सजा को स्थगित कर दिया है। मुकदमे के तथ्यों के अनुसार 18 जून 2013 को पूर्व मंत्री के खिलाफ इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के मुट्ठीगंज थाने में आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आरोप लगाया गया था कि बसपा सरकार में मंत्री रहते उन्होंने ज्ञात आय से अधिक की संपत्ति अर्जित की है। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट प्रयागराज ने मामले में राकेश धर को दोषी मानते हुए तीन साल के कारावास और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसे याचिका में चुनौती दी गई थी।

झूठ बोलकर सत्ता में आये पीएम मोदी

जनता से कर रहे हैं विश्वासघात : खडगे

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झूठ फैलाने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह झूठ बोलकर सत्ता में आए और पिछले 10 साल से देश की जनता से वह विश्वासघात ही कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अब प्रधानमंत्री के झूठ से लोग उकता चुके हैं और लोग भाजपा से किनारा कर रहे हैं।

यही वजह है कि अब तक हुए चुनाव में भाजपा की सुनिश्चित हार को देखते हुए मोदी बौखला गए हैं और वह उल्टे सीधी बयान दे रहे हैं। खडगे ने कहा "मोदी जी झूठ बोलकर और ध्रुवीकरण करके सत्ता में आये। प्रधानमंत्री अब जो दावा कर रहे हैं वह बचकाना है और मुझे उनसे सहानुभूति है। उनके भाषण अब काम नहीं कर रहे हैं, क्योंकि भारत की जनता को सच्चाई का एहसास हो गया है। इंडिया समूह अगली सरकार बनाएंगी।'उन्होंने कहा "नरेंद्र मोदी के झूठ, दुष्प्रचार और उनकी मित्र मीडिया एक तरफ - सच की आवाज़ एक तरफ। भाजपा सरकार में 10 साल के विश्वासघात से पैदा हुआ आक्रोश अब क्रांति का रूप ले चुका है। ये सिर्फ हरियाणा की नहीं, पूरे देश की आवाज़ है। अब इंडिया समूह की आंधी रुकने वाली नहीं है।"

महाराष्ट्र बोर्ड ने जारी किए 12वीं कक्षा के नतीजे 93.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण; लड़कियों ने मारी बाजी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को 12वीं कक्षा उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र (एचएससी) के नतीजे जारी कर दिए, जिसमें 93.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। बोर्ड के अध्यक्ष शरद गोसावी द्वारा जारी किए गए 12वीं कक्षा के परिणाम में 91.60 प्रतिशत लड़कों की तुलना में 95.44 प्रतिशत लड़कियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। गोसावी ने बताया कि मार्च में आयोजित की गई परीक्षाओं के लिए कुल 14,33,371 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 14,23,970 छात्रों ने परीक्षा दी और 13,29,684 छात्र पास हुए। महाराष्ट्र के कोंकण मंडल में सबसे ज्यादा 97.51 प्रतिशत छात्रों ने 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की।

इसके बाद नासिक में 94.71, पुणे में 94.44, कोल्हापुर में 94.24, छत्रपति संभाजीनगर में 94.08, अमरावती में 93, लातूर में 92.36, नागपुर में 92.12 और मुंबई में सबसे कम 91.95 प्रतिशत छात्र पास हुए। गोसावी ने बताया कि विज्ञान विषय में 97.82 फीसदी, कला विषय में 85.88 फीसदी, कॉमर्स विषय में 92.18 फीसदी और वोकेशनल विषय में 87.75 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

गोद से गिरी थी बच्ची ट्रोलिंग से परेशान होकर मां ने की आत्महत्या

चेन्नई, 21 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया का कड़वा सच जानलेवा रूप में सामने आया है। चेन्नई में एक महिला आईटी प्रोफेशनल ने सिर्फ इसलिए जान दे दी क्योंकि लोग उसे सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। वी. रम्या (33) पिछले महीने 28 अप्रैल को सात माह की बेटी को अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की गैलरी पर स्तनपान करा रही थी। तभी बच्ची फिसलकर पहली मंजिल के छज्जे पर गिर गई। 15 मिनट मशक्कत के बाद लोगों ने उसे बचा लिया था। इस घटना का एक वीडियो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोग बिना सही घटना जाने मां को जिम्मेदार ठहराते हुए ट्रोल करने लगे थे। डिप्रेशन में आ गई थी, बचने के लिए मायके गई, वहां भी पीछा नहीं छोड़ा घटना के बाद से रम्या डिप्रेशन और तनाव से जूझ रही थी।

'जहां एमवीए उम्मीदवारों को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी

वहां मतदान धीमा रहा', राउत का ईसी पर तंज

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। पांचवें चरण के मतदान के एक दिन बाद ही शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा की विस्तारित शाखा बताया। राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र की 13 सीटों पर मतदान प्रक्रिया धीमी रही, जबकि महाविकास अघाड़ी दल (एमवीए) के उम्मीदवार अच्छे मतदान की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि जिन क्षेत्रों में भाजपा या उनके गठबंधन की पार्टियों के उम्मीदवारों को ज्यादा वोट की उम्मीद थी, वहां तेजी से मतदान हुआ। सोमवार को पांचवें चरण के मतदान में राज्य में 54.33 प्रतिशत ही मत पड़े। अंतिम आंकड़े बाद में जारी किए जाएंगे। मुंबई की छह लोकसभा सीटों पर औसतन 52.27 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में यह आंकड़ा 55.38 प्रतिशत था। संजय राउत ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) और एमवीए के उम्मीदवार अच्छे मतदान की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वहां बहुत ही धीमी गति से मतदान हुआ। उन्होंने दावा किया, चुनाव आयोग भाजपा की विस्तारित शाखा है। उन्होंने आगे कहा कि ठाणे और कल्याण में मतदान प्रक्रिया गड़बड़ा गई। यहां से शिवसेना (यूबीटी) को ज्यादा वोट की उम्मीद थी। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने बताया कि मुंब्रा के कुछ मतदान केंद्रों में एक घंटे में महज 11 वोट ही डाले गए। संजय राउत ने आरोप लगाया कि मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी मतदाताओं को मतदान से रोकने के लिए थी। ईवीएम को न तो हैक नहीं किया जा सकता था और न ही पैसा वितरित किया जा सकता था। ऐसे में मतदान प्रक्रिया को धीमी कर दी गई।

मतदान केंद्र के टॉयलेट में मृत मिला शिवसेना यूबीटी का पोलिंग एजेंट पुलिस जांच में जुटी

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। मुंबई वर्ली बूथ पर शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) का पोलिंग एजेंट मृत पाया गया है। इस घटना के बाद से हर कोई हैरान है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान 62 वर्षीय मनोहर नलगे के रूप में हुई है। सोमवार को शाम में मनोहर शौचालय में गया और काफी समय होने के बाद भी बाहर नही आया। जब उसके साथियों ने जबरन दरवाजा खोला तो देखा की मनोहर गिरा पड़ा था।

जैसे तैसे मनोहर को नजदीकी हॉस्पिटल लेकर जाया गया। हालांकि, यहां डॉक्टर ने चेक करते मनोहर नलगे को मृत घोषित कर दिया। मृतक मनोहर नलगे वर्ली में एक मतदान केंद्र पर बीडीडी चॉल का निवासी था। मुंबई के एनएम जोशी मार्ग पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट केस

अलग-अलग राज्यों में एनआईए की छापेमारी, अरेस्ट हो चुका है मास्टरमाइंड

बेंगलुरु, 21 मई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को कई राज्यों में छापा मारा। एक मार्च को आईटी सिटी के कैफे में हुए ब्लास्ट में कई होटल स्टाफ और कस्टमर घायल हो गए थे। वहीं विस्फोट से भारी नुकसान हुआ था। एक वरिष्ठ एनआईए अधिकारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि कई राज्यों में एक साथ छापेमारी चल रही है।बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट के बाद एनआईए ने 3 मार्च को मामले की जांच की जिम्मेदारी अपने हाथ में ले ली थी। इसके बाद 12 अप्रैल को इस केस के मुख्य दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसमें ब्लास्ट मामले का मास्टरमाइंड अब्दुल मतीन ताहा भी शामिल है। ताहा के अलावा एक अन्य आरोपी मुसविर हुसैन शाहिब को भी गिरफ्तार किया गया था।

कैफे में लगाया गया था आईईडी

मुसविर हुसैन पर कैफे में आईईडी लगाने का आरोप है। उसे एनआईए ने कोलकाता के पास के एक लॉज से गिरफ्तार किया था। हुसैन वहां अपनी पहचान छुपाकर रह रहा था। बताया जाता है कि इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद आगे की जांच में मिले सुराग की बाबत ही आज अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

एक मार्च को हुआ था धमाका

बता दें कि बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में एक मार्च को ब्लास्ट हुआ था। इसमें 10 लोग घायल हो गए थे। पहले तो लोगों को लगा था कि यह एक सिलेंडर ब्लास्ट है। बाद में जब एनआईए को जांच की जिम्मेवारी सौंपी गई तो पता चला कि यह एक आईईडी विस्फोट था और आतंकियों ने इसे अंजाम दिया था। इसके बाद संदिग्धों की तस्वीर जारी की गई थी। फिर इसके मास्टर माइंड सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

मांडवी बीच पर पैराग्लाइडिंग करते समय हादसा

झारखंड के पर्यटक की मौत, प्रबंधक समेत 4 के खिलाफ केस दर्ज

कच्छ, 21 मई (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले में मांडवी बीच पर पैराग्लाइडिंग से गिरने से झारखंड के एक पर्यटक की मौत हो गई। इस हादसे के बाद प्रबंधक समेत चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। झारखंड से गुजरात घूमने आए पर्यटक बलदेव सिंह कोरे की पैराग्लाइडिंग के दौरान गिरने से मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने शिव वाटर्स स्पोर्ट के मुख्य प्रबंधक समेत चार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मैनेजर समेत दो आरोपियों को हिरासत में लेकर दो दिन की रिमांड पर लिया है। दरअसल जब पर्यटक गिरा तो प्रबंधक उसे अस्पताल ले जाने के बजाय भाग खड़े हुए थे। साथ ही पर्यटकों के लिए सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट समेत सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं थे। जानकारी के मुताबिक, मृतक बलदेव सिंह कोरे वायुसेना में थे और वो अपने दो बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने आए थे। जब मांडवी समुद्र तट पर टहलने गए तो मृतक ने 700 रुपये देकर पैराग्लाइडिंग की। हालांकि इस दौरान उन्हें सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए गए थे। इस मामले में उनकी पत्नी सुखविंदर बलदेव सिंह कोरे ने मांडवी पुलिस स्टेशन में शिव वाटर्स स्पोर्ट्स के संचालक पंकज भानुशाली के चालक और अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक, इस घटना के बाद प्रबंधक भाग गए थे, जबकि आसपास मौजूद पर्यटक बदेव के पास पहुंचे और उन्हें भुज के अस्पताल लेकर गए,

सीता को चुराने रावण भी भगवा कपड़ा पहनकर आया था

सीएम योगी को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष के बिगड़े बोल

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्रः महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं, लेकिन नाना पटोले ने अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर विवादित बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह अपने आप को संत बताते हैं और भगवा कपड़े पहनते हैं। सीता जी को जब रावण चुराने आया था तब वह भी भगवा कपड़ा पहन कर आया था। भगवा पहनकर गलत नीतियों का समर्थन करना गलत है। नाना पटोले के इस बयान के बाद सियासी संग्राम मचा हुआ है।

नागपुर में नाना पटोले ने कहा कि 10 साल से चीन से प्लास्टिक का चावल लाकर दे रहे है। इसपर योगी आदित्यनाथ क्यों कुछ नहीं बोलते? भगवाधारी हैं खुद को वो संत समझते हैं। चीन ने देश की सिमा पर अतिक्रमण किया है। उस पर योगी कुछ क्यों नहीं बोलते। अपने देश पर दूसरा देश कब्जा कर रहा है और वो पीओके की बात कह रहे हैं। जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए योगी आदित्यनाथ ऐसे बयान देते रहते हैं।

नाना पटोले ने प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि मनमोहन सिंह सरकार ने अन्न सुरक्षा कानून लाया था। इसके तहत ही मोदी सरकार बीते दस सालों से अनाज वितरित कर रही है। चीन से प्लास्टिक का चावल लाकर उसमें मिलावट करके लोगों को बांटा जा रहा है। पटोले ने आगे कहा कि भारत मां पर दुश्मन देश कब्जा कर रहा है तब योगी आदित्यनाथ क्यों बात नहीं कर रहे है? भगवा कपड़ा पहन के इस तरह की बात करते हैं। भगवा कपड़ा पहन कर गलत नीति का समर्थन करना ये गलत है। बता दें कि महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कुछ दिन पहले ही राम मंदिर शुद्धिकरण को लेकर बयान दिया था जिसके बाद जमकर बवाल हुआ था। अब योगी आदित्यनाथ पर विवादित बयान देकर नाना पटोले सुर्खियों में आ गए हैं।

बीएसएफ ने सोने के बिस्कुट के साथ महिला को पकड़ा

दिनाजपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात उत्तर बंगाल फ्रंटियर के रायगंज सेक्टर के अंतर्गत सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 61वीं बटालियन की बॉर्डर आउट पोस्ट हिली सीमा जवानों ने एक भारतीय महिला को लाखों रूपये की सोने की बिस्कुट के साथ पकड़ा है। पकड़ी गई महिला के नाम को बीएसएफ ने जांच के उद्देश्य से गुप्त रखा है। बीएसएफ ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी है। बीएसएफ के अनुसार, भारतीय महिला को उस समय पकड़ा गया जब वह गुप्त व अवैध रूप से बाड़ के आगे गांव हरिपोखर। से सोने के बिस्कुट लेकर आ रही थी। महिला के पास से बीएसएफ जवानों ने छह पीस सोने के बिस्कुट बरामद किया है। जिसका वजन 699.040 ग्राम है। जबकि बरामद सोने की अनुमानित बाजार मूल्य 52,21,828.80 रुपये है। पकड़ी गई भारतीय महिला को जब्त सोने के बिस्कुट के साथ सीमा शुल्क निवारक इकाई हिली को सौंप दिया गया।

मेघालय में भारत-फ्रांस का सैन्य अभ्यास 3 साल बाद हो रहा आयोजित

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत और फ्रांस के बीच मेघालय में संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति का 7वा संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। ये संयुक्त सैन्य अभ्यास मेघालय के उमरोई में पूरी तरह से जंग के अभ्यास के लिए विकसित और आधुनिक विदेशी प्रशिक्षण मोड में किया जा रहा है। दोनों देशों के बीच ये अभ्यास 26 मई 2024 तक चलेगा। इस अभ्यास में मेघालय की पहाड़ियों पर माउंटेन वारफेयर के लिए खास प्रशिक्षण देने के लिए टीम बनाई गई है। इसका मकसद पहाड़ी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में तमाम तरह के मुस्किल ऑपरेशन्स को अंजाम देना है। इससे पहले संयुक्त सैन्य अभ्यास नवंबर 2021 में फ्रांस में आयोजित किया गया था। इस अभ्यास में देश की सेना का प्रतिनिधित्व तीन ऑफसरों, तीन जूनियर कमीशंड ऑफिसर और गोरखा राइफल्स और सपोर्ट आर्म्स के 37 जवानों की एक टीम ने किया था। यह अभ्यास मुश्किल परिदृश्यों में एक साथ काम करने और दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। इस अभ्यास के लिए भारतीय नौसेना और वायु सेना के कुछ बैकअप के साथ, मुख्य रूप से राजपूत रेजिमेंट से 90 सैनिकों की एक टीम तैयार की गई है। वहीं 90 सैनिकों वाली फ्रांसीसी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से 13वीं फॉरन लिजन हाफ-ब्रिगेड के कर्मियों द्वारा किया जा रहा है इस युद्धाभ्यास में हाई स्पीड फिटनेस ट्रेनिंग, सामरिक अभ्यास और दोनों देश की सेनाओं के बीच में आपसी तालमेल बिठाना सिखाया जा रहा है, मुश्किल पहाड़ी क्षेत्रों में आतंकियों से निपटने के गुर सीखे जा रहे हैं।

इस अभ्यास की मदद से दोनों देशों की सेनाओं की पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में मिशन को अंजाम देने की क्षमता बढ़ जाएगी। भारत और फ्रांस के बीच में हो रहे इस अभ्यास शक्ति का फायदा दोनों देशों को संयुक्त अभियान चलाने, तकनीक और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाने में मिलेगा। संयुक्त अभ्यास से फ्रांस और भारत के सशस्त्र बलों के जवानों के बीच बातचीत, सौहार्द और सौजन्यता को बढ़ावा मिलेगी।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन पर एमपी में एक दिन का राजकीय शोक,आधा झुका रहेगा राष्ट्रीय ध्वज

भोपाल, 21 मई (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन मध्य प्रदेश में मंगलवार को एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। प्रदेश के शासकीय भवनों पर जहां पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, वहां राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किए है। बता दें रविवार को ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का अजरबैजान बॉर्डर के पास हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। इसके बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया। सोमवार को ईरान की ओर से राष्ट्रपति रईसी समेत हेलीकॉप्टर में सवार सभी 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई। भारत सरकार ने ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन के बाद मंगलवार को पूरे देश में एक दिन का राजकीय शोक का एलान किया है। देश की सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

कौन हैं रिटायर आईएएस अफसर रमेश अभिषेक ईडी-सीबीआई उनके पीछे क्यों पड़ी?

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। रिटायर्ड आईएएस अफसर रमेश अभिषेक के पीछे सीबीआई के बाद अब ईडी भी पड़ गई है। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के तहत यह एक्शन लिया है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इससे पहले आय से अधिक संपत्ति के इसी मामले में सीबीआई भी रमेश अभिषेक के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है और छापेमारी की थी। दरअसल, ईडी का मामला डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) के पूर्व सचिव अभिषेक के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा हाल में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। 1982 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी रमेश के खिलाफ सीबीआई ने फरवरी में छापेमारी की थी। वह डीपीआईआईटी से 2019 में रिटायर हुए थे। सूत्रों ने बताया कि ईडी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत रमेश अभिषेक के ठिकानों की तलाशी ले रही है।

सीबीआई ने क्या आरोप लगाया

दरअसल, आय से अधिक संपत्ति मामले में सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि रमेश अभिषेक ने रिटायरमेंट के बाद उन निजी कंपनियों से परामर्श शुल्क के रूप में 'बड़ी रकम' प्राप्त करके खुद को 'अवैध रूप से' समृद्ध किया, जिनके मामले उन्होंने सेवा में रहते हुए निपटाए थे। सीबीआई और ईडी ने उनकी बेटी वानेसा के खिलाफ भी मामले दर्ज किए हैं।

कौन हैं रमेश अभिषेक

दरअसल, रमेश अभिषेक 1982 बैच के आईएएस ऑफिसर रह चुके हैं। वह बिहार कैडर के आईएएस रहे हैं। हालांकि, वह रहने वाले ओडिशा के हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा से रिटायर होने के बाद अभिषेक एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में शामिल हुए। कहा जाता है कि भारत सरकार के मेक इन इंडिया कैंपेन में उनकी बड़ी भूमिका रही है। रमेश अभिषेक वायदा बाजार आयोग (एफएमसी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और सीबीआई ने लोकपाल के आरोपों पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। लोकपाल ने आरोप लगाया था कि पिता-पुत्री ने उन अनेक कंपनियों और संस्थाओं से पेशेवर शुल्क के रूप में भारी रकम प्राप्त की जिनसे संबंधित मामलों में पूर्व आईएएस अधिकारी ने सेवा में रहते हुए काम किया था।

चार धाम यात्रियों को बड़ा झटका, रजिस्ट्रेशन पर 31 मई तक लगी रोक

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए पूरे देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आ रहे हैं। यात्रा में भारी भीड़ के चलते सरकार ने 31 मई तक ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर रोक लगा दी है। चार धाम यात्रा के लिए हरिद्वार और देहरादून में ट्रांजिट कैंप बनाए गए हैं। जहां पिछले कई दिन से लोग ऑफ लाइन पंजीकरण का इंतजार कर रहे थे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने साफ कहा है कि चारो धामों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए ऑफ लाइन पंजीकरण को 31 मई तक बंद कर दिया गया है। जिन तीर्थ यात्रियों ने ऑन लाइन पंजीकरण कराया है वही फिलहाल यात्रा पर जा सकते हैं। ऐसे में ऑफ लाइन पंजीकरण का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को अपने रजिस्ट्रेशन के लिए अगले आदेश तक इंतजार करना होगा।

विमान की चपेट में आने से 36 फ्लेमिंगो की हुई मौत

मुंबई के कई इलाकों में मिले मरे हुए पक्षी

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर में एमिरेट्स की एक फ्लाइट की चपेट में आने से कम से कम 36 फ्लेमिंगो की मौत हो गई। वहीं, विमान भी क्षतिग्रस्त हो गया। एक वन्यजीव कल्याण समूह के सदस्य ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी।

मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

'रेस्किंग एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर' (आरएडब्ल्यूडब्ल्यू) के संस्थापक और वन विभाग में मानद वन्यजीव वार्डन पवन शर्मा ने बताया कि घाटकोपर में कुछ स्थानों पर मृत पक्षी देखे जाने के बारे में कई लोगों के फोन आ रहे थे। उन्होंने बताया कि मौत की असली वजह का पता लगाने के लिए मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मुंबई आ रही एक एमिरेट्स फ्लाइट की टक्कर से 36 फ्लेमिंगो की मौत हो गई। ये घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। वहीं इस टक्कर के बाद कई मरे हुए फ्लेमिंगो घाटकोपर इलाके में मिले। वहीं इस टक्कर की वजह से विमान को भी काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि विमान ने एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कर ली। फिलहाल, सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। वन अधिकारियों और एनिमल एक्टिविस्ट ने मरे हुए फ्लेमिंगो बर्ड्स को हटाया है।

अलग-अलग इलाकों से मृत मिले पक्षी

इस हादसे के कई वीडियो भी सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि मृत फ्लेमिंगो मुंबई के कई अलग-अलग इलाकों से बरामद किए गए। स्थानीय लोगों ने फोन करके इसकी सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग और अन्य टीमें मौके पर पहुंची और मृत फ्लेमिंगो को कब्जे में लिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 22 मई, 2024 3

सुविचार

हमारा भाग्य हमारा भविष्य बताता है लेकिन हमारा कर्म भविष्य बनाता है

तीन दिनों के भीतर किसानों के खातों में नकदी जमा होगी : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान खरीदा जा रहा है और तीन दिनों के भीतर किसानों के खातों में नकदी जमा की जा रही है। यहां गांधी भवन में मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना में धान की खरीद तेज गति से चल रही है, लेकिन विपक्षी दल किसानों के बीच दहशत पैदा कर रहे हैं क्योंकि वे राज्य सरकार द्वारा धान खरीद के तीन दिनों के भीतर किसानों के खातों में नकदी जमा करने से नाखुश हैं।

पिछले साल अपनी पदयात्रा के दौरान किसानों की दुर्दशा और सड़कों के किनारे भीगे और अंकुरित धान के ढेरों को याद करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा धान की खरीद न किए जाने के कारण हजारों किसानों ने उनसे अपनी पीड़ा साझा की थी। भट्टी विक्रमार्क ने पुष्टि की कि अंकुरित धान भी राज्य सरकार द्वारा एमएसपी पर खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा, किसानों को इस पर उत्तेजित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह प्रजा सरकार है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि लोगों को परेशानी न हो। बोनस मुद्दे का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही अच्छी किस्म के धान के लिए 500 रुपये का बोनस देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, वास्तव में यह पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ही थे जिन्होंने कहा था कि धान की खेती करना आत्मघाती है और उन्होंने किसानों को धान की खेती न करने की चेतावनी दी थी।

दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित किया, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें दुष्ट ताकतों के हाथों अपनी जान गंवानी पड़ी। उन्होंने कहा, यह राजीव गांधी ही थे जिन्होंने बड़ी दूरदर्शिता के साथ देश में प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया और युवाओं को बड़े पैमाने पर राजनीति में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। दिवंगत प्रधानमंत्री द्वारा दिखाए गए मार्ग के कारण ही आज मिनटों में जानकारी मिल रही है कि कहां किस तरह की फसल उगाई जा रही है और कितना धान खरीदा गया है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार आने वाले दिनों में राजीव गांधी के आदर्शों को आगे ले जाएगी।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी 10 विश्वविद्यालयों के प्रभारी कुलपति नियुक्त

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तेलंगाना के 10 विश्वविद्यालयों के प्रभारी कुलपति नियुक्त किया है। राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को यहां जारी आदेशों के अनुसार, दाना किशोर को उस्मानिया विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। इसी तरह, जेएनटीयू के लिए बुर्रा वेंकटेशम, काकतीय विश्वविद्यालय के लिए करुणा वाकाती, डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के लिए रिजवी, तेलंगाना विश्वविद्यालय के लिए संदीप सुल्तानिया, पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय के लिए शैलजा रामैया, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के लिए नवीन मित्तल, सातवाहन विश्वविद्यालय के लिए सुरेंद्र मोहन, पलामुरु विश्वविद्यालय के लिए नदीम अहमद और जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और वित्त विश्वविद्यालय के लिए जयेश रंजन को नियुक्त किया गया।

उत्तम ने भाजपा विधायक के 100 करोड़ रुपये की रिश्वत के आरोपों की निंदा की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी ने भाजपा विधायक दल के नेता ए महेश्वर रेड्डी के आरोपों की कड़ी निंदा की है, जिन्होंने उत्तम कुमार रेड्डी पर चावल मिल मालिकों से रिश्वत के रूप में एकत्र किए गए 100 करोड़ रुपये को चुनाव निधि के रूप में कांग्रेस हाईकमान को सौंपने का आरोप लगाया है।

मंगलवार को यहां एक विज्ञप्ति में मंत्री ने कहा कि भाजपा विधायक लगातार निराधार और झूठे आरोप लगाकर खबरों में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महेश्वर रेड्डी और उनकी पार्टी के नेता बुनियादी जानकारी के बिना बोल रहे हैं और दुर्भावनापूर्ण प्रचार का सहारा ले रहे हैं। हमने कांग्रेस सरकार के सौ दिनों के शासन के दौरान तेलंगाना में उत्कृष्ट शासन प्रदान किया है। इसके अलावा, हम पिछली बीआरएस सरकार द्वारा किए गए कुकर्मों को भी व्यवस्थित कर रहे हैं। यह कहना सरासर झूठ और दुष्टता है कि हमने 100 दिनों के शासन के दौरान भ्रष्टाचार किया है और यू-टैक्स एकत्र किया है।

औद्योगिक विकास में तेलंगाना दुनिया से प्रतिस्पर्धा करेगा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में औद्योगिक विकास की समीक्षा की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि औद्योगिक विकास में अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए नीतियां बनाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा की और राज्य में औद्योगिक विकास के लिए अपनाई जाने वाली नई औद्योगिक नीति के लिए सुझाव दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पिछली समीक्षा बैठकों में लिए गए निर्णयों और कार्यों की प्रगति के बारे में बताया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पावरलूम और हैंडलूम श्रमिकों को लाभ पहुंचाने के लिए एक नई नीति बनाने की सलाह दी।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि औद्योगिक विकास के लिए मुख्य रूप से छह नई नीतियां बनाई जाएंगी- एमएसएमई नीति, निर्यात नीति, नई जीवन विज्ञान नीति, संशोधित ईवी नीति, चिकित्सा पर्यटन नीति और हरित ऊर्जा नीति। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चुनाव आचार संहिता समाप्त होने से पहले औद्योगिक नीतियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अन्य देशों में अपनाई गई सर्वोत्तम औद्योगिक नीतियों का अध्ययन करने के लिए भी कहा है।

बेरोजगारी को लेकर भाजयुमो ने विरोध प्रदर्शन किया

आंदोलनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजयुमो प्रदेश शाखा के तत्वावधान में गन पार्क शहीद स्तूप पर तेलंगाना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। भाजयुमो ने कहा कि हम इस तथ्य के खिलाफ हैं कि रेवंत रेड्डी सरकार ने पुलिस को नहीं रोका और उन नेताओं की अवैध गिरफ्तारी नहीं की जो बेरोजगारों की ओर से लड़ते हुए शहीदों के स्तूप पर श्रद्धांजलि देने जा रहे थे। पिछले दिनों रेवंत रेड्डी ने युवा घोषणापत्र की घोषणा की थी और अब तक वह उस वादे को पूरा न करके तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को धोखा दे रहे हैं। भाजयुमो की मांग है कि तेलंगाना सरकार तुरंत युवा घोषणापत्र और मेगा डीएससी की घोषणा करे, अन्यथा जून के महीने में राज्य भर में रेवंत रेड्डी सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान जारी किए गए जॉब कैलेंडर तुरंत जारी किए जाएं और कर्मचारियों को बदला जाए। राज्य में मेगा डीएससी की स्थापना कर 50,000 नौकरियां भरी जाएं, जिसमें गुरुकुल स्कूलों में कस्तूरबालिका, सरकारी स्कूलों में मॉडल स्कूलों और राज्य विश्वविद्यालयों में गैर-शिक्षण सहायक प्रोफेसर के रिक्त पदों को तुरंत भरा जाए। पिछले दो वर्षों की लंबित प्रतिपूर्ति राशि 528 करोड़ तत्काल जारी की जाए। केवल पतले चावल के लिए 500 रुपये बोनस के अलावा सभी प्रकार के चावल के लिए बोनस जारी किया जाना चाहिए। भर्ती के एजेंडे को लेकर संघर्ष करने वाली कांग्रेस आज बेरोजगारों को भूल गई है। इस अवसर पर सेवेल्ला महेंदर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह शर्म की बात है कि दो लाख कर्मचारियों के प्रतिस्थापन की घोषणा और मेगा डीएससी अधिसूचना को लेकर शहीद स्तूप के पास शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजयुमो कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अवैध रूप से गिरफ्तार कर लिया। शहीद स्तूप पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने 127 लोगों को गिरफ्तार किया और उन्हें 7 पुलिस स्टेशनों में ले गई। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से नामानी महेश, कुमार यादव, चितरंजन रेड्डी, तरूण रेड्डी, संतोष नायक, भरत, नितिन, पी.अशोक, दयाकर, यादीश और अन्य ने भाग लिया।

जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की ईओडब्ल्यू पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो मेसर्स अमेजन डेवलपमेंट सेंटर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के निष्क्रिय/पूर्व कर्मचारियों की पूर्ण और अंतिम निपटान देय राशि को मंजूरी देने की आड़ में धन की हेराफेरी, जालसाजी और धोखाधड़ी में शामिल था। पीएस ईओडब्ल्यू, साइबराबाद के तहत अपराध संख्या 04/2024 यू/एस 403, 408, 420, 467, 468, 471, 477-ए, 201 आर/डब्ल्यू 120-बी आईपीसी दर्ज किया गया था।

आरोपी की पहचान मेट्टू वेंकटेश्वरलू, पूर्व वरिष्ठ वित्तीय परिचालन विश्लेषक-पेरोल, अमेज़न डेवलपमेंट सेंटर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, वित्तीय जिला, नानकरामगुडा, गच्चीबोवली, हैदराबाद और उसके साथियों के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता अंकुर शर्मा, सीनियर एलईआर (कानून प्रवर्तन प्रतिक्रिया) विशेषज्ञ, अमेज़न डेवलपमेंट सेंटर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, वित्तीय जिला, नानकरामगुडा, गच्चीबोवल, हैदराबाद हैं। पुलिस ने कहा कि आरोपी का मुख्य कर्तव्य और जिम्मेदारी निष्क्रिय और पूर्व कर्मचारियों के पूर्ण और अंतिम निपटान बकाया सहित अमेज़न कंपनी के सक्रिय कर्मचारियों की एंड टू एंड पेरोल गतिविधियों को संसाधित और प्रबंधित करना है। लेकिन आरोपी मेट्टू वेंकटेश्वरलू और उसके साथियों ने एक-दूसरे के साथ साजिश रची और जाली ई-मेल और बैंक स्टेटमेंट फाइलें बनाकर निष्क्रिय/पूर्व कर्मचारियों के पूर्ण और अंतिम निपटान बकाया राशि को अपने साथियों के बैंक खातों में डायवर्ट करने की योजना बनाई। आरोपी मेट्टू वेंकटेश्वरलू और उसके साथी कुछ ऐसे लंबे समय से लंबित भुगतानों की पहचान करते थे, जिनका दावा नहीं किया गया था और बैंक हस्तांतरण की कार्य फाइलें तैयार करते थे और ऐसे निष्क्रिय/पूर्व कर्मचारियों के बैंक खाता नंबर बदल देते थे और उसे अपने साथियों के बैंक खाता नंबरों से अपडेट कर देते थे और पूर्ण और अंतिम निपटान के नाम पर 3.2 करोड़ रुपये की राशि 2016 से 2023 की अवधि के लिए अपने 'दोस्तों और रिश्तेदारों' के बैंक खातों में ट्रांसफर कर देते थे। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके धोखाधड़ी से 3.2 करोड़ रुपये अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के 50 बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए और 184 निष्क्रिय/पूर्व कर्मचारियों को उनके बकाए से वंचित कर दिया और मेसर्स अमेजन डेवलपमेंट सेंटर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 3.22 करोड़ रुपये का गलत नुकसान पहुंचाया।

कांग्रेस का शासन किसान विरोधी

केटीआर ने की कांग्रेस की आलोचना

केवल बढ़िया धान के लिए 500 रुपये के बोनस का मामला

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कांग्रेस पार्टी के चुनावी वादे के विपरीत, केवल अच्छी किस्म के धान पर 500 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने के राज्य सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इस फैसले को 'पाखंडी कांग्रेस ब्रांड धोखाधड़ी' कहा और सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले अपने गारंटी कार्ड में धान की सभी किस्मों की फसलों के लिए 500 रुपये का बोनस देने का वादा किया था। अब वे कहते हैं कि यह केवल बढ़िया किस्म के धान के लिए है। यह धोखा और पाखंड है। यह घोषणा करते हुए कि यह लोगों का शासन (प्रजा पालना) नहीं है, बल्कि किसान विरोधी शासन है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने सिंचाई जल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति की कमी और बेमौसम बारिश के कारण फसल के नुकसान के मुआवजे सहित कांग्रेस सरकार की विफलताओं की ओर इशारा किया। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार को अभी भी किसानों को रायथु भरोसा के तहत 15,000 रुपये प्रति एकड़ और खेतिहर मजदूरों को 12,000 रुपये प्रति एकड़ प्रदान करना बाकी है। उन्होंने 9 दिसंबर तक 2 लाख रुपये की फसल ऋण माफी का भी वादा किया था, लेकिन पूरा नहीं किया। अब, धान की फसल के बोनस के संबंध में उनका धोखा स्पष्ट है।

सीएम रेवंत ने किसानों को धोखा दिया : पोन्नाला

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के नेता पोन्नाला लक्ष्मैया ने आज आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने किसानों के वोट हथियाने के बाद धान की फसल के लिए 500 रुपये बोनस देने के अपने वादे से मुकर कर राज्य के किसानों को धोखा दिया है। आज यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि रेवंत रेड्डी ने बोनस देने का वादा तब किया था जब आदर्श आचार संहिता अभी भी लागू है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को किसान विरोधी सरकार करार दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य के किसी भी मंत्री ने उन जगहों का दौरा नहीं किया जहां बारिश से प्रभावित धान की फसलें हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अभी तक गीला धान नहीं खरीदा है।

शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में आधुनिक तकनीक का उपयोग करें: तरुण जोशी

पुलिसकर्मियों को लैपटॉप और टैबलेट प्रदान किए गए

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त तरूण जोशी ने वर्तमान आधुनिक तकनीक की शुरूआत करके लोगों को अधिक कुशल और त्वरित सेवाएं प्रदान करने के इरादे से नेरेडमेट में आयुक्त कार्यालय में स्टेशन हाउस अधिकारियों और ब्लू कोल्ट्स कर्मचारियों और पेट्रोमोबाइल्स कर्मचारियों को उन्नत कंप्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट प्रदान किए हैं। इस कार्यक्रम के लिए लगभग 1.33 करोड़ रुपये की लागत से खरीदे गए 170 टैबलेट, 18 लैपटॉप और 80 उन्नत डेस्कटॉप कंप्यूटर सीपी की विशेष पहल पर विभिन्न स्टेशनों को प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त तरूण जोशी ने बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से लोकसभा चुनाव संपन्न कराने में उनके कुशल कार्य के लिए सभी विभागों के राचकोंडा पुलिस कर्मियों को बधाई दी। कमिश्नर ने कहा कि आज की डिजिटल दुनिया में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि विभिन्न अपराधों के पीड़ितों की शिकायतों के पंजीकरण में कोई तकनीकी देरी न हो और पुलिस के दैनिक कर्तव्यों में उपयोगी हो, नवीनतम सॉफ्टवेयर वाले टैबलेट, डेस्कटॉप कंप्यूटर और लैपटॉप प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा पुलिस विभाग में काम करने वाले हर व्यक्ति को तकनीकी ज्ञान होना जरूरी है। आम अपराधों के साथ-साथ दिन-ब-दिन बढ़ते साइबर अपराधों को रोकने के लिए तकनीकी ज्ञान की जरूरत है। यह एक अच्छा विकास है कि वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे अधिकांश कांस्टेबल तकनीकी ज्ञान के साथ उच्च शिक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सभी को लोगों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ काम करना चाहिए तथा शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। कार्यक्रम में, राच कोंडा आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत डीसीपीएल ने जांच में अपनाई जाने वाली नई प्रक्रियाओं पर कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए भारतीय नागरिक प्रक्रिया संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संबंधित कई कानूनी ग्रंथों की समीक्षा की। भारत सरकार का नया आपराधिक कानून अधिनियम-2023 एक जुलाई से लागू होने पर विभिन्न मामलों की सुनवाई अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और अन्य पुलिस विभागों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन नए दंड कानूनों पर सभी कर्मचारियों को पूर्ण ज्ञान और समझ प्रदान करने के लिए कानून और व्यवस्था विभाग के साथ-साथ सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के सभी स्तर के कर्मचारियों के लिए क्षेत्र-वार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, साइबर क्राइम डीसीपी चंद्र मोहन, एडिशनल डीसीपी नरसिम्हा रेड्डी, एसीपी आईटी सेल नरेंद्र गौड़, विभिन्न स्टेशनों के हाउस ऑफिसर, पेट्रोलिंग कार, ब्लू कोल्ट्स स्टाफ और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बरसात से पहले स्वास्थ्य संबंधी सलाह जारी

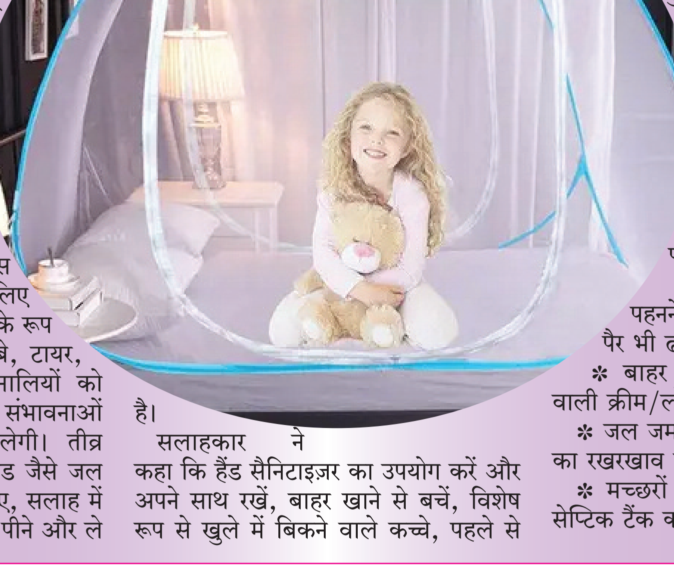

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईएमडी-हैदराबाद ने तेलंगाना के लिए पूर्वानुमान लगाया है कि हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें गर्मी से राहत दे सकती है, लेकिन मध्यम तापमान और आर्द्रता विभिन्न वायरल संक्रमणों के साथ-साथ मच्छरों, भोजन और खाद्य पदार्थों के लिए प्रजनन स्थल भी बन सकती है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संचालक डॉ.बी. रविंदर नायक ने बारिश के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। बारिश के दौरान स्वस्थ रहने के सुझावों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से लड़ने के लिए मच्छरों के खतरे की जांच करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि घर के आसपास जमा पानी से छुटकारा पाने के लिए प्रत्येक शुक्रवार को शुष्क दिवस के रूप में मनाने, फूलों के बर्तन, डिब्बे, टायर, बाल्टियां, कूलर, टांके और नालियों को त्यागने से मच्छरों के प्रजनन की संभावनाओं को खत्म करने में मदद मिलेगी। तीव्र आंत्रशोथ, पीलिया और टाइफाइड जैसे जल जनित संक्रमणों को रोकने के लिए, सलाह में घर से फ़िल्टर्ड/उबला हुआ पानी पीने और ले जाने, बाहर जाने पर बोतलबंद पानी, बार-बार हाथ धोने, विशेष रूप से भोजन से पहले और बाद में और शौचालय जाने के बाद भी कहा गया है।

सलाहकार ने कहा कि हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करें और अपने साथ रखें, बाहर खाने से बचें, विशेष रूप से खुले में बिकने वाले कच्चे, पहले से कटे और ढके हुए भोजन जैसे चाट, सलाद, फल और जूस से बचें, और घर का बना ताजा खाना खाएं और जहां तक संभव हो बचा हुआ खाना न खाएं।

बारिश के दौरान स्वास्थ्य सलाह:

- ✻ दरवाजों और खिड़कियों को मच्छरदानी/स्क्रीन से सुरक्षित करें।
- ✻ रात में किसी भी छेद को तुरंत बंद कर देना चाहिए।
- ✻ सुबह और शाम के समय खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें।
- ✻ बिस्तरों और पालनों को मच्छरदानी से ढकें।
- ✻ रात में एक वर्ग इंच में 156 छेद होने चाहिए और उसे बिस्तर के चारों ओर फंसाया जाना चाहिए।
- ✻ बच्चों को हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए जिससे उनके हाथ और पैर भी ढके रहें।
- ✻ बाहर जाने से पहले मच्छर भगाने वाली क्रीम/लोशन आदि लगाएं।
- ✻ जल जमाव को रोकने के लिए नालियों का रखरखाव करें।
- ✻ मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए सेप्टिक टैंक को जाली से ढकें।

टीजी बाईपास आवेदनों की प्रोसेसिंग में तेजी लाई जाए : रोनाल्ड रॉस

बिल्डिंग परमिट के लिए आवेदन एक निश्चित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए

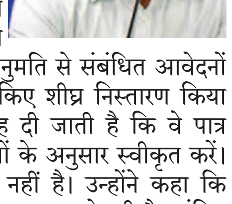

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रॉस ने कहा है कि टाउन प्लानिंग विभाग के अधिकारियों को टीजीबी पास में प्राप्त आवेदनों को निर्धारित समय के भीतर हल करना चाहिए। मंगलवार को जीएचएमसी मुख्यालय के पनवार हॉल में टाउन प्लानिंग विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस मौके पर आयुक्त ने कहा, टीजीबी पास के तहत भवन निर्माण अनुमति से संबंधित आवेदनों का जनता को कोई परेशानी हुए बिना देरी किए शीघ्र निस्तारण किया जाए। नगर नियोजन अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे पात्र आवेदनों को निर्धारित अवधि के भीतर नियमों के अनुसार स्वीकृत करें। किसी भी कारण से अस्वीकार करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि देखने में आया है कि काफी कम फास की गड़गड़ाहट हो रही है। लंबित आवेदनों एवं अधिभोग प्रमाणपत्रों का नियमानुसार निराकरण करने की सलाह दी जाती है। परमिशन को लेकर कई जगहों से शिकायतें आ रही हैं। उनसे पिछले चार से पांच महीनों में कमियों और अस्वीकृत आवेदनों का विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया था। इसको लेकर नगर नियोजन अधिकारी अपनी कार्यशैली में सुधार लाना चाहते है। इस अवसर पर आयुक्त ने एसीपीवार कम पड़े आवेदनों, अस्वीकृत आवेदनों तथा सर्किलवार लंबित आवेदनों के विवरण की समीक्षा की सुझाव दिया गया है कि तत्काल पंजीकरण एवं त्वरित अनुमोदन आवेदनों के संबंध में कोई देरी नहीं होनी चाहिए तथा फील्ड निरीक्षण के बाद ही अनुमोदन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक अनुमतियों की मैदानी स्तर पर गहनता से जांच कर निराकरण किया जाये। सलाह दी जाती है कि जर्जर इमारतों की पहचान करें, हर गली में जाकर तहखानों को देखें। बारिश के कारण जान-माल के किसी भी नुकसान से बचने के लिए पहले से ही उचित उपाय करने की सलाह दी जाती है।

कोवैक्सीन के शोध दल ने आईसीएमआर से मांगी माफी

बीएचयू की रिसर्च टीम पर हो सकती है कार्रवाई

वाराणसी, 21 मई (एजेंसियां)। कोवैक्सीन के प्रभाव को लेकर बीएचयू का अध्ययन जिम्मेदारों के गले की फांस बन चुका है। चिकित्सा विज्ञान संस्थान के शोध दल ने आइसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) से माफी मांगी है। शोध टीम में 12 से अधिक डॉक्टर और शोधार्थी निशाने पर हैं। दल की अगुवाई कर रहे डॉ। एसएस चक्रवर्ती और डा। उपिंदर कौर ने परिषद के महानिदेशक को माफीनामा भेजा है। कहा है कि हमसे गलती हुई है कि हमने प्रोजेक्ट में परिषद को जोड़ लिया। भविष्य में दोबारा ऐसी चूक नहीं होगी।

रिसर्च पेपर से आईसीएमआर का नाम हटाने को लिखा गया पत्र

स्विट्जरलैंड के जर्नल स्प्रिंगर नेचर के संपादक को भी पत्र लिखा गया है। उनसे रिसर्च पेपर से आइसीएमआर का नाम हटाने के लिए कहा है। गंभीर खामियों के साथ गड़बड़ डिजाइन के अध्ययन के मामले में कार्रवाई की जा सकती है। परिषद पहले ही कह चुका है कि वह प्रकरण में कानूनी कार्रवाई करेगा। दोनों डॉक्टर इस समय बेंगलुरू में हैं, कुछ दिन बाद वह बनारस लौटेंगे। चिकित्सा विज्ञान संस्थान उनसे सवाल-जवाब भी करेगा।

शोध दल को जारी किया गया था नोटिस

पिछले दिनों परिषद ने शोध दल को नोटिस जारी किया था। आइएमएस निदेशक ने प्रकरण में रिपोर्ट तलब की और चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। विस्तृत जांच रिपोर्ट परिषद को भेजी जा चुकी है। अब परिषद ने भी जर्नल को पत्र लिखा है।

उनका कहना है कि अध्ययन में चार गंभीर खामियां हैं। पहला, उनके पास शोध की पुष्टि करने के लिए बिना टीकाकरण वाले व्यक्तियों का कोई समूह नहीं है कि दुष्प्रभाव वास्तव में टीकाकरण से जुड़े हैं। दूसरा, इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया है कि नमूना आबादी की तरफ से साइड इफेक्ट को कितनी बार रिपोर्ट की गई थी, ताकि स्थापित किया जा सके कि वह टीकाकरण से जुड़ा है। तीसरा, अध्ययन में उपकरण विश्व स्तरीय नहीं था जबकि चौथी खामी, प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को टीकाकरण के एक साल बाद किसी भी रिकार्ड या चिकित्सक परीक्षण के सत्यापन के बिना दर्ज किया गया, जिससे पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग की संभावना बढ़ गई। नोटिस का जवाब आइएमएस ने भेज दिया है। अनुसंधान वातावरण को और बेहतर बनाने की दिशा में कई कदम उठाए जाएंगे।

बता दें कि मामले में आइसीएमआर ने नोटिस में कहा है कि शोधकर्ता अपने शोध से आइसीएमआर की स्वीकृति को हटा दे और माफीनामा प्रकाशित करें, या फिर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करें। आइएमएस निदेशक प्रो। एसएन संखवार ने बताया कि जांच दल की तरफ से आइसीएमआर को जवाब भेजा गया है। शोध दल के सदस्यों से शीघ्र ही बात की जाएगी।

सामूहिक हत्याकांड के आरोपी अजीत को रिमांड पर लेने की तैयारी में पुलिस कुछ सवाल अभी भी उलझे

सीतापुर, 21 मई (एजेंसियां)। सीतापुर जिले के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के पल्हापुर हत्याकांड के अनसुलझे सवालों का जवाब पाने के लिए पुलिस मुख्य आरोपी अजीत को रिमांड पर लेना चाहती है। जेल में बंद अजीत से पुलिस कई सवाल करेगी। इसके साथ ही अन्य कई बिंदुओं पर भी गहनता से पूछताछ होगी। बीती 11 मई को रामपुर मथुरा के पल्हापुर गांव में एक ही परिवार के छह लोगों की हत्या कर दी गई थी। पहले पुलिस ने अनुराग के जरिए सबकी हत्या कर खुद को गोली मारे जाने की बात कही थी। लेकिन बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य बिंदुओं के आधार पर यह पता चला था कि अनुराग के भाई अजीत ने ही अपनी मां सवित्री, भाई अनुराग, भाभी प्रियंका और उसके तीन बच्चों की हत्या कर दी थी।

भाजपा प्रत्याशी को लेकर राजा भैया ने तोड़ी चुप्पी

कह दी ये बड़ी बात; अनुप्रिया पटेल पर भी जमकर बरसे

प्रतापगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने कौशांबी (सुरक्षित) लोकसभा के एनडीए के भाजपा प्रत्याशी को लेकर बड़ा बयान दिया। कहा कि भाजपा प्रत्याशी को लेकर जनता में नाराजगी है। कुंडा व बाबागंज की जनता में आक्रोश है।

उन्होंने बेंती गांव के प्राइमरी पाठशाला पर बने पोलिंग बूथ पर दोपहर 12 बजे मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। तीन दिन पहले केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा मानिकपुर में आयोजित जनसभा में उनको लेकर दिए गए बयान पर रघुराज ने कहा उनका बयान अनावश्यक था।

उसकी कोई जरूरत नहीं थी। कहा कि ईवीएम से राजा नहीं पैदा होता है। ईवीएम से जनसेवक पैदा होता। ईवीएम से जन प्रतिनिधि पैदा होता है और उसकी आयु पांच वर्ष की होती है। पांच वर्ष बाद जनता जनार्दन निर्णय करती है कि पुनर्जन्म देना है या नहीं देना है। मालूम हो कि बीते दिनों अनुप्रिया पटेल ने कुंडा में कहा था कि स्वघोषित राजाओं को लगता है कि कुंडा उनकी जागीर है। अब उनका भ्रम तोड़ने का समय आ गया है।

आजमगढ़ में अखिलेश यादव की जनसभा में अचानक मची भगदड़, पुलिस ने हालात को नियंत्रण में किया

आजमगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। आजमगढ़ जिले में मंगलवार को लालगंज लोकसभा क्षेत्र के खरेवां में अखिलेश यादव की जनसभा में अचानक भगदड़ मच गई। हालांकि पुलिस ने मौके पर लोगों को शांत कराया और भीड़ को हटाया। थोड़ी ही देर में माहौल सामान्य हो गया। लोकसभा लालगंज के खरेवां में सपा मुखिया अखिलेश यादव की जनसभा का आयोजन किया गया था। जैसे ही अखिलेश अपना संबोधन शुरू करने के लिए उठे कार्यकर्ता जोश में आ गए, जिससे कुछ देर के लिए भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को संभाला। इस दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा कुछ लोगों पर डंडा चलाने की भी बात सामने आ रही है। लालगंज लोकसभा क्षेत्र के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र स्थित सरायमीर के खरेवां मोड़ पर आयोजित जनसभा में मंगलवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव पहुंचे। इस दौरान उनको सुनने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ा हुआ था। निर्धारित समय से सपा मुखिया देर से पहुंचे। अखिलेश यादव मंच पर जैसे ही पहुंचे कार्यकर्ता जोश में आ गए।

रोहिणी आचार्य के चलते छपरा में माहौल गर्म

चुनावी रंजिश में गोलीबारी के बाद 1 की मौत; हंगामे को लेकर पुलिस अलर्ट

छपरा, 21 मई (एजेंसियां)। छपरा शहर के नगर थाना क्षेत्र के तेलपा मोहल्ले में मंगलवार की सुबह में पूर्व के चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर बवाल हो गया। इसके बाद वहां गोलियां चली। गोली लगने से बड़ा तेलपा निवासी नागेंद्र राय के 25 वर्षीय पुत्र चंदन राय की मौत हो गई। वहीं, दो लोग जख्मी हालत में छपरा सदर अस्पताल लाए गए। जख्मी लोगों में बड़ा तेलपा निवासी मनोज राय एवं गुड्डु राय बताए जाते हैं। दोनों लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। इधर, चंदन राय की मौत के बाद सदर अस्पताल में उनके स्वजनों ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया है। मौके पर पहुंचे डीएम और एसपी इस गोलीबारी की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस कप्तान डॉक्टर गौरव मंगल मौके पर पहुंचकर मामले की तहकीकात में जुट गए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मतदान के दिन सोमवार को बड़ा तेलपा के बूथ पर राजद प्रत्याशी डॉ रोहिणी आचार्य के पहुंचने पर दोनों समर्थकों के बीच विवाद हुआ था।

शहर के थाना चौक पर हंगामा करते मृतक के स्वजन

हालांकि, विवाद को सुलझा लिया गया था, लेकिन मंगलवार को विवाद ने पुनः उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इसके बाद जमकर हुए विवाद में गोली चलाई गई। गोली चलने से चंदन राय की मौत हो गई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

जाति विशेष के लोगों पर गोली चलाने का आरोप

चंदन राय के घर वाले एक जाति विशेष के लोग पर गोली चलाने का आरोप लगा रहे हैं। बहरहाल पुलिस इसकी जांच कर रही है। चंदन राय के दाहिने तरफ सीने में गोली लगी है जिससे उनकी मौत हुई है। घटना को लेकर पूर्व मंत्री जितेंद्र राय सदर अस्पताल में पहुंचे हुए हैं और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ले रहे हैं।

घटनास्थल पर मौजूद डीएम एवं एसपी

उन्होंने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जांच विशेष रूप से कराई जा रही है। जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एसपी से भी इस संबंध में बात की है।

दो चुनाव धर्म की बात करके जीत गए प्रियंका गांधी का पीएम मोदी पर हमला

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में सियासी पारा हाई है। लोकसभा चुनाव 2024 के पांच चरणों का मतदान हो गया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को गुमराह कर रहें हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। कांग्रेस महासचिव से जब सवाल किया गया कि आखिर क्या कारण है कि 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस को 44 सीटें आती हैं। 2019 के चुनाव में 52 सीटें आती हैं और अभी भी पोल एनालिसिस कह रहे हैं कि बीजेपी ये चुनाव भी जीतेगी। मोदी और बीजेपी तो कह रहे हैं कि 400 पार, इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता ये समझ रही है कि हमें जो दिखाया जा रहा है, वो सच्चाई नहीं है। मोदी जी की प्रोपेगैंडा मशीनरी और मीडिया मशीनरी मेरे ख्याल से दुनिया में अव्वल होगी। कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा कि मोदी जी दो चुनाव धर्म की बात करके जीत गए। आज ये चुनाव है, जिसमें जनता जागरूक हो रही है। जनता ये समझ रही है कि हमें जो दिखाया जा रहा है, वो सच्चाई है ही नहीं। सच्चाई तो हमारे जीवन में है। सच्चाई तो वो मजदूर हैं, जिसे काम नहीं मिल रहा है। सच्चाई तो वो महिला है, जो दुकान जाती है और कुछ खरीद नहीं पाती। सच्चाई तो वो किसान हैं, जो कमा नहीं पा रहा है। सच्चाई तो वो मां-बाप हैं, जो अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए सब कुछ कर रहे हैं, लेकिन उनके बच्चे को नौकरी नहीं मिल रही। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम एक सच्चाई अपने जीवन में देख रहे हैं,

सीनियर टीचरों को मिलेगा हेडमास्टर पद का वेतन

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा-स्कूलों में हेडमास्टर की ड्यूटी पर वेतन एरियर दें

प्रयागराज, 21 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपर प्राइमरी स्कूलों में हेडमास्टर की ड्यूटी कर रहे सीनियर टीचरों को हेडमास्टर पद का वेतन एरियर समेत भुगतान करने का निर्देश दिया है। इन टीचरों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि वे अपर प्राइमरी स्कूलों में बतौर सीनियर टीचर कई वर्षों से कार्यरत हैं। सीनियर टीचर होने के नाते उनसे हेडमास्टर की ड्यूटी ली जा रही है परन्तु उन्हें हेड मास्टर की सैलरी नहीं दी जा रही है। यह आदेश जस्टिस पीयूष अग्रवाल ने त्रिपुरारी दुबे वह अन्य टीचरों की तरफ से दाखिल याचिका को मंजूर करते हुए दिया।

टीचरों की तरफ से दायर की गई थी याचिका

मामले के अनुसार याची व अन्य टीचरों की नियुक्ति सहायक अध्यापक के रूप में हुई थी। बाद में वे अपर प्राइमरी स्कूल में बताओ सीनियर टीचर काम कर रहे हैं। इन टीचरों का कहना है कि स्कूल में हेड मास्टर की नियुक्ति न होने के कारण उनसे हेडमास्टर का काम तो लिया जा रहा है परंतु वेतन टीचर का ही दिया जा रहा है। याचिका में कहा गया था वे बतौर हेड मास्टर 31 में 2014 से कम कर रहे हैं। प्रदेश सरकार की तरफ से याचिका का विरोध किया गया और कहा गया कि हेडमास्टर का उन्हीं को दिया जा सकता जिनका हेड मास्टर के पद पर नियमित चयन हुआ हो। क्योंकि याचीगण का हेड मास्टर के पद पर नियमित चयन नहीं हुआ है, इस कारण उन्हें हेडमास्टर पद का वेतन नहीं दिया जा सकता है। फले ही उनसे हेडमास्टर पद का काम लिया जा रहा है। कोर्ट ने सरकार की दलीलों को इंकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस संबंध में प्रतिपादित डॉक्टर जयप्रकाश नारायण सिंह तथा अरिंदम चट्टोपाध्याय व अन्य बनाम वेस्ट बंगाल सरकार केस का हवाला देते हुए याचिका को मंजूर करते हुए हेडमास्टर पद पर काम कर रहे याची टीचरों को हेड मास्टर पद पर कार्य करने की तिथि 31 मई 2014 से एरियर समेत भुगतान करने का निर्देश दिया है।

हाथरस में अब प्रशासन जुटा मतगणना की तैयारी में

4 जून को होगी मतगणना, डीएम ने किया स्ट्रांग रूम में संरक्षित ईवीएम की सुरक्षा का निरीक्षण

हाथरस, 21 मई (एजेंसियां)। हाथरस में भी 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर तैयारी तेज हो गई है। हाथरस लोकसभा सीट पर तीसरे चरणों को 7 में मई मतदान हो चुका है और अब 4 जून को यहां मतगणना होगी। मतगणना की तैयारी को लेकर अधिकारी लगातार बैठक कर रहे हैं। जिलाधिकारी अर्चना वर्मा ने एमजी पॉलिटेक्निक में विधानसभावार स्थापित स्ट्रांग रुमों में संरक्षित ईवीएम की सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कंपनी कमांडर और जवानों को स्ट्रांग रूमों की शतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने तैनात सैन्य बलों को लगातार चौकन्ना रहते हुए सीसीटीवी के माध्यम से भी कड़ी निगरानी रखने के साथ ही सीसीटीवी कंट्रोल रुम के माध्यम से संचालित समस्त सीसीटीवी कैमरों से सभी क्षेत्रों का अवलोकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी ऑपरेटर को टीवी स्क्रीन पर लगातार नजर बनाये रखने तथा निरीक्षण पंजिका का अवलोकन कर सीसीटीवी ऑपरेटर से सभी अधिकारियों की एन्ट्री लॉग बुक पर समय सहित दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी ऑपरेटर को प्रत्येक समय की रिकॉर्डिंग को संरक्षित रखने को कहा, जिससे कि पल-पल की किसी भी घटना का अवलोकन किया जा सके।

सभी आवश्यक तैयारी समय से पूरी की जाए

उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी हेतु तैनात किए गए अधिकारियों और कमर्चारियों को लॉग बुक में नियमित रूप हस्ताक्षर करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी अधिकारी निर्वाचन से मतगणना हेतु विधानसभावार लगाई जाने वाली टेबलों, कर्मचारियों की तैनाती प्रशिक्षण और टेबलवार तैनात किए जाने वाले राजनैतिक दलों के काउंटिंग एजेंट आदि के संबंध में जानकारी कर समस्त आवश्यक तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

लाल मुनिया प्रजाति की चिड़िया की तस्करी करने वालों पर एक्शन

वन विभाग ने दो को पकड़ा, पालने वालों पर होगी कार्रवाई

मेरठ, 21 मई (एजेंसियां)। मेरठ में चोरी छिपे प्रतिबंधित चिड़िया लाल मुनिया बेची का रही थी। जिसकी सूचना पर वन विभाग ने छापा मार कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है।आरोपियों से पूछताछ में वन विभाग को कई अहम जानकारियां हाथ लगी हैं। वन विभाग अब उन लोगों पर भी एक्शन की तैयारी कर रहा है जो इस प्रतिबंधित चिड़िया को पाल रहे हैं। हिरासत में लिये लोगों ने वन विभाग को उस जगह के बारे में जानकारी दी है जहां से वे लाल मुनिया खरीदते थे। वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लालकुर्ती इलाके में राजन और राजा खान चोरी छिपे प्रतिबंधित लाल मुनिया चिड़िया बेच रहे हैं। इस पर लालकुर्ती थाना पुलिस को साथ लेकर वन विभाग की टीम ने छापा मारा तो अफरा तफरी मच गई। वन विभाग की टीम ने मौके से 27 लाल मुनिया चिड़िया बरामद की हैं। दोनों तस्करों के खिलाफ वन विभाग की टीम ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। वन विभाग उन लोगों पर एक्शन लेने वाला है जहां से लाल मुनिया चिड़िया खरीदी थी।

प्रतिबंधित है लाल मुनिया प्रजाति की चिड़िया

लाल मुनिया चिड़िया पालना और रखना प्रतिबंधित है। ये चिड़िया आकार में काफी छोटी होती है, लेकिन देखने में बेहद खूबसूरत होती है। इसकी आवाज दिल को सुकून देने वाली होती है। मेरठ के मैदानी इलाकों में भी लाल मुनिया पाई जाती है। ये ज्यादातर ग्रासलैंड इलाकों में मिलती है। छोटी और खूबसूरत होने की वजह से लोग इसे पालते भी हैं, लेकिन शायद उन्हें नहीं पता कि इसे पालना वैध नहीं है क्योंकि ये प्रतिबंधित पक्षियों की श्रेणी में आती है। जिला वन विभाग अधिकारी (डीएफओ) राजेश कुमार ने बताया कि जो लोग इस प्रतिबंधित चिड़िया को पाल रहें हैं अब उन पर भी एक्शन लेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की है जिनके पास ये प्रतिबंधित लाल मुनिया चिड़िया है उसे वो वन विभाग को सरेंडर कर दें, नहीं तो एक्शन के लिए तैयार रहें।

'पुलिस बुलाए तो जाना नहीं, पकड़ में भी मत आना', शिवपाल यादव ने दी कार्यकर्ताओं को नसीहत

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी को राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा है कि पुलिस की धमकी से डरने की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई पुलिसकर्मी या अधिकारी आपको बुलाता हो तो भी उनके पास नहीं जाना है। उन्होंने कहा कि एक तारीख तक 1 जून न उनके पास जाना और न ही उनकी पकड़ में आना। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव सोमवार को घोसी लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राजीव राय के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को समझाते हुए ये बात कही। सपा नेता ने कहा कि बीजेपी वाले साजिश करते हैं उनके षड्यंत्र में फंसना नहीं है। अगर वो गाली भी दें तो चुपचाप सुन लेना, एक तारीख तक किसी को जवाब नहीं देना।

सपा कार्यकर्ताओं को दी नसीहत

शिवपाल यादव ने मंच से कहा, एक तारीख तक पुलिस का कोई भी अधिकारी बुलाए जाना नहीं। और हम तो कह रहे हैं कि उनकी पकड़ में भी मत आना। अगर कोई गाली भी दे तो सुन लेना उसका जवाब मत देना। गाली तो देंगे। झगड़ा कराएंगे। खूब धमकियां भी देंगे। एक तारीख तक सब सुन लेना, कुछ नहीं कहना। और अगर कही झगड़ा भी हो रहा होगा ये लोग कराएंगे। भारतीय जनता पार्टी के लोग बहुत साजिशखोर भी हैं। झगड़ा भी कराते हैं। षड्यंत्र भी करते हैं। इनके किसी षड्यंत्र में भी नहीं आना है। शिवपाल यादव ने इस दौरान सपा छोड़कर बीजेपी में ज्वाइन करने वाले दारा सिंह चौहान और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा कि मंत्री तो हवा में चले जाते हैं पता नहीं इस तरह के मंत्री को कितने बार हवा में उड़ा दिया। जो चार-पांच महीने पहले घोसी उपचुनाव में हुआ वहीं इस बार घोसी लोकसभा सीट पर भी होगा।

एसएसपी की कारवाई 125 दबंग बने गुंडा, 518 बदमाशों को हर महीने देनी होगी हाजिरी

गोरखपुर, 21 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए गोरखपुर पुलिस ने 125 मनबढ़ों को गुंडा घोषित कराया तो वहीं जमानत पर बाहर आए 518 बदमाशों पर 110 जी की कार्रवाई की। इन 518 बदमाशों को एक साल तक हर महीने एसडीएम कोर्ट में हाजिरी देनी होगी। जांच के दौरान प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने 60 लाख 30 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। वहीं, कच्ची शराब के धंधेबाजों पर कार्रवाई करते हुए 2825 लीटर शराब बरामद की। एसएसपी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एसएसपी डॉ। गौरव ग्रोवर के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब तक चलाए गए अभियान में पुलिस ने उन सभी लोगों को पाबंद करने का काम किया है, जिससे चुनाव में अशांति का खतरा था। इसके अलावा जमानत पर बाहर आए बदमाशों को भी पुलिस ने पाबंद कर दिया, ताकि अगर किसी भी अपराध में उनका नाम आए तो जमानत निरस्त हो जाए। चेकिंग के दौरान पुलिस ने 28 अवैध असलहे और 35 कारतूस पकड़े हैं। 75 प्रतिशत शस्त्र जमा कराए जा चुके हैं।

12 मुकदमों में 41 बदमाशों पर पुलिस ने गैंगस्टर का केस दर्ज कर फिर से जेल में धकेल दिया है। एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने बताया की लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए पुलिस पूरी तरह से तैयार है। पुलिस लगातार ही गुंडा, गैंगस्टर की कार्रवाई कर रही है। जमानत पर बाहर आए बदमाशों पर भी कार्रवाई की गई है।

बिजनेसमैन का उसी की स्कार्पियो में अपहरण

हाथ-पैर बांध रातभर घुमाते रहे; नोएडा में चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर चिल्लाया तो बदमाश भागे

गौतम बुद्ध, 21 मई (एजेंसियां)। नगरग्रेटर नोएडा के 4 बदमाशों ने हरियाणा के कारोबारी का उसी की स्कॉर्पियो में किडनैप कर लिया। उसके हाथ-पैर बांधकर गाड़ी में डाल दिया। सुबह उसे लेकर नोएडा पहुंचे। वहां पुलिस गाड़ियों को रोककर चेक कर रही थी। बदमाश पुलिस को देखकर घबरा गए। घबराहट में स्कॉर्पियो डिवाइडर में ठोंक दी। पुलिस वालों को देखते ही कारोबारी ने शोर मचा दिया। लेकिन, पुलिस के स्कॉर्पियो तक पहुंचने से पहले बदमाश उसे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कारोबारी को छुड़ाया और उसे अस्पताल ले गई। कारोबारी राजीव मित्तल बल्लमगढ़ की मुकेश कॉलोनी के रहने वाले हैं। उनका पार्किंग का बिजनेस है। रात 1 बजे बल्लमगढ़ से बदमाशों ने उनका उन्हीं की स्कॉर्पियो में अपहरण कर लिया। रातभर बदमाश उनको इधर से उधर घुमाते रहे। यूपीआई और एटीएम से बदमाशों ने पैसे निकालने की कोशिश की। मगर, हर बार उन्होंने पिन गलत बताया। 3 बार पिन गलत बताने से कार्ड ब्लॉक हो गया और यूपीआई भी बंद हो गया। मंगलवार सुबह बदमाश कारोबारी को नोएडा लेकर पहुंचे। नॉलेज पार्क थाना की पुलिस कार को रोककर चेक कर रही थी। पुलिस को देखकर बदमाश घबरा गए। इसी घबराहट में स्कॉर्पियो को डिवाइडर में ठोंक दी। एक्सीडेंट होते ही आस-पास लोग और पुलिस वाले दौड़कर आने लगे। कारोबारी ने उन्हें देखकर शोर मचाना शुरू कर दिया। यह देखकर चारों बदमाश मौके से भाग गए। पुलिस वाले गाड़ी के पास पहुंचे, तो देखा एक व्यक्ति कार स्कॉर्पियो में बैठा है। उसके हाथ-पैर बंधे थे। पुलिस ने कारोबारी के हाथ-पैर खोलकर नीचे उतारा। कारोबारी घबराया हुआ था। उसके शरीर पर जख्म के निशान थे। पुलिस ने गांव वालों से चादर मंगवाया। थोड़ी देर तक कारोबारी को वहीं लिटा दिया। फिर उसे अस्पताल ले गए।

कानपुर के बिकरू कांड मामले में अब मनू पांडेय की संपत्तियां खोजने में जुटी पुलिस, कुर्की की तैयारी

कानपुर, 21 मई (एजेंसियां)। चौबेपुर के बिकरू कांड में सबसे ज्यादा ऑडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आईं एनकाउंटर में मारे गए मामा प्रेम प्रकाश पांडेय की बहू और आरोपी बनाए गए शशिकांत की पत्नी मनू पांडेय के खिलाफ कोर्ट ने चार साल बाद पुलिस को गैर जमानती वारंट जारी करते हुए उसकी संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश दिए हैं। एसीपी कार्यालय से चौबेपुर पुलिस को कुर्की का आदेश मिलने के बाद इंस्पेक्टर ने बिकरू जाकर मनू पांडेय से जुड़ी संपत्तियों की जानकारी जुटाई। 2 जुलाई 2020 की रात दबिश के दौरान बिकरू गांव में गैंगस्टर विकास दुबे व उसके गुर्गों ने सीओ समेत आठ पुलिस कर्मियों की गोलियों से भून कर हत्या कर दी थी। हत्याकांड के बाद एनकाउंटर में मारे गए विकास के मामा प्रेम प्रकाश पांडेय की बहू मनू उर्फ वर्षा के ससुर व पति से वार्ता के कई ऑडियो वायरल हुए थे।

प्रचंड गर्मी ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड 42.2 डिग्री पहुंचा पारा, लू की चेतावनी

जम्मू, 21 मई (एजेंसियां)। जम्मू में मंगलवार की शुरुआत साफ मौसम के साथ हुई। हालांकि आज बीते कल के मुकालबे पांच डिग्री तापामान में गिरावट है। मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर के अनुसार जम्मू में मंगलवार को 37.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। इससे पहले सोमवार को पारा तक 42.2 डिग्री गया। जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में प्रचंड गर्मी से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 28 मई तक जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। जम्मू में दिन का पारा सामान्य से 3।9 चढ़कर 42.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा और तापमान ने पिछले साल का रिकॉर्ड भी तोड़ा। जम्मू में 23 मई 2023 को अधिकतम पारा 42.2 डिग्री सेल्सियस रहा था। हालांकि इससे पहले 28 मई 2020 को अधिकतम तापमान 42.6, 31 मई 2019 को 44.1, 20 मई 2016 को 43.2 और 15 मई 2022 को 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। जम्मू में पिछले पांच दिन से लगातार अधिकतम पारा 40 डिग्री के ऊपर चल रहा है। इससे गर्म हवाएं चलने के साथ जनजीवन प्रभावित है। मैदानी इलाकों में दिन के साथ रातें भी तपने लगी हैं। पहाड़ों पर भी पारे में उछाल आया है। जम्मू में सोमवार सुबह से ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ पर अरविंद केजरीवाल का नया दावा

यूपी की सियासत में फिर आएगा तूफान?

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर एक बार फिर टिपण्णी की है। सीएम ने योगी के दिल्ली दौरे के संदर्भ में कहा कि कल योगी जी ने भी दिल्ली में आकर मुझे गालियां दी। एक प्रेस वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह आपको यूपी के सीएम पद से हटाना चाहते हैं।

आपके दुश्मन तो आपकी पार्टी में ही हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि आपकी लड़ाई आपके अपने लोगों के साथ है। आपको हटाने की तैयारी है। मुझे गाली देने से क्या होगा। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि 4 जून को इंडिया गठबंधन को अपने दम पर 300 से ज़्यादा सीट मिल रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव का पांचवा चरण संपन्न हो चुका है। चूंकि चुनाव हो रहे हैं और हम 4 जून के करीब हैं, मैं कह सकता हूं कि बीजेपी हार जाएगी। सर्वेक्षण के अनुसार, इंडिया एलायंस को 300 से अधिक सीटें मिल रही हैं। बीते दिनों जब अरविंद केजरीवाल लखनऊ आए थे वहां भी उन्होंने दावा किया था कि चुनाव बाद सीएम योगी को उनके पद से हटा दिया जाएगा।

शाह को अरविंद ने किया जवाब

इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल दो व्यक्ति ऐसे हैं जिनके समर्थक भारत की बजाए पाकिस्तान में ज्यादा हैं। इसके जवाब में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी के समर्थक पाकिस्तानी हैं, यह कहना दिल्ली और देश की जनता को अपमानित करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को 70 में से 62 सीटें देकर सरकार बनाई है, क्या दिल्ली के लोग पाकिस्तानी हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, क्या पंजाब के लोग पाकिस्तानी हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी को 14 प्रतिशत वोट मिला था, क्या गुजरात के लोग पाकिस्तानी हैं। उन्होंने कहा कि आप पीएम नहीं बन रहे हैं,

केंद्र में बीजेपी की सरकार नहीं आने वाली। इसके साथ ही केजरीवाल ने मतदाताओं से इंडिया गठबंधन के समर्थन में वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 4 जून को उनकी सरकार बनेगी। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि इंडिया को बचाना है तो इंडिया को जिताना है।

मॉर्निंग वॉक पर घर से निकली महिला

बदमाश ने गले से खींच ली सोने की चेन, मदद के लिए आगे नहीं आया कोई कॉलोनी वाला

गुना, 21 मई (एजेंसियां)। गुना में मॉर्निंग वॉक के लिए घर से बाहर निकली महिला के साथ लूटपाट की घटना घटित हो गई। महिला सुमन किरार सुबह 6.30 बजे अपने घर से मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थी तभी एक बदमाश ने महिला का पीछा करना शुरू कर दिया। बदमाश ने काफी समय तक महिला का पीछा किया। इसी दौरान जब महिला एक सूनसान गली में पहुंची तो बदमाश ने महिला के गले से सोने की चेन खींच ली और रफूचक्कर हो गया। आरोपी इतना शातिर था कि उसने सीसीटीवी कैमरों की नजर से बचने के लिए अपने सिर पर टोपी पहन रखी थी और चेहरे को मास्क से ढंक रखा था। सोने की चेन लूटने से पहले बदमाश ने भी महिला के पीछे-पीछे काफी दूर तक मॉर्निंग वॉक की, जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हो गई हैं। आरोपी ने सुबह 7 बजे महिला की चेन लूट ली और फरार हो गया। इस दौरान महिला ने मदद भी मांगी लेकिन कॉलोनी में किसी के दरवाजे नहीं खुले। सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पता चला कि बदमाश पैदल पैदल महिला का पीछा कर रहा था। काफी देर तक पैदल चलने के बाद बदमाश मौके की तलाश में था। तभी महिला एक सुनसान गली में मुड़ गई तो बदमाश ने मौके का फायदा उठाकर लूट की घटना को अंजाम दे दिया।

बीजेपी में शामिल हुए पूर्व आईपीएस प्रेम प्रकाश का मुख्तार अंसारी और अतीक पर बड़ा खुलासा

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रेम प्रकाश ने माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी पर बड़ा खुलासा किया है। मंगलवार को ही बीजेपी में शामिल हुए पूर्व आईपीएस प्रेम प्रकाश ने कहा कि मुख्तार को लाते समय लोगों को अंदेशा था कि गाड़ी पलटेगी लेकिन, हम कभी भी उसके हिस्सेदार नहीं बने मेरा मानना है कि कानून के मुताबिक ही काम होना चाहिए। पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रेम प्रकाश की छवि सख्त और कड़क अफसरों में होती थी। उनसे सिर्फ माफिया और अपराधी ही नहीं कई पुलिसकर्मी भी डरते थे। मुख्तार अंसारी को जब पंजाब की रोपण जेल से लाया गया था तब आईपीएस अधिकारी रहे प्रेम प्रकाश को ही मुख्तार को कड़ी सुरक्षा में यूपी लाने की जिम्मेदारी दी गई थी। पूर्व आईपीएस ने दावा किया कि सपा सरकार के कार्यकाल में अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी के घर से डीएम और एसपी के नाम तय होते थे। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्तार और अतीक अहमद दोनों माफियाओं पर काम किया था।

अतीक अहमद की हत्या पर कही ये बात

माफिया अतीक अहमद की हत्या पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व अधिकारी ने कहा कि जिन्होंने जो कर्म किया है उन्हें उसका फल मिलेगा। जिसने गोली चलाई है, उस पर गोली चलती है कभी न कभी। ये बदमाशों की लड़ाई थी। जो पीड़ित थे उन्होंने अपना बदला चुकाया। मुख़्तार अंसारी को जब पंजाब से रोपण जेल लाया जा रहा था, तो सुरक्षाबलों की कई गाड़ियों के साथ मीडिया की भी गाड़ियां इस काफिले में लगातार पीछे चल रही थी। पूर्व आईपीएस अधिकारी बसपा सुप्रीमो मायावती के भी करीबी अफसरों में रहे हैं। उनके बीजेपी में आने से पार्टी के बसपा के वोटबैंक में सेंध लगाने में मदद मिलेगी। प्रेम प्रकाश दलित समाज से आते हैं। ऐसे में उन्हें बीजेपी में शामिल कराने की कवायद के भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा हैं।

पूर्व सरपंच एजाज अहमद की हत्या के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन, पाकिस्तान का पुतला फूंका

श्रीनगर, 21 मई (एजेंसियां)। घाटी में भाजपा नेता एवं पूर्व सरपंच एजाज अहमद शेख की हत्या के खिलाफ मंगलवार को भाजपा ने श्रीनगर में प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पाकिस्तान सरकार का पुतला भी फूंका। यह प्रदर्शन श्रीनगर के जवाहर नगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय के बाहर हुआ। प्रदर्शनकारियों ने शोपियां प्रशासन के खिलाफ भी रोष जताया। उन्होंने कहा कि एजाज अहमद शेख को सुरक्षा की उपेक्षा के कारण हुआ। 18 मई को शोपियां में आतंकियों ने एजाज अहमद शेख की हत्या कर दी थी।

पोर्शे से इंजीनियर्स को कुचलने वाले नाबालिग के पिता गिरफ्तार

पब का मालिक-मैनेजर भी अरेस्ट; पीड़ित का परिवार बोला- ये एक्सीडेंट नहीं, मर्डर

पुणे, 21 मई (एजेंसियां)। पुणे एक्सीडेंट केस में पुलिस ने नाबालिग आरोपी के पिता विशाल अग्रवाल को छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा जिस पब में नाबालिग ने शराब पी थी, उसके मालिक और मैनेजर को भी अरेस्ट कर लिया। विशाल अग्रवाल शहर के नामी बिल्डर हैं। पुणे में 19 मई को एक नाबालिग ने अपनी पोर्शे कार से बाइक सवार दो आईटी इंजीनियर्स युवक-युवती को टक्कर मारी थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी नाबालिग 12वीं की परीक्षा पास करने पर अपने दोस्तों के साथ पार्टी करके लौट रहा था। वह शराब के नशे में करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहा था। एक्सीडेंट में जान गंवाने वाले युवक अनीश अवधिया मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बीरसिंहपुर और युवती अश्विनी कोष्टा जबलपुर की रहने वाली थी। दोनों की डेड बॉडी कल और आज उनके घर पहुंची। अनीश के चाचा अखिलेश अवधिया ने कहा- ये हादसा नहीं हत्या है। आरोपी को जमानत नहीं दी जानी चाहिए थी। अश्विनी कोष्टा के पिता सुरेश कोष्टा ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि लोगों को इससे सबक मिले। मेरी बेटी ने अपनी पढ़ाई पुणे में पूरी की और उसे वहीं नौकरी मिल गई थी। भाई समरप्रीत ने बताया कि अश्विनी पुणे में 6 साल से थी, जनवरी में ही उसने 24वां जन्मदिन मनाया था।

कार मार्च से बिना रजिस्ट्रेशन के चल रही थी

आरोपी के पिता ने इलेक्ट्रिक लग्जरी स्पोर्ट्स सेडान पोर्शे कार मार्च में बेंगलुरु के एक डीलर से खरीदी थी। डीलर ने टेम्परेरी रजिस्ट्रेशन के बाद यह कार विशाल को सौंप दी, लेकिन जरूरी फीस नहीं देने के कारण उसका कम्पलीट रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका था। आरटीओ के अधिकारी संजीव भोर के मुताबिक यह कार मालिक की जिम्मेदारी थी कि वह रजिस्ट्रेशन करवाए। गाड़ी पुणे आरटीओ ऑफिस में जांच के लिए आई थी, लेकिन फीस नहीं भरे जाने के कारण उसे रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं दिया गया। भारत में इस कार की कीमत 1.61 करोड़ से लेकर 2.44 करोड़ रुपए है।

15 घंटे में आरोपी को जमानत मिल गई थी

जुवेनाइल बोर्ड ने आरोपी नाबालिग को 15 घंटे के अंदर जमानत दे दी थी। अभी उसकी उम्र 17 साल 8 महीने है। पुणे पुलिस ने कहा है कि उन्होंने बोर्ड से आरोपी पर वयस्क के रूप में केस चलाने की परमिशन मांगी थी, लेकिन याचिका खारिज कर दी गई। पुलिस इसके खिलाफ अब सेशन कोर्ट में अपील करेगी।

'पति ने नींद की गोली खिलाकर काट दिये बाल' एमपी में नई नवेली दुल्हन को किया टॉर्चर

इंदौर, 21 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ एक महिला की शादी हुए एक महीना भी नहीं हुआ था और उसे इस तरह प्रताड़ित किया गया कि, वह शिकायत लेकर थाने पहुंच गई। उसने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उसने बताया कि उसका पति नींद की गोली खिलाकर उसके बाल काट दिये। साथ ही उसे जलाने का प्रयास भी किया। प्राप्त हुई खबर के मुताबिक, 1 महीने पहले शादी हुई नई नवेली दुल्हन ने पति एवं ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने थाना द्वारकापुरी में शिकायत की है कि बीते 1 महीने में पति और ससुराल पक्ष वालों ने उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। इस शिकायत के आधार पर थाना द्वारकापुरी में दहेज प्रताड़ना एवं मारपीट की धाराओं में पुलिस से मुकदमा दर्ज किया है। द्वारकापुरी थाना में नवविवाहिता ने पुलिस को बताया कि मेरी शादी के 25 दिन हुए हैं। मुझे ससुराल वाले शादी के पश्चात से ही निरंतर परेशान करते हैं। मेरे साथ मारपीट करते हैं। मेरे बाल भी काट दिए है। मेरे पति सुजीत ने मुझे नींद की गोली खिला कर मेरे बाल काट दिए। मेरे शरीर को जला दिया है। पीड़िता ने बताया कि उसके साथ बहुत बुरा किया गया है। बुरी तरह से उसके शरीर को दागा गया है। पीड़िता अंजली ने बताया कि उसकी मां नहीं होने की वजह से उसकी शादी उसके रिश्तेदार ने कराई थी। उसका पति सुजीत मानसिक रूप से ठीक नहीं है। मारपीट में उसके घर वाले भी उसका साथ देते हैं। नव विवाहिता के थाने में मुकदमा दर्ज करवाने के पश्चात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ऋषिकेश मीणा ने बताया कि पीड़िता ने बताया कि एक माह पूर्व ही उसकी शादी हुई है तथा बीते एक महीने में पति और ससुराल पक्ष निरंतर परेशान कर रहा है 2-3 दिन पहले पीड़िता के साथ आरोपी पक्ष ने मारपीट करते हुए उसके बाल काटे एवं आग लगाने का प्रयास भी किया।

'दादा और पार्टी की इज्जत के लिए भारत लौट आओ'

चाचा कुमारस्वामी की भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से अपील

बेंगलुरु, 21 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की हासन लोकसभा सीट से जेडीएस सांसद और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना अभी तक भारत नहीं लौटे है। कर्नाटक यौन उत्पीड़न मामले में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को अपने भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से देश लौटने और जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करने की अपील की। प्रज्वल रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामले में नाम आने के बाद से भारत से बाहर हैं। कुमारस्वामी ने भतीजे रेवन्ना से देश वापस लौटने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं मीडिया के माध्यम से प्रज्वल रेवन्ना से अनुरोध करता हूं कि वह जिस भी देश में हों, वहां से वापस आ जाएं। कोई डर नहीं होना चाहिए। इस देश का कानून प्रभावी है। यह लुका-छिपी का खेल कब तक खेला जा सकता है?'

चाचा की भतीजे से अपील

कुमारस्वामी ने दोहराया कि अगर प्रज्वल रेवन्ना को उनके दादा के प्रति जरा भी सम्मान है तो उन्हें भारत वापस आकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मैं आपसे हाथ जोड़कर अपील करता हूं। आपको 24 से 48 घंटे के अंदर सरेंडर कर देना चाहिए। लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं ने हमें वोट दिया है। आप कब तक विदेश में रहना चाहते हैं? कृपया भारत वापस आएं और अधिकारियों के सामने पेश हों। कोई निष्कर्ष निकलना चाहिए। छिपने की कोई जरूरत नहीं है।'

भारत वापस आ जाओ रेवन्ना

कुमारस्वामी ने कहा, 'मैं अपने पिता के माध्यम से यह संदेश देना चाहता था। उन्होंने (एचडी देवेगौड़ा) प्रज्वल रेवन्ना को राजनीति में आगे बढ़ने के लिए अपना पूरा समर्थन दिया। अगर प्रज्वल रेवन्ना अपने दादा और पार्टी कार्यकर्ताओं को कोई सम्मान दिलाना चाहते हैं, तो उन्हें भारत वापस आ जाना चाहिए।' पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, 'मैं इस कांड के पीड़ितों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगता हूं। मैं उनका दर्द समझ सकता हूं। उन्हें इस स्थिति में किसने धकेला? ऐसे कई मामले हुए हैं, हालांकि उनकी गंभीरता कम हो सकती है। यह एक घिनौना मामला है और यह सोचकर हम सभी का सिर शर्म से झुक जाता है।'

कांग्रेस की मांग- वापस आओ रेवन्ना

बता दें कि कांग्रेस सरकार प्रज्वल रेवन्ना को भारत वापस लाने की मांग कर रही है। इस पर कुमारस्वामी ने कहा कि 'मैंने कई बार कहा है कि वह लंबे समय से मेरे संपर्क में नहीं है। इस त्रासदी के लिए एक व्यक्ति जिम्मेदार है। दूसरे व्यक्ति ने इस घोटाले को दुनिया के सामने ला दिया और पीड़ितों के परिवारों को बर्बाद कर दिया।'

कांग्रेस मेरे परिवार को निशाना बना रहा है

सत्तारूढ़ पार्टी पर पलटवार करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि 'कांग्रेस मेरे परिवार को निशाना बनाने के लिए सैकड़ों प्रयास करे। मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुझे लड़ने की ताकत दी है। सवाल यह है कि यह कैसे शुरू हुआ? यह मतदान से एक दिन पहले कैसे शुरू हुआ। अगर हमें घोटाले के बारे में पता होता, तो हम ऐसा नहीं होने देते। अगर मुझे घोटाले के बारे में पहले पता होता, तो मैं प्रज्वल रेवन्ना को देश छोड़कर नहीं जाने देता।' बता दें कि कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। एक अदालत ने 33 वर्षीय प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जबकि इंटरपोल ने भी उसके ठिकाने के बारे में जानकारी मांगने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

बांसुरी स्वराज और प्रवीण खंडेलवाल कनॉट प्लेस हनुमान मंदिर पहुंचकर की पूजा अर्चना

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार बांसुरी स्वराज और चांदनी चौक सीट से पार्टी उम्मीदवार प्रवीण खंडेलवाल ने आज (मंगलवार) को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। हनुमान मंदिर दर्शन करने पहुंची बांसुरी स्वराज ने यहां पर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें चुनाव प्रचार करते हुए 78 दिन हो गए। इस दौरान लोगों से मिले प्यार और आशीर्वाद का वे अभार व्यक्त करने आई हैं। बांसुरी ने कहा कि भगवान हनुमान के आशीर्वाद से हम इस लड़ाई को जरूर जीतेंगे। दिल्ली की जनता सातों सीटें भाजपा को देगी। हनुमान मंदिर दर्शन करने पहुंचे प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि उन्होंने भगवान हनुमान से प्रार्थना की कि इस बार हम बड़ा जनादेश से जीतें। इसके साथ 400 से ज्यादा सीटें जीतकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए आशीर्वाद मांगा। खंडेलवाल ने कहा कि हम दिल्ली की सातों सीटें पूर्ण बहुमत से जीत रहे हैं। हम सरकार बनाने जा रहे हैं । हिंदू धर्म और गौ माता की रक्षा की जाएगी।

बेटी हुई तो 5 लाख दहेज मांगा:दूसरी महिला से बात करते सुना तो पति ने तीन तलाक बोलकर रिश्ता तोड़ा

इंदौर, 21 मई (एजेंसियां)। इंदौर के चंदन नगर में तीन तलाक का मामला सामने आया है। 23 साल की पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति और सास-ससुर ने बेटी होने पर परेशान किया। फिर 5 लाख रुपए दहेज मांगा। नहीं लाने पर पति उसे मायके छोड़ आया। जब पत्नी वापस लौटी तो पति ने उसे घर में नहीं घुसने दिया और मारपीट कर तीन बार तलाक कहकर रिश्ता तोड़ लिया। पीड़िता ने तीनों की शिकायत चंदन नगर थाने में की है। पीड़िता अमरीन ने पुलिस को बताया कि उसका पति मोहम्मद रियाज निवासी रानी पैलेस कॉलोनी, सास सईदा परवीन और ससुर इस्माइल पर मारपीट और दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। अमरीन ने बताया कि उसकी 2019 में शादी हुई। शादी के छह माह तक सबने उसे ठीक रखा। डिलीवरी के समय मुझे मायके छोड़ दिया। बेटी हुई तो पति, सास-ससुर गुस्सा हुए। मुझे लेने ही नहीं आए। तीन माह बाद जैसे-तैसे मुझे लेने तो आए पर दहेज में 5 लाख रुपए की डिमांड रख दी। सास-ससुर ने कहा कि मकान बनाना है, तेरे पिताजी ने दहेज नहीं दिया। इसे लेकर मुझे बहुत परेशान किया। तब पिताजी ने ससुराल वालों को 2 लाख रुपए दिए। लेकिन सास सईदा ने धमकी दी कि पूरे पैसे नहीं लाएगी तो घर में नहीं घुसने देंगे। अमरीन ने बताया कि 9 मई की रात तीन बजे मैंने पति मोहम्मद रियाज को दूसरी महिला से बात करते हुए सुना। वे एक एप पर किसी से बात कर रहे थे। नींद खुली तो मैंने टोक दिया। इतना सुनते ही पति ने मुझे पीटना शुरू कर दिया। सास-ससुर भी वहां आ गए। कहा कि इसे बिना कपड़ों के ही घर के बाहर निकाल दे।

कोर्ट से निकलते हुए बृजभूषण सिंह बोले: 'मेरे पास बेगुनाही के सबूत, पुलिस साबित करे जो आरोप लगाए गए हैं'

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर एक आपराधिक मामले में भाजपा सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय कर दिए। अदालत ने अभियोजन पक्ष को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट से बाहर आने पर बृजभूषण ने कहा कि मैं पहले ही अपनी बेगुनाही का सबूत दे चुका हूं। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत के समक्ष पेश आरोपियों ने पूछने पर अपना अपराध स्वीकार करने से इनकार करते हुए स्वयं को बेकसूर बताते हुए मुकदमे का सामना करने का तर्क रखा। सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ आपराधिक धमकी का आरोप भी तय किया गया है। कोर्ट से बाहर आने पर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मेरे ऊपर अभी चार्ज फ्रेम हुआ, जो आरोप लगाए गए हैं उसे अब पुलिस को साबित करना है। मेरे पास अपनी बेगुनाही के पूरे सबूत हैं। उनकी टिकट काटे जाने को लेकर किए गए एक सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि मेरे बेटे टिकट मिल गया है।

नशे के अड्डे पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर तस्करों ने बरसाए ईंट-पत्थर, कई को आई चोटें

जालंधर, 21 मई (एजेंसियां)। नशा तस्करों के घर रेड करने पहुंची जालंधर देहात की पुलिस पार्टी पर हमला हो गया। हमले में थाने के इंस्पेक्टर सहित कई मुलाजिम घायल हो गए है। थाना पतारा के प्रभारी इंस्पेक्टर बलजीत सिंह हुंदल ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव पतारा निवासी त्रिलोक लाल उर्फ हरमन संधू उर्फ सोनू के घर में बैठकर कुछ युवक नशा कर रहे हैं और वह भोले भाले अन्य लड़के-लड़कियों को भी नशा करने के लिए उकसा रहे हैं।

'भाई-बहन ने साथ में देखा पोर्न ,असफल हुए तो 13 वर्षीय नाबालिग ने 1 महीने बाद किया रेप

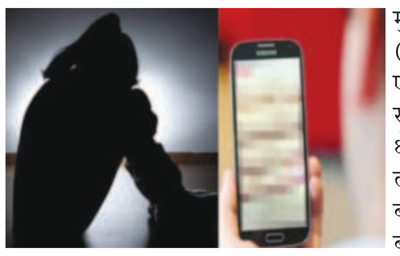

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। मुंबई से एक शर्मनाक घटना सामने आई है यहाँ वासी क्षेत्र में एक 13 वर्षीय लड़के ने पोर्न देखने के बाद अपनी ही 15 वर्षीय बहन को प्रेगनेंट कर दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब माता-पिता बेटी को लेकर वासी जनरल हॉस्पिटल में गए जिससे उसका गर्भ गिरवा सकें। हालाँकि, हॉस्पिटल ने इस सिलसिले में पहले पुलिस को खबर दे दी तथा पूछताछ के बाद ये मामला खुला।

प्राप्त एक रिपोर्ट के मुताबिक, नाबालिग लड़की ने अपने बयान में कहा कि उसने और उसके छोटे भाई ने साथ में पोर्न देखा था। फिर उन्होंने सेक्स का प्रयास किया। पुलिस अफसर ने बताया, तहकीकात में सामने आया कि लड़के और लड़की ने दिसंबर महीने में सेक्स करने का प्रयास किया मगर दोनों असफल हो गए थे। उसके बाद जनवरी में लड़के ने अपनी बहन का जबरन बलात्कार किया। लड़की कहती है कि घटना के वक़्त उसने अपने भाई को मना किया था।

लेकिन उसने एक बार भी नहीं सुनी। पूरा मामला परिजनों के आगे तब खुला जब लड़की के पीरियड्स रुक गए। परिजन बच्ची का गर्भ गिरवाने के लिए उसे हॉस्पिटल लेकर गए जहाँ से पुलिस को इसकी खबर प्राप्त हुई। तत्पश्चात, सारी जाँच करके, लड़की का बयान लेकर पुलिस ने लड़के को आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और 376 (2) (एन) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार करना) तथा यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पॉक्सो) की धारा 4, 6, 8 और 12 के तहत मुकदमा दर्ज किया। इस मामले में चूँकि दोनों ही लोग नाबालिग हैं इसलिए आगे की कार्रवाई बाल कल्याण आयोग तय करेगा, फिलहाल केस को खंडेश्वर पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 22 मई - 2024

ईरानी राष्ट्रपति के मौत पर सवाल

बीते कुछ दिनों से इजराइल और अमेरिका के प्रति जिस तरह का कडा रुख ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने अपना रखा था उसके मद्देनजर ताजा हादसे में उनकी मौत को लेकर भी किसी साजिश की आशंका जताई जा रही है। यह बात दीगर है कि अब तक सामने आए तथ्यों के मुताबिक बेहद खराब मौसम के कारण उनका हेलिकाप्टर हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में ईरान के राष्ट्रपति सहित कई ताकतवर लोगों की भी मौत हो गई। इसकी वजह से इस घटना को लेकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी भारी असर पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बता दें कि रविवार को ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, वहां के विदेश मंत्री और कई अन्य अहम लोग एक हेलिकाप्टर पर सवार होकर तबरेज शहर की ओर जा रहे थे। इसी बीच अचानक मौसम खराब होने की वजह से उनका हेलिकाप्टर हादसे का शिकार हो गया, जिसमें राष्ट्रपति रईसी सहित वहां के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन, ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मलिक रहमती, चालक और सुरक्षा प्रमुख मारे गए हैं। खबरों के अनुसार राष्ट्रपति रईसी रविवार को अजरबैजान में किज कलासी और खोदाफरिन बांध का उद्घाटन करने गए थे। अपनी ही सीमा में ईरान के शीर्ष नेता और उनके सहयोगियों को इस बात की तनिक भी आशंका नहीं रही होगी कि इस तरह का कोई जानलेवा हादसा हो सकता है। भारत सहित कई देशों ने इस घटना पर शोक संवेदना जताई है। भारत ने तो एक दिन के राष्ट्रीय शोक की भी घोषणा की है। सबसे अफसोसनाक बात तो यह है कि पिछले कुछ वर्षों में ईरान की कई महत्त्वपूर्ण शख्सियतों की जान या तो हादसे में चली गई या फिर उनकी हत्या कर दी गई। मसलन, ईरान में 2020 में एक नायक की तरह मशहूर कुर्द फोर्स के जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई तब आरोप लगा था कि इसमें अमेरिकी ड्रोन से हमले के का हाथ है। फिर उसी वर्ष ईरान के मुख्य परमाणु वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह की भी हत्या कर दी गई। वहां हुए कुछ अन्य आतंकवादी हमलों में अमेरिका या फिर इजराइल का हाथ होने की आशंका जताई जाती रही है। हाल ही में इजराइल और अमेरिका के प्रति ईरान के सख्त रुख के मद्देनजर ताजा हादसे को लेकर भी किसी साजिश की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अब तक सामने आए तथ्यों के मुताबिक खराब मौसम की वजह से हेलिकाप्टर हादसे का शिकार हो गया। लेकिन कुछ लोगों का तर्क है कि अगर मौसम ही कारण था, तो उसी काफिले में शामिल अन्य दो हेलिकाप्टर सुरक्षित कैसे अपने गंतव्य तक पहुंच गए। इस हादसे की असली वजहें तो व्यापक जांच के बाद ही सामने आ सकेंगी। फिलहाल ईरान के राष्ट्रपति की मौत से आए सूनेपन की वजह से वहां की स्थिति काफी नाजुक हो चुकी है। इस हालात से निपटने के लिए उसे कडी चुनौतियों का सामना करना पड सकता है।

ग़ैर ज़रूरी है एग्जिट पोल

डॉ घनश्याम बादल

वर्तमान लोकसभा चुनाव के पांच दौर पूरे हो गए हैं । छठे और सातवें दौर का मतदान अभी बाकी है और आने वाली 4 जून को देश की जनता अपने मतदान द्वारा तय कर देगी कि किस देश का राज सौंपना है और किस ठुकराना है। सरकार बनने की प्रक्रिया 4 जून के बाद ही सिरे चढ़ेगी । पहले चुनावी दौर के बाद से ही नेताओं मीडिया चैनलों, अखबारों एवं पत्र पत्रिकाओं, पत्रकारों, विश्लेषकों और सर्वेक्षण करने वाली संस्थाओं का आकलन और जोड़ घटाव भी जारी है । सबके अपने - अपने और अपनी सुविधा तथा उद्देश्य पूर्ति के कयास हैं और सब के अनुमानों के पीछे उनका अपना एक तर्क है। सब के सब उसी तर्क की पोटली को उठाए अपने - अपने तरीके से दलों को मिलने वाली लोकसभा सीटों का आकलन कर रहे हैं। टीवी पर चैनलों के एंकर चिल्ला - चिल्ला कर चिंतनशील दर्शकों का चैन हराम किए हुए हैं तो वही विभिन्न दलों के नेता अपनी पार्टी लाइन के अनुसार ज्ञान बघार रहे हैं । कोई भी इन चुनावों में हार मानने को तैयार नहीं है, सब के सब जाति, मजहब, क्षेत्रवाद और ऐसे ही कितने ही आधारों पर अपनी अपनी पार्टियों को न केवल जिता रहे हैं अपितु भारी बहुमत से सरकार बना रहे हैं । कई दौर के इन चुनावों के बीच ऐसा लग रहा है गोया सरकार बनाने का काम आम मतदाता का नहीं अपितु इन्हीं नेताओं या चैनलों का है । अब किस का सर्वे कितना सटीक बैठता है यह तो बाद में ही पता चलेगा मगर इन सर्वे करने वाली कंपनियों के अनुमानों में भी भारी अंतर देखने को मिल रहा है मज़े की बात तो यह है कि नेताओं एवं पार्टियों के आकलन के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों से अब काम चलने वाला नहीं है एक गठबंधन शुरू से ही 400 पर का नारा दे रहा है तो दूसरा गठबंधन पांच दौर के चुनाव के बाद ही अपने आप को 300 से ज्यादा सीटों का विजेता बता रहा है। इन दोनों ध्रुवों से इतर भी कितने ही राजनीतिक दल चुनाव लड़ रहे हैं और उनके साथ-साथ हजारों निर्दलीय भी चुनाव मैदान में है यानी यदि एग्जिट पोल पर विश्वास किया जाए तो फिर लोकसभा में हजारों सदस्यों को चुना जाना है जो संभव नहीं है । यानी सीधी सी बात है यह एग्जिट पोल अंदर ही अंदर कहीं न कहीं से प्रायोजित ,मनगढ़ंत और मतदाता के मानस को प्रभावित करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं ।

यदि पूरे देश में एक साथ, एक दौर में चुनाव हों और उसके बाद एग्जिटपोल सर्वे का आयोजन किया जाए तो इसमें ज्यादा आपत्ति की बात नहीं है लेकिन जब चुनाव सात दौर में हो रहे हैं और हर दौर के बाद एक एग्जिटपोल सर्वे सामने आ रहा है तब उस दौर के बाद के मतदाताओं के मानस पर मीडिया या सर्वेक्षण का फर्क तो कहीं न कहीं पड़ता ही है अतः यह एग्जिट पोल निष्पक्ष चुनाव पर एक बड़ा सवाल भी खड़ा करते हैं । इससे बढ़कर यह बात भी है कि अधिकांश सर्वेक्षण पहले भी औंधे मुंह गिरते रहे हैं और आगे भी गिरते रहेंगे परंतु एक भी चैनल, पत्रकार या सर्वेक्षण कंपनी कभी भी अपने सर्वेक्षण के गलत होने पर न खेद प्रकट करती है न माफी मांगती है अपितु अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए एक और सर्वेक्षण की तैयारी में जुट जाती है।

पिछले चुनावों में केवल एक सर्वे का अनुमान कुछ सही निकला था मगर बाकी ऐसे पचासों सर्वेक्षण के आकलन मुंह के बल गिरे थे और किसी ने भी राजग को मिलने वाली अभूतपूर्व सफलता का 2014 या 2019 के चुनावों में कयास नहीं लगाया था। इन चुनावों में भी इन सर्वेक्षणों के आंकड़ों में भारी अंतर है । बेशक चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले हम इन आंकड़ों को न जुठला सकते और न ही इन्हें सही मान सकते हैं । हां, चैनलों और मीडिया घरानों के साथ इसका सबसे बड़ा फायदा ले रहा है सट्टा बाजार । एक अनुमान के अनुसार इस समय सट्टा बाजार चरम पर है और इसमें सट्टे में लगने वाली राशि अरबों रुपए से भी अधिक है इसमें जीतने वालों की संख्या न के बराबर होगी और अधिकांश व्यक्ति अपनी गाढ़ी कमाई हार जाएंगे । ठीक ऐसा ही मतदाता और दलों के बीच होता दिखाई देता है अब सरकार किसी की भी बने, सत्ता में कोई भी आए पुनः सत्तापक्ष की सरकार बने, या विपक्ष सरकार बनाए, यह पूर्ण बहुमत की सरकार हो या खिचड़ी सरकार, यह 5 साल चले या दो चार पांच महीने में ही गिर जाए।

धर्म आधारित जनसंख्या का बढ़ता असंतुलन

श्याम जाजू

18वीं लोकसभा के चुनावों की गहमा-गहमी के बीच एक ऐसी रिपोर्ट आयी है जिसे देश पहले से ही जानता था पर आधिकारिक तौर पर मोहर अब लगी है. पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के द्वारा जारी धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी - एक क्रॉस कंट्री विश्लेषण (1950- 2015) शीर्षक से एक अध्ययन से पता चला है कि भारत में बहुसंख्यक (हिंदुओं) की जनसंख्या हिस्सेदारी में गिरावट आई है। अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत में 1950 और 2015 के बीच बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी 1950 में 84.68 प्रतिशत से घटकर 2015 में 78.06 प्रतिशत हो गई है, अर्थात इसमें 7.82 प्रतिशत की कमी हुई है। जबकि इसी अवधि (65 वर्ष) में मुसलमानों की हिस्सेदारी 9.84 प्रतिशत से बढ़कर 14.09 प्रतिशत हो गई है। अर्थात 43.15 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि। इसी अवधि में ईसाइयों में 5.38 प्रतिशत की वृद्धि, सिखों में 6.58 प्रतिशत की वृद्धि और बौद्धों में मामूली वृद्धि देखी गई, जबकि जैन और पारसियों की संख्या में कमी देखी गई।

आज़ादी के समय देश का धर्म के आधार पर विभाजन हुआ - मुसलमानों और सेक्युलरों के बीच. क्योंकि जहाँ पकिस्तान केवल मुसलमानों के लिए बना, वही हिन्दुस्तान सभी धर्मों और सम्प्रदायों को साथ लेकर चलने वाला देश बन गया. जहाँ पकिस्तान से चुन चुन कर हिन्दुओं को भेजा गया या मार दिया गया, वहीँ हिंदुस्तान में बड़ी संख्या में मुसलमान रह गए, जिनको समानता के साथ देश का नागरिक बने रहने का अधिकार मिला. कालखंड में इनकी संख्या बढ़ती गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारत सेक्युलर है और यहाँ के बहुसंख्यक हिंदू सेक्युलर हैं. यही वजह है कि यहाँ और धर्मों और सम्प्रदायों को मानने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है. शोर के विपरीत, इस रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चलता है कि अल्पसंख्यक न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि वास्तव में भारत में फल-फूल रहे हैं।

पर इस रिपोर्ट का एक दूसरा भी पहलू है वह यह कि जैसे-जैसे हिन्दुओं की संख्या घटेगी, देश में सेक्युलरिस्म की अवधारणा पर चोट पहुंचेगी. हाल की दिनों में यह स्पष्टता से देखने में आया है. जहाँ जहाँ हिन्दू अल्पसंख्यक हुए हैं वहां इनटॉलेरेंस बढ़ने की, शरिया लागू करने की मांग उभर कर आ रही है. देश के अनेक राज्यों और जिलों में जहाँ-जहाँ हिन्दू अल्पसंख्यक हुए हैं, वहां हिन्दुओं के धार्मिक जुलूसों पर पथराव, हिंदू मान्यताओं का विरोध आदि शुरू हो गया है. पश्चिम बंगाल और केरल इसके मुख्य उदाहरण हैं. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश के ८ राज्यों और केंद्र शाषित प्रदेशों में हिन्दू अल्प संख्यक हो गए हैं (ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं - लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, और अरुणाचल प्रदेश). कुछ लोग पंजाब का भी नाम लेते हैं पर वहां के बहुसंख्यक सिख हिन्दुओं का ही बृहत्तर हिस्सा हैं. इसके अलावा देश ऐसे कई राज्य हैं जहाँ हिन्दुओं की जनसँख्या तेजी से घट रही है और मुस्लिम जनसँख्या बढ़ रही है, जैसे कि पश्चिम बंगाल, केरल और उत्तराखंड जहाँ पर 2001 से 2011 के दशक में ही यह वृद्धि २% की थी. 2011 के बाद निस्संदेह यह संख्या बढ़ ही रही है. इकोनॉमिक और पोलिटिकल वीकली में छपी एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार केवल प्रदेशों में ही नहीं, देश के अनेकों जिलों में जनसँख्या का असंतुलन चिंताजनक तरीके से बढ़ता जा रहा है. रिपोर्ट के अनुसार देश के 458 जिलों में 2001 से 2011के बीच मुस्लिम आबादी की वृद्धि 24.4 % की थी. कई जिले तो ऐसे हैं जो पूरी तरह से मुस्लिम बहुल हो गए हैं. उदाहरण के तौर पर बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी है। यहां पर 66.8 प्रतिशत और इसके नंबर आता है मालदा जिले का, जहां 51.27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

दरअसल मुसलमानों की बढ़ती जनसँख्या दर वोटबैंक की राजनीति का परिणाम है. कांग्रेस और तृणमूल तथा समाजवादी पार्टी सरीखे कई क्षेत्रीय दलों ने मुसलमानों को एक वोटबैंक के तरीके से इस्तेमाल किया है. कांग्रेस ने तो आज़ादी के समय से ही सत्ता पर पकड़ बनाये रखने के लिए मुस्लिम कार्ड खेला है. याद कीजिये ये कांग्रेस ही थी जो सत्ता के लिए धर्म के आधार पर देश का विभाजन करने को तैयार हो गयी थी. और ये वही कांग्रेस थी जो एक ओर तो हिन्दुओं से हम दो, हमारे दो का आव्हाहन करती रही है, वहीँ दूसरी ओर आज मुसलमानों के लिए जितनी आबादी, उतना हक़ जैसे नारे देती है. पश्चिम बंगाल में तो राजनैतिक लाभ और वोटों की चाह में जनसँख्या विद्रूपता अपने चरम पर है. वहां पर सत्तारूढ़ तृणमूल पर वोट बैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देकर मुस्लिम जनसँख्या बढ़ाने का आरोप है। बंगाल सरकार की शै पर घुसपैठियों ने कथित तौर पर वोटर कार्ड से लेकर राशन, आधार कार्ड व पासपोर्ट जैसे दस्तावेज तक बना लिए हैं, जिससे मुस्लिम संख्या लगातार बढ़ती जा रही है जो चुनाव में अहम रोल निभाते हैं। आज बंगाल में मुस्लिम वोट बड़ा फैक्टर बन गया है. ये लोकसभा की 42 में से 13 सीटों और विधानसभा की 294 सीटों में से करीब सौ सीटों पर हार-जीत करते हैं.

बांग्लादेश की सीमा से लगने वाले जिलों उत्तर दिनाजपुर में 49.92 प्रतिशत, बीरभूम में 37.06 प्रतिशत, दक्षिण 24 परगना में 35.57 प्रतिशत और उत्तर 24 परगना में 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, जो तृणमूल का वोट बैंक बन गयी है. सीएसडीएस-लोकनीति पोस्ट पोल विश्लेषण के अनुसार, 2021 के चुनावों में 10 में से लगभग 8 मुसलमानों ने टीएमसी को वोट दिया था जो टीएमसी की जीत का कारण बना. आज भारत को एक व्यापक जनसंख्या नीति की ज़रूरत है. धर्म आधारित जनसँख्या असंतुलन को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए. दुनिया में भी जनसंख्या असंतुलन से हुए बदलावों के कई उदहारण हैं जैसे कि ईस्ट तिमोर,दक्षिण सूडान और कोसोवो आदि जनसंख्या में असंतुलन के कारण ही नए देश बने हैं. लेबनान जैसे अति समृद्ध देश जनसँख्या असंतुलन के कारण तबाह हो गए. समय आ गया है कि केंद्र में आने वाली एनडीए की सरकार कुछ सख्त फैसले ले और देश में जनसँख्या नियंत्रण, सामान अचार संहिता जैसे कानून लाएं। इससे आबादी बढ़ा कर राजनीतिक सत्ता हासिल करने की पृवृत्ति पर रोक लगेगी. जनसंख्या नियंत्रित होने से देश के हर नागरिक, चाहे वो किसी मज़हब को मानने वाला हो, के कल्याण के लिए देश के संसाधनों के सम्यक उपयोग का रास्ता प्रशस्त होगा.

यह संतोष की बात है कि इस पर प्रयास पहले ही शुरू हो गए हैं. उत्तराखंड में सामान नागरिक संहिता लागू होना एक सार्थक शुरुआत है. वहीँ जनसँख्या नियंत्रण पर जोर देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगाह किया है कि परिवार नियोजन के ज़रिए जनसंख्या नियंत्रण की बात करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इससे जनसंख्या असंतुलन की स्थिति पैदा ना हो पाए. उन्होंने कहा कि जब हम परिवार नियोजन और जनसंख्या स्थिरीकरण की बात करते हैं तो हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि जनसंख्या नियंत्रण का कार्यक्रम सफलता पूर्वक आगे बढ़े लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति पैदा न हो जाए. ऐसा न हो कि किसी वर्ग की आबादी की बढ़ने की गति और उसका प्रतिशत ज़्यादा हो और कुछ जो मूल निवासी हों उन लोगों की आबादी का स्थिरीकरण समस्या बन जाए. योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा यह एक चिंता का विषय है. हरेक उस देश के लिए जहाँ जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति पैदा होती है. धार्मिक जनसांख्यिकी पर विपरीत असर पड़ता है. फिर एक समय के बाद वहाँ पर अव्यवस्था और अराजकता पैदा होने लगती है. इसलिए जब जनसंख्या नियंत्रण की बात करें तो जाति, मत-मज़हब, क्षेत्र, भाषा से ऊपर उठकर समाज में समान रूप से जागरूकता के व्यापक कार्यक्रम के साथ जुड़ने की ज़रूरत है. इस बाबत उत्तर प्रदेश लॉ कमिशन ने उत्तर प्रदेश जनसंख्या (नियंत्रण, स्थिरीकरण और कल्याण) बिल 2021 का एक ड्राफ्ट सरकार को सौंपा है जिस पर निर्णय होना बाकी है.

चुनौती बन सकता है 'इंडिया' गठबंधन

सत्यम तिवारी

भारत की राजनीति में गठबंधन का महत्व हमेशा से ही प्रमुख रहा है। विशेषकर लोकसभा चुनावों में, जब विभिन्न पार्टियाँ एकजुट होकर एक मजबूत चुनौती पेश करती हैं, तो मौजूदा सरकार के लिए यह किसी कठिन परीक्षा से कम नहीं होता। 2024 के लोकसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन एनडीए के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन सकता है। इस लेख में हम उन कारणों का विश्लेषण करेंगे जो बताते हैं कि 'इंडिया' गठबंधन कैसे एनडीए के लिए कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है।

'इंडिया' गठबंधन में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक समूहों का प्रतिनिधित्व शामिल है। यह गठबंधन देश की विविधता का प्रतिबिंब है, जिसमें सभी समुदायों के नेता शामिल हैं। एनडीए के विपरीत, जो कई बार एक विशेष विचारधारा और समुदाय का पक्षधर माना जाता है, 'इंडिया' गठबंधन समाज के हर वर्ग को शामिल करता है। इससे यह गठबंधन उन मतदाताओं को आकर्षित कर सकता है जो खुद को एनडीए द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने में असमर्थ मानते हैं।

'इंडिया' गठबंधन में कई प्रमुख क्षेत्रीय दल शामिल हैं, जिनकी अपने-अपने राज्यों में मजबूत पकड़ है। जैसे तृणमूल कांग्रेस बंगाल में, समाजवादी पार्टी और उत्तर प्रदेश में, डीएमके तमिलनाडु में, और शिवसेना महाराष्ट्र में। ये दल अपने-अपने राज्यों में व्यापक जनाधार रखते हैं और उनके समर्थन से 'इंडिया' गठबंधन को महत्वपूर्ण सीटें हासिल हो सकती हैं। यह एनडीए के लिए एक गंभीर चुनौती है, खासकर उन राज्यों में जहां बीजेपी की स्थिति मजबूत नहीं है।

'इंडिया' गठबंधन का सबसे बड़ा लाभ विपक्षी एकता है। विभिन्न दलों के एकजुट होने से विपक्ष की शक्ति बढ़ती है और इससे एनडीए के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार होता है। 2019 के चुनावों में विपक्ष की बिखरी हुई स्थिति का फायदा एनडीए को मिला था, लेकिन 2024 में अगर 'इंडिया' गठबंधन एकजुट रहता है तो यह परिस्थिति बदल सकती है।

'इंडिया' गठबंधन में कई युवा और नए नेताओं का उदय हो रहा है, जो जनता के बीच लोकप्रिय हैं और नए विचारों के साथ राजनीति में सक्रिय हैं। इन नेताओं की जनसंपर्क क्षमता और डिजिटल माध्यमों पर पकड़ एनडीए के लिए एक चुनौती बन सकती है। युवा मतदाताओं को आकर्षित करने में ये नेता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

'इंडिया' गठबंधन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित राजनीति कर रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। एनडीए सरकार पर इन मुद्दों पर कार्रवाई न करने के आरोप लग रहे हैं और अगर 'इंडिया' गठबंधन इन मुद्दों को सही तरीके से भुनाता है तो वह जनता का विश्वास जीत सकता है।

6. मोदी सरकार की नीतियों का विरोध

मोदी सरकार की कई नीतियों का विरोध किया जा रहा है, जैसे नागरिकता संशोधन अधिनियम, किसान कानून, और नोटबंदी। 'इंडिया' गठबंधन इन नीतियों का कड़ा विरोध कर रहा है और जनता के बीच सरकार की नीतियों के प्रति असंतोष को भुनाने की कोशिश कर रहा है। यह विरोध एनडीए के खिलाफ एक मजबूत जनादेश का निर्माण कर सकता है।

'इंडिया' गठबंधन ने अपनी मीडिया और सोशल मीडिया रणनीति को बहुत मजबूत बनाया है। सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता और जनता तक अपनी बात पहुँचाने के तरीके एनडीए के लिए एक चुनौती साबित हो सकते हैं। 'इंडिया' गठबंधन के नेता सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय हैं और वे अपने विचारों और नीतियों को जनता तक पहुँचाने में सफल हो रहे हैं।

'इंडिया' गठबंधन ने महिलाओं और युवाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी तरह युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा और नवाचार के अवसर प्रदान करने के वादे किए जा रहे हैं। महिलाओं और युवाओं का समर्थन किसी भी चुनाव में निर्णायक हो सकता है और 'इंडिया' गठबंधन इसे भलीभांति समझता है।

हर चुनाव में जनता के एक बड़े हिस्से में बदलाव की चाहत होती है। लंबे समय तक एक ही पार्टी के शासन से ऊबकर लोग परिवर्तन चाहते हैं। 'इंडिया' गठबंधन इसी बदलाव की चाहत को भुनाने की कोशिश कर रहा है। अगर वे यह संदेश जनता तक सही तरीके से पहुँचाने में सफल होते हैं तो यह एनडीए के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

भारत में राजनीति अक्सर ध्रुवीकरण पर आधारित होती है। लेकिन 'इंडिया' गठबंधन ने यह कोशिश की है कि वे ध्रुवीकरण की राजनीति से दूर रहें और समावेशी राजनीति करें। इसका उद्देश्य सभी समुदायों और वर्गों को साथ लेकर चलना है। अगर वे इसमें सफल होते हैं तो यह एनडीए के ध्रुवीकरण की राजनीति को कमजोर कर सकता है।

2024 के लोकसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन एनडीए के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर सकता है। सामाजिक और धार्मिक विविधता का प्रतिनिधित्व, क्षेत्रीय दलों का मजबूत समर्थन, विपक्षी एकता, युवा और नए नेताओं का उदय, मुद्दों पर आधारित राजनीति, मोदी सरकार की नीतियों का विरोध, मीडिया और सोशल मीडिया रणनीति, महिलाओं और युवाओं का समर्थन, बदलाव की चाहत और ध्रुवीकरण का प्रभाव कम करने की कोशिश जैसे अनेक कारक 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत बनाते हैं। अगर यह गठबंधन अपनी एकजुटता बनाए रखता है और सही रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरता है, तो यह एनडीए के लिए एक गंभीर चुनौती साबित हो सकता है।

भारतीय लोकतंत्र में जनता का मत सर्वोपरि होता है और अगले चुनावों में किसे जीत मिलेगी, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन इतना तय है कि 'इंडिया' गठबंधन ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए एनडीए के सामने एक कठिन चुनौती प्रस्तुत की है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता की पसंद और नापसंद का निर्णय ही देश के भविष्य की दिशा तय करेगा।

संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है।

शहर में झूठ का पता

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आए दिन हर कोई घर-जमीन गांव सब छोड़-छाड़ कर या बेच-बांचकर शहर की ओर कदम बढ़ाता है। पता नहीं शहर में ऐसा कौन सा चुंबक होता है जो लोहे के बदले इंसान को अपनी ओर खींचता है। शहर की चमचमाती सड़कों को देख चमचमाने का कीड़ा बड़ा उछल-कूद करता है। छोटे-छोटे गांवों में शहरी लालच की बड़ी अट्टालिका का निर्माण बिना ईट, सीमेंट, रेत और पानी के हो जाता है। वह क्या है न कि सच्चाई का डाकिया शहर में झूठ का पता कभी नहीं ढूँढ़ सकता। फिर एक दिन इसके-उसके मुँह हमें एक ही बात सुनने को मिलती है- डाकिया ही चल बसा शहर ढूँढ़ते-ढूँढ़ते। सच कहें तो शहर कुछ लोगों को शह देता है तो कुछ लोगों को हर लेता है। हमारे गांव में फलां पिछड़ा बाबू रहा करते थे। आजकल शहर में विकास बाबू बनकर हमारे बीच धाक जमा रहे हैं। उन्हीं का नाम ले लेकर गांव में कइयों का जीना हराम हो गया है। मैंने निर्णय किया कि विकास बाबू के यहां जाकर दो-चार दिन ठहरूँगा और अपनी योग्य कोई नौकरी तलाश करूँगा। किंतु जैसे ही मैं शहर पहुंचा वहां विकास बाबू को देखकर मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। गांव में खुद को सॉफ्टवेयर कंपनी का कर्मचारी बताने वाले विकास बाबू के कर्म और आचार में बड़ा अंतर दिखाई दिया।

वे सॉफ्टवेयर कंपनी में नहीं किसी अपार्टमेंट के वॉचमैन की नौकरी करते थे। पूछने पर बताया कि गांव में खुद की जमीन जायदाद होने के बावजूद वह सम्मान नहीं मिल पा रहा था जो सम्मान शहर में आकर झूठ बोलकर मिल रहा है। आज मेरी झूठमूठ की सॉफ्टवेयर की नौकरी से सचमुच की खूबसूरत अप्सरा जैसी पत्नी, लाखों का दहेज, चार चक्का गाड़ी और ऊपर से इज्जत अलग मिल रही है।

मैंने पूछा कि क्या तुम्हें झूठ के पर्दाफाश होने का डर नहीं है? इस पर उन्होंने किसी दार्शनिक की तरह जवाब दिया - कैसा झूठ? कहां का झूठ? यहाँ हर कोई झूठ में जी रहा है। गांव की सच्चाई छोड़ लोग शहर के झूठ की ओर दौड़ रहे हैं। शहर में रहने वाले अपनी सच्चाई छोड़कर महानगरों की झूठी चकाचौंध के पीछे-पीछे दौड़े जा रहे हैं। महानगर में रहने वाले अमेरिका, इंग्लैंड की झूठी दुनिया में जाना चाहते हैं। और वहां रहने वाले चंद्रमा की झूठी दुनिया में घूमना चाहते हैं।

यह दुनिया बड़ी अजीब है। सच को लतियाती और झूठ को पुचकारती है। सच्ची दुनिया में झूठे लोग रह सकते हैं लेकिन झूठी दुनिया में सच्चे लोग कतई नहीं रह सकते। यह दुनिया झूठ बोलने वालों को सिर पर और सच बोलने वालों को पैरों तले रखती है। वॉचमैन की नौकरी करने वाले विकास बाबू सच में सॉफ्टवेयर कर्मचारी थे। उन्होंने दुनिया की सच्चाई को बड़े ही सॉफ्ट ढंग से मेरे बदन के हार्डवेयर में उतार दिया था।

वैशाख पूर्णिमा कल

वैशाख माह में भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा का विधान है

स्नान-दान का समय 23 मई सुबह 4.04 बजे से सुबह 4.45 बजे तक रहेगा। वैशाख पूर्णिमा पर चंद्रोदय शाम 07.12 बजे होगा और व्रत के दौरान चंद्रमा की पूजा और अर्घ्य जरूर देना चाहिए।

वैशाख पूर्णिमा की शुरुआत 22 मई, 2024 को शाम 7.47 बजे होगी और इस तिथि का समापन 23 मई, 2024 को शाम 7.22 बजे होगा।

पीपल के पेड़ की पूजा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन शाम को पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए।

वैशाख पूर्णिमा पर पूजा के दौरान चांदी के सिक्कों का उपयोग करना चाहिए।

हिंदू धर्म में स्नान और दान का विशेष महत्व है और इसके लिए वैशाख महीने को काफी शुभ माना जाता है। वैशाख माह में भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा की जाती है। हिंदू पंचांग के मुताबिक, वैशाख पूर्णिमा 23 मई, 2024, गुरुवार को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यता है कि वैशाख माह में भगवान विष्णु की पूजा करने से मनचाही इच्छाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

वैशाख पूर्णिमा पर स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, वैशाख पूर्णिमा की शुरुआत 22 मई, 2024 को शाम 7.47 बजे होगी और इस तिथि का समापन 23 मई, 2024 को शाम 7.22 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, स्नान-दान का समय 23 मई सुबह 4.04 बजे से सुबह 4.45 बजे तक रहेगा। वैशाख पूर्णिमा पर चंद्रोदय शाम 07.12 बजे होगा और व्रत के दौरान चंद्रमा की पूजा और अर्घ्य जरूर देना चाहिए। चंद्रदेव को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत पूरा होता है।

वैशाख पूर्णिमा पर करें ये उपाय

इन दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा वैशाख पूर्णिमा के दिन शाम को पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा करने से आपके रुके हुए कार्य पूरे हो जाते हैं। वैशाख पूर्णिमा पर पूजा के दौरान चांदी के सिक्कों का उपयोग करना चाहिए। ऐसा करने से चंद्रदेव की स्थिति मजबूत होती है।

बुद्ध जयंती और वैशाख मास के स्नान का अंतिम दिन

गुरुवार, 23 मई को वैशाख मास की अंतिम तिथि यानी पूर्णिमा है। धर्म के नजरिए से ये बहुत खास तिथि है, क्योंकि इस तिथि पर कूर्म अवतार का प्रकट उत्सव और भगवान बुद्ध की जयंती मनाई जाती है। इसी दिन वैशाख मास के स्नान भी खत्म होंगे।

वैशाख मास में गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा, गोदावरी जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। कई भक्त पूरे वैशाख महीने में रोज नदी स्नान करते हैं। वैशाख मास के स्नान की अंतिम तिथि 23 मई को है। वैशाख पूर्णिमा पर जो लोग नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए।

समुद्र मंथन के लिए विष्णु जी ने लिया था कूर्म अवतार

पौराणिक कथा के मुताबिक, महर्षि दुर्वासा ने देवराज इंद्र को उनके घमंड की वजह से शाप दिया था। शाप की वजह से देवताओं का ऐश्वर्य खत्म हो गया। इसके बाद मदद के लिए इंद्र भगवान विष्णु के पास पहुंचे। विष्णु जी ने कहा कि देवताओं का ऐश्वर्य वापस लाने के लिए हमें समुद्र मंथन करना होगा।

भगवान विष्णु ने इंद्र से कहा था कि समुद्र मंथन के लिए असुरों की भी मदद लेनी होगी। इस समुद्र मंथन से कई दिव्य रत्न निकलेंगे और अमृत भी निकलेगा, जिसे पीने वाला अमर हो जाता है।

देवराज इंद्र ने मंथन के लिए असुरों को भी तैयार कर लिया। मंथन के लिए मंदराचल पर्वत को मथनी बनाया गया और नागराज वासुकि को नेती बनाया गया।

जब मंदराचल को समुद्र में डालकर मंथन करना शुरू किया, तो आधार नहीं होने के पर्वत समुद्र में डुबने लगा। उस समय भगवान विष्णु ने बहुत बड़े कूर्म यानी कछुए का अवतार लिया और अपनी पीठ पर मंदराचल पर्वत को धारण कर लिया। इसके बाद समुद्र मंथन हो सका। माना जाता है कि जिस दिन विष्णु जी कूर्म अवतार लिया था, उस दिन वैशाख मास की पूर्णिमा ही थी।

वैशाख पूर्णिमा पर ही हुआ था गौतम बुद्ध का जन्म

बौद्ध धर्म से संस्थापक भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख पूर्णिमा पर ही हुआ था। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के लुम्बिनी में हुआ था। इनका प्रारंभिक नाम सिद्धार्थ था। बाद में इन्हें दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ और फिर वे बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए।

क्या आप भी खाना खाते समय करते हैं ये बड़ी गलती, घर में आ सकती है कंगाली

खाने खाने के लिए सबसे अच्छा स्थान रसोई घर ही होता है।

यदि आप रोज रसोई घर में खाना खाते हैं तो ऐसा करने से कुंडली में राहु प्रसन्न रहता है।

यदि आप बिस्तर पर बैठकर खाना खाते हैं तो ऐसा करने से घर में कलह बढ़ता है।

हिंदू धर्म में भोजन करने के दौरान कई नियमों के पालन करने के बारे में जिक्र मिलता है। धार्मिक मान्यता है कि भोजन का सात्विक भाग हमारा मन बन जाता है। भोजन का रज भाग ऊर्जा और तम भाग से शरीर का निर्माण होता है। ऐसे में भोजन करते समय कुछ बातों की सावधानी जरूर रखना चाहिए। आजकल हम देखते हैं कि भोजन के दौरान लोग टीवी देखते है और सोफे या बिस्तर पर बैठकर ही खाना खा लेते हैं। वास्तु के लिहाज से भी इसे काफी नकारात्मक होता है। यदि आप बिस्तर पर बैठकर भोजन करते हैं तो वास्तु शास्त्र में इसे काफी अशुभ माना जाता है। वास्तु एक्सपर्ट चैतन्य मलतारे में इस बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं।

खाना खाते समय साफ स्थान पर आसन बिछाकर जमीन पर बैठे।

भोजन का सेवन हमेशा परिवार के साथ ही करना चाहिए।

हिंदू संस्कृति में पालथी मारकर जमीन पर बैठकर भोजन करना सबसे अच्छा माना जाता है।

बिस्तर पर नहीं खाना चाहिए खाना

वास्तु एक्सपर्ट चैतन्य मलतारे के मुताबिक, खाने खाने के लिए सबसे अच्छा स्थान रसोई घर ही होता है। यदि आप रोज रसोई घर में खाना खाते हैं तो ऐसा करने से कुंडली में राहु प्रसन्न रहता है। यदि आप बिस्तर पर बैठकर खाना खाते हैं तो ऐसा करने से घर में कलह बढ़ता है और माता लक्ष्मी नाराज हो जाती है। यदि आप रोज बिस्तर पर ही खाना खाते हैं तो इससे घर में कंगाली बढ़ सकती है।

300 साल बाद बन रहा दुर्लभ योग, केतु चमकाएंगे इन 7 राशियों की किस्मत

300 साल बाद एक गजब संयोग बनने जा रहा है, पंचग्रही योग के ऊपर केतु की दृष्टि पड़ रही है। इसकी वजह से मेष, कर्क, तुला, वृश्चिक राशि के जातकों के लिए धन आने, सम्मान मिलने के अच्छे योग बन रहे हैं। सागर के ज्योतिष आचार्य पंडित अनिल कुमार पांडे बताते हैं कि पुष्पांजलि पंचांग के अनुसार, 5 जून को सुबह काल 4:14 से 7 जून के प्रातः काल 7:55 तक सूर्य, शुक्र, बुध, गुरु और चंद्रमा वृष राशि में रहेंगे। इसके पहले यह योग 21 मई 2012 से 23 मई 2012 तक था, लेकिन उस समय केतु भी साथ में था, जिसके कारण इस पंचग्रही योग का प्रभाव काफी कम हो गया था।

इस बार इस पंचग्रही योग पर केतु की दृष्टि है। केतु का सीधा असर नहीं है। अगर हम इस पंच ग्रही योग के साथ केतु की दृष्टि को भी लें तो इस प्रकार का योग पिछले 300 वर्षों में नहीं पड़ा है । अर्थात सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र और चंद्रमा वृष राशि में हो और केतु ग्रह कन्या राशि इन सभी ग्रहों को देख रहा हो, इस प्रकार का योग पिछले 300 वर्षों में कभी नहीं पड़ा है।

अलग-अलग पंचांग के अनुसार योग

भुवन विजय पंचांग के अनुसार, यह योग 5 जून को प्रातः 3:40 से प्रारंभ हो रहा है और 7 तारीख को प्रातः काल 8:18 तक रहेगा। लाला रामस्वरूप पंचांग के अनुसार यह योग 4 जून को 3:44 रात से प्रारंभ हो रहा है और 7 जून को 8:22 दिन तक रहेगा। इस योग के समय सूर्य 21 डिग्री 32 मिनट का है, शुक्र 21 डिग्री 3 मिनट का है और बुध 11 डिग्री 4 मिनट का है। अतः शुक्र और बुध अस्त रहेंगे। इस दौरान इनका प्रभाव बहुत कम रहेगा। चंद्रमा 6 तारीख को अस्त रहेगा, लेकिन चार और पांच तारीख को अधिकतर समय में वह अस्त नहीं रहेगा। हम सभी जानते हैं कि चंद्रमा वृष राशि में उच्च का होता है और सूर्य अपने शत्रु ग्रह की राशि में होता है ।

मेष राशि

मेष राशि में यह योग द्वितीय भाव में बन रहा है, जो धन भाव कहलाता है। इससे मेष राशि वालों को पर्याप्त धन की प्राप्ति होगी। सम्मान की प्राप्ति होगी और व्यापार में स्थिरता रहेगी। प्रमोशन के योग भी बन रहे हैं।

वृष राशि

वृष राशि वाले जातकों के लिए इस योग के कारण उनका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। व्यापार स्थिर रहेगा। विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। परंतु उनको चर्म संबंधी विकार हो सकता है ।

मिथुन राशि

आपके खर्चे में वृद्धि होगी। कचहरी के कार्यों में सामान्य रूप से सफलता मिल सकती है। प्रेम संबंधों में वृद्धि हो सकती है ।

कर्क राशि

धन-व्यापार में लाभ होगा। मानसिक क्षोभ हो सकता है। छात्रों की पढ़ाई ठीक चलेगी। रिजल्ट में अच्छे परिणाम आएंगे।

सिंह राशि

प्रशासनिक कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। पिताजी को मानसिक क्लेश हो सकता है। माता जी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या राशि

भाग्य से आपको मदद मिल सकती है। आपके जीवनसाथी के भाग्य से भी आपको मदद मिलेगी ।भाई बहनों के साथ संबंध सामान्य रहेंगे ।

तुला राशि

प्रेम संबंध में वृद्धि हो सकती है। ऋण में कमी होगी। गुप्त शत्रु बनेंगे। कोई सामग्री चोरी भी हो सकती है। धन आने का पर्याप्त योग है ।

वृश्चिक राशि

विवाह तय होने का उपयुक्त समय है। विवाह के अच्छे प्रस्ताव आएंगे। प्रेम संबंधों में वृद्धि होगी । व्यापार में वृद्धि होगी। धन पर्याप्त मात्रा में आएगा।

धनु राशि

आंख और हड्डी के रोग होने की संभावना है। मानसिक तनाव भी आएगा। शत्रु बढ़ेंगे। पेट में पीड़ा हो सकती है ।

मकर राशि

छात्रों की पढ़ाई ठीक-ठाक चलेगी। संतान से सहयोग प्राप्त होगा।धन लाभ होने की उम्मीद है।

कुंभ राशि

प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। माता जी का स्वास्थ्य ठीक-ठाक रहेगा। उनको मानसिक परेशानी हो सकती है। आपके खर्चे में वृद्धि होगी आपके घर में मंगल कार्यक्रम हो सकते हैं ।

मीन राशि

भाई बहनों के साथ संबंध सामान्य रहेगा। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। भाग्य से कोई खास मदद प्राप्त नहीं होगी।

सपने में खुद की शादी और बारात देखना शुभ या अशुभ संकेत?

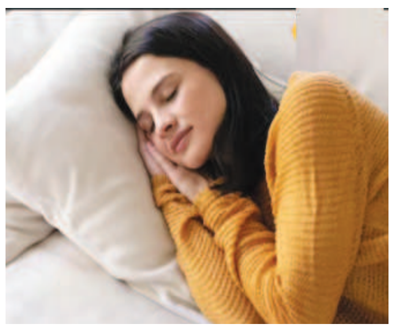

- स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने में खुद की शादी होते हुए देखना बहुत अच्छा सपना नहीं माना जाता। यह सपना आपके जीवन में चुनौतियां ला सकता है। आप जिस भी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं वहां आपके मान-सम्मान में कमी आ सकती है। वहीं आप शादीशुदा हों और आपको दूसरी शादी का सपना आ जाए तो ये सपना दर्शाता है कि, वैवाहिक जीवन में आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।
- स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने में दोस्त की शादी भी देखना सही नहीं होता है। इस सपने का मतलब यह है कि आने वाले समय में आपके कार्य में बाधा आ सकती है। आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं।
- अगर आप सपने में खुद की बारात देखते हैं, तो स्वप्न शास्त्र में यह शुभ बताया गया है। इसका मतलब यह है कि जल्द आपका भविष्य स्वर्णिम होने वाला है। आपके मान सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। साथ ही नामी गरामी लोगों से आपकी पहचान होगी।
- स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आप किसी रिश्तेदार की शादी होते सपने में देखते हैं तो यह सपना आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह सपना आने के बाद आप भविष्य को लेकर सही याजनाएं बनाते देखे जा सकते हैं।
- अगर आप सपने में खुद को शादी के जोड़े में देखते हैं तो ये सपना शुभ माना जाता है। इस सपने का अर्थ यह लगाया जाता है कि दांपत्य जीवन में आपको खुशियां मिलेंगी।

बच्चे को जरूर सिखाएं ये 5 मंत्र, ज्ञान-बुद्धि के साथ बढ़ेगी एकाग्रता

सनातन धर्म में जीवन जीने के लिए एक पद्धति है, जिसमें कुछ नियम बने हैं, जिनका पालन बच्चे, महिलाएं, पुरुष सभी करते हैं। उदाहरण के तौर पर ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान कर लें, सूर्य देव को जल अर्पित करें। पूजा-पाठ करने के बाद कुछ खाएं। हालांकि बदलते परिवेश में अब यह असंभव सा लगता है, हालांकि अभी भी जिनसे हो पाता है, वे इस नियम का पालन करते हैं। परिवार के लिए बच्चे भविष्य हैं। उनकी सही परवरिश जरूरी है। कई बार पैरेंट्स इस बात की शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा कुछ भी याद नहीं रखता है, उसकी स्मरण शक्ति कमजोर है। उसमें आत्मविश्वास की कमी है। उसे अनजाना भय लगा रहता है। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए आप अपने बच्चे को कुछ मंत्र सीखा सकते हैं, जिनका वे जाप कर सकते हैं, जिससे उनकी स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ सकती है। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं उन 5 महत्वपूर्ण मंत्रों के बारे में, जिनको हर बच्चे को याद रखना चाहिए और उसका जाप करना चाहिए।

बच्चों के लिए 5 महत्वपूर्ण मंत्र

1. हनुमान जी का मंत्र

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं,
अनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं,
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।
मनोजवं मारुततुल्यवेगमं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये। इस मंत्र को पढ़ने से भय दूर होगा, ज्ञान, बुद्धि और चातुर्य में वृद्धि होगी। इसमें हनुमान जी के गुणों का बखान किया गया है।

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात।

स्मरण शक्ति और एकाग्रता को बढ़ाने के लिए गायत्री मंत्र का पाठ करना चाहिए।

धन, विद्या और विष्णु कृपा का मंत्र

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।
करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम॥
इस मंत्र को सुबह उठने पर पढ़ना चाहिए। इस मंत्र को पढ़ते समय अपने दोनों हाथों को सामने रखें, ताकि दोनों हथेली आपको दिखे। इसमें बताया गया है कि आपके हथेली में माता लक्ष्मी, देवी सरस्वती और भगवान विष्णु का वास है। प्रातः उनका दर्शन करें।

4. त्रिदेव, नवग्रह मंत्र

ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरान्तकारी भानु शशि भूमि-सुतो बुधश्च।
गुरुश्च शुक्र शनि राहु केतवः सर्वे ग्रहा शांति करा भवंतु।
इस मंत्र में ब्रह्मा, विष्णु, शिव जी की वंदना के साथ सभी नवग्रह की शांति के बारे में कहा गया है।

5. आदिशक्ति मंत्र

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सवार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।
यह आदिशक्ति मां जगदंबा का मंत्र है। इसको पढ़ने से जीवन में खुशहाली, सुख और शांति आती है।

नीला रंग लाए शांति तो लाल से समृद्धि

6 अलग-अलग कलर के वॉलेट का है खास महत्व

नीला रंग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर आप अपने पास नीले रंग का पर्स रखते हैं तो इससे आपको सुकून, मानसिक शांति और करियर में ठहराव मिल सकता है। नीले रंग का पर्स आर्थिक तंगी को मजबूत करने में भी सहायक माना जाता है।

हरा रंग

अगर आप चाहते हैं कि आपको आर्थिक रूप से तरक्की मिले और इसमें लगातार दिन-ब-दिन बढ़ोत्तरी होती जाए तो इसके लिए आप अपने पास हरे रंग का पर्स रख सकते हैं। हरा रंग सकारात्मक लाइफ को भी रिप्रेजेंट करता है।

लाल रंग

लाल रंग अग्नि तत्व का रंग माना जाता है। अगर कोई व्यक्ति इस रंग का पर्स अपने पास रखता है तो उसके जीवन में समृद्धि और नेम फेम बढ़ता है। यह रंग पैसे को भरपूर रूप से आकर्षित करने में भी सहायक है। लेकिन अग्नि तत्व का रंग होने के कारण ये आपके खर्चे भी बढ़ा सकता है।

ब्राउन कलर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ब्राउन कलर पृथ्वी का प्रतिनिधित्व करता है। इस रंग का पर्स रखने से आपको आर्थिक मजबूती प्राप्त होती है।

पीला रंग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर आप अपने पास पीले रंग का पर्स रखते हैं तो इससे आपको आर्थिक मजबूती प्राप्त होगी और जीवन में सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी होगी। पीला रंग सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है।

ऑरेंज कलर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऑरेंज कलर जीवंत और ऊर्जा से भरपूर रंग माना गया है। जो व्यक्ति नारंगी रंग का पर्स अपने पास रखता है, उसके जीवन में सफलता, मान-सम्मान और सकारात्मकता की कभी कमी नहीं आती।

करण जौहर का परिणीति पर कटाक्ष, अभिनेत्री के पार्टी में फिल्में ऑफर होने वाले बयान पर किया पलटवार

परिणीति चोपड़ा को आखिरी बार इम्तियाज अली की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में देखा गया था। फिल्म में उनकी अदाकारी के लिए उन्हें दर्शकों और समीक्षकों से खूब सरहाना मिली। फिल्म में उन्होंने दिलजीत दोसांझ के साथ काम किया था। उन्होंने अमर सिंह चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर का किरदार निभाया था। अब वे अपनी इस हिट फिल्म की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस फिल्म के प्रचार के दौरान परिणीति ने इंडस्ट्री में फिल्में मिलने के तरीके को लेकर बड़ा बयान दिया था, जिस पर अब फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर की प्रतिक्रिया सामने आई है।

परिणीति के हाथ से निकलीं कई फिल्में

दरअसल, फिल्म के प्रचार के दौरान परिणीति ने चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टियों में हिंदी फिल्में ऑफर की जाती हैं, चूंकि उनका पीआर गेम खराब था, इसलिए उन्हें फिल्में नहीं मिल सकीं, जो फिल्में आखिरकार अन्य स्टार किड्स के पास चली गईं। इस दावे के बाद से फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर करण जौहर सबके निशाने पर आ गए।

करण ने दावों को किया खारिज

परिणीति के दावे के बाद से हर किसी ने करण जौहर का नाम लिया, क्योंकि वे अपनी मशहूर पार्टियों के लिए जाने जाते हैं। वहीं अब हाल ही में करण ने इन दावों पर प्रतिक्रिया दी और परिणीति की टिप्पणी को लेकर निशाना भी साधा। करण ने जवाब दिया और कहा कि उन्होंने कभी भी अपनी पार्टियों में कोई फिल्म ऑफर नहीं की।

करण जौहर ने दिया जवाब

करण जौहर ने परिणीति चोपड़ा का नाम लिए बिना कहा कि जैसा कि हर कोई सोचता है कि मैं पार्टियों में फिल्में ऑफर करता हूं, मैंने कभी ऐसा नहीं किया है और कोई भी किसी से भी जाकर पूछ सकता है, जो पहले मेरी पार्टियों में शामिल हुआ हो। ऐसे में अब उन्होंने अपनी बात साफ कर दी है और उनका इशारा परिणीति के बयान की ओर था।

कहीं नहीं हो रही नितेश की 'रामायण' की शूटिंग बंद होने की कगार पर पहुंची रणबीर की फिल्म

अल्लू मंटेना मीडिया वेंचर्स एलएलपी की 'प्रोजेक्ट रामायण' नाम से शुरू हुई कोशिशों पर बन रही फिल्म 'रामायण' पर संकट के बादल गहरा गए हैं। 'अमर उजाला डॉट कॉम' की इस बारे में बीते हफ्ते की गई तफ्तीश के बाद पूरे मुंबई में कहीं इस फिल्म की शूटिंग को लेकर किसी भी स्टूडियो में कोई हलचल बीते तीन दिन से पता नहीं चली है। सूत्र बताते हैं कि फिल्म पर सारा काम रुक गया है और आशंका ये भी जताई जा रही है कि ये फिल्म अब बंद भी हो सकती है।

निर्माता मधु मंटेना ने नितेश तिवारी के साथ मिलकर फिल्म 'रामायण' पर साल 2019 में काम शुरू किया था। तब ये फिल्म तीन हिस्सों में बननी थी, पार्ट वन का काम तभी शुरू हो गया था लेकिन फिल्म के लिए निवेशक न मिलने के चलते ये फिल्म अब तक आधिकारिक रूप से शुरू नहीं हो सकी है। फिर बीते दिन खबर आई कि अब ये फिल्म दो पार्ट में बनेगी। फिल्म का सारा कारोबार इन दिनों प्राइम फोकस और उनके साथ फिल्म से निर्माता के तौर पर जुडे अभिनेता यश संभाल रहे हैं।

इस बीच मधु मंटेना ने फिल्म को लेकर मची भगदड़ के बीच इसके मौजूदा निर्माताओं को सुझाव दिया है कि किसी कानूनी विवाद से बचने और रिश्तों के और खराब होने से बेहतर रहेगा फिल्म की शूटिंग, अगर चल रही हो तो, उसे बंद कर देना। इसके बाद 'अमर उजाला' ने फिल्म सिटी से लेकर मुंबई के तमाम बड़े शहरों और मैदानों का जायजा लिया, जहां 'रामायण' की शूटिंग की संभावना हो सकती थी, लेकिन 'अमर उजाला' को जानकारी मिली है कि इस फिल्म की शूटिंग मुंबई के किसी भी स्टूडियो में इस समय नहीं चल रही है।

गौरतलब है कि बीते कई महीनों से फिल्म 'रामायण' के लुक टेस्ट के लिए खींची गई तस्वीरों और वीडियो को फिल्म की शूटिंग शुरू होने के नाम पर खूब प्रचारित किया गया। इरादा यही रहा कि इस हलचल से देशी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया। लेकिन इस फिल्म के लिए अब तक किसी बड़े स्टूडियो या विदेशी निवेशक ने रुचि नहीं दिखाई है।

फिल्म 'रामायण' का बजट 100 मिलियन यानी 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर बताया जा रहा है। फिल्म को रिलीज करने के लिए प्राइम फोकस ने कुछ विदेशी कंपनियों से भी बात की है लेकिन फिल्म का अपनी मूल भाषा में चलना उतना ही ज्यादा जरूरी है जितना कि इसकी रकम निकालने के लिए इसका विदेश में चलना। फिल्म के लिए निवेशक न मिलने के चलते ही अब तक इसके कलाकारों और तकनीशियनों के नामों की आधिकारिक घोषणा तक नहीं हो पाई है। फिल्म में पहले रावण की भूमिका के लिए जिन कन्नड़ अभिनेता यश से बात की गई, वह अब फिल्म के सह निर्माता तो बन चुके हैं, लेकिन फिल्म में रावण की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने असमर्थता जता दी है।

ठंडे बस्ते में गई प्रशांत वर्मा और रणवीर सिंह की फिल्म, दोनों के बीच बिगड़ी बात!

साउथ फिल्म निर्माता और निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'हनुमान' फिल्म के बाद से दर्शकों के बीच खूब लोकप्रियता बटोरी। अब दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में उन्होंने अपने अगली फिल्म को लेकर भी खूब चर्चाएं बटोरी थीं। कहा जा रहा था कि वे बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ काम करने के लिए तैयार हैं और अगली फिल्म के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं। वहीं अब उस फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है, जो दर्शकों को निराश कर सकता है।

खबर आई थी कि रणवीर सिंह प्रशांत वर्मा के साथ काम करने के लिए तैयार थे। अभिनेता ने अपनी बड़े बजट की फिल्म 'राक्षस' के लिए प्रशांत वर्मा के साथ हाथ मिलाया था। हालांकि, अब ताजा अपडेट है कि रणवीर सिंह इस परियोजना से पीछे हट चुके हैं, जिसका कारण है रचनात्मक मतभेद। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर फिल्म की घोषणा के लिए एक फोटोशूट के लिए हैदराबाद गए थे। हालांकि, फिल्म की घोषणा में रुकावट आ गई है, क्योंकि अब अभिनेता 'राक्षस' का हिस्सा नहीं हैं।

खबर आई कि रणवीर सिंह अब प्रशांत वर्मा की फिल्म राक्षस का हिस्सा नहीं हैं। कहा गया कि रचनात्मक मतभेदों के कारण वे शांति और आपसी मत से अलग हो गए हैं। यह भी बताया गया है कि रणवीर और प्रशांत कई समाधान तलाशने की कोशिश कर रहे ,थे लेकिन आखिरकार उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। वहीं अब दोनों के रस्ते अलग हो चुके हैं।

रणवीर अब अपने परिवार पर ध्यान दे रहे हैं। वे और दीपिका जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। अभिनेता को लेकर खबर है कि वे फिलहाल स्क्रिप्ट सुन रहे हैं, जैसे ही किसी नतीजे पर पहुंचेंगे तो अपनी अगली फिल्म का एलान करेंगे। हालांकि, अभी वे परिवार पर ध्यान दे रहे हैं। बीते दिन वे दीपिका के साथ मतदान केंद्र वोट डालने पहुंचे थे। इस दौरान दीपिका पादुकोण बेबी बंप के साथ दिखीं।

वहीं रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म की बात करें तो वे अगली बार फरहान अख्तर की डॉन 3 में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट डॉन यूनिवर्स की तीसरी फिल्म है, जिसमें पहले शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। डॉन की तीसरी किस्त में रणवीर कियारा आडवाणी के साथ नजर आएंगे।

बुल्गारी इवेंट में देसी गर्ल ने पहना 140 कैरेट के हीरों का हार, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

प्रियंका चोपड़ा ऐसी अभिनेत्री हैं, जिनका सिक्का न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी चलता है। दुनियाभर में लोग उन्हें पसंद करते हैं। प्रियंका हमेशा अपने खूबसूरत अंदाज से लोगों को प्रभावित करती हैं। इन दिनों अपनी हॉलीवुड की आने वाली फिल्मों की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। हाल ही में वो इटली में आयोजित बुल्गारी के इवेंट में शरीक हुईं। इस इवेंट में उनका अंदाज देखने लायक था। इस इवेंट में उनका अंदाज काफी ग्लैमरस लगा।

इस कार्यक्रम में अभिनेत्री ने ऐनी हैथवे, लियू यीफेई और शू क्यूई के साथ भी पोज दिए। भले ही कार्यक्रम में कई सितारे मौजूद थे, लेकिन लोगों की निगाहें प्रियंका पर टिक गईं। प्रियंका इस इवेंट में खूबसूरत सा ऑफ शोल्डर गाउन पहनकर पहुंची थीं। उनके इस लुक में हर किसी का ध्यान एक्ट्रेस के नेकलेस ने खींचा। उनका ये नेकलेस काफी खास लग रहा था। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं।

कैसा रहा लुक

बुल्गारी की 140वीं एनिवर्सरी पर गाला डिनर रखा गया था। इस दौरान प्रियंका क्रीम और ब्लैक कलर का ऑफ-शोल्डर गाउन पहनकर इवेंट में पहुंची थी। उनका ये गाउन नीचे से ट्रांसपैरेंट था। नेट फैब्रिक के इस गाउन में प्रियंका कमाल की लग रहीं थीं।

अलग था हेयर स्टाइल

पहली बार प्रियंका काफी शॉर्ट हेयर में नजर आईं। छोटे बाल एक्ट्रेस काफी जच रहे थे। लोगों को उनका ये नया हेयर स्टाइल काफी पसंद आया।

मेकअप था खूबसूरत

ग्लॉसी लिपस्टिक और न्यूड मेकअप उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा था। उन्होंने अपनी आंखों के मेकअप को हाइलाइट किया था, जिससे उनकी आंखे काफी खूबसूरत लग रही थीं।

नेकलेस ने खींचा ध्यान

इस इवेंट में प्रियंका के नेकलेस ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रियंका चोपड़ा का ये हार Serpenti Aeterna कंपनी का है। इस खूबसूरत से हार को बनाने में करीबन 2800 घंटे लगे। इसमें 140 कैरेट डायमंड लगे हैं। इन हीरों को कट करके 7 ड्रॉप शेप का ये खूबसूरत चमचमाता नेकलेस तैयार किया गया है। इसकी कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है।

'बड़े मियां छोटे मियां' के बाद टाइगर श्रॉफ के हाथ लगी बिग बजट फिल्म

टाइगर श्रॉफ के पास अभी कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। टाइगर को आखिरी बार अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ के साथ 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था। इस फिल्म के बाद टाइगर अब 'सिंघम अगेन' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ के हाथ लगी नई फिल्म।

बॉलीवुड के यंगेस्ट एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ को आखिरी बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आए थे। टाइगर-अक्षय के अलावा मानुषी छिल्लर और अलाया एफ भी मुख्य रोल में थीं। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन, अब टाइगर श्रॉफ के हाथ एक बड़ी फिल्म लग गई है। टाइगर एक बड़े बजट की फिल्म के लिए करण जौहर के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, श्रॉफ धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित एक फिल्म करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे। कई स्क्रिप्ट्स पर विचार करने के बाद, टाइगर और करण दोनों ने इस स्क्रिप्ट पर विचार किया, दोनों को लगा कि 2025 में बड़े पर्दे पर वापसी के लिए एक्टर के लिए सबसे अच्छी फिल्म होगी। सोर्स ने कहा ₹तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है और एक घोषणा की जा रही है जून के अंत तक बनने की उम्मीद है।

ये एक फुल एंटरटेनर होने वाली है

ये एक फुल एंटरटेनर होने वाली है, जिसे ग्रैंड स्केल पर पेश किया जाएगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया, ₹यह किरदार उनके

(टाइगर) द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए किसी भी काम से अलग है।₹ टाइगेरियंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रोजेक्ट किस बारे में होगा। एक्टर को बड़े पर्दे पर एंटरटेन करते देखने के लिए उनकी उत्सुकता आसमान छू रही है। ट्रेड एनालिस्ट जोगिंदर टुटेजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बड़ी खबर को शेयर करके टाइगेरियंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

यह आगामी फिल्म 2025 में रिलीज होने वाली है

हालांकि, यह आगामी फिल्म 2025 में रिलीज होने वाली है, टाइगर के पास पाइपलाइन में कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। जहां उन्हें आखिरी बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था, वहीं वह 'सिंघम अगेन' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। टाइगेरियंस भी हाल ही में घोषित एक्शन फिल्म 'बागी 4' में सुपरस्टार की तरह उनका जलवा देखने का इंतजार कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होने के लिए तैयार है।

स्पाई यूनिवर्स के लिए जासूस बनने की तैयारी में हैं आलिया भट्ट?

आलिया भट्ट बी-टाउन की सबसे ज्यादा सुर्खियों में बनी रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह जल्द ही यश राज फिल्म्स की एक जासूसी फिल्म में नजर आ सकती हैं। उनके साथ फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। अब सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह एक युवती के साथ दिख रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वह लड़की यश राज फिल्म्स में काम करती है।

फूलों के गुलदस्ते के साथ दिखीं आलिया

सामने आई तस्वीर में आलिया भट्ट काले रंग की पोशाक में दिख रही हैं। उन्होंने अपने हाथ में एक गुलदस्ता ले रखा है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के सामने आने के बाद ये हर तरफ छाई हुई है। वहीं, अभिनेत्री के प्रशंसकों ने अटकलें लगानी शुरू कर दी हैं कि ये तस्वीर वाईआरएफ की आगामी जासूसी फिल्म के तैयारी के दौरान की है।

प्रशंसकों ने दी प्रतिक्रिया

फैंस को आलिया की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में सोशल मीडिया पर यह तस्वीर सामने आते ही प्रशंसक तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे। एक यूजर ने लिखा, 'वाईआरएफ फिल्म की तैयारी जोरों पर है।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वह 'वाईआरएफ' की जासूसी फिल्म के लिए तैयारी कर रही हैं।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री फिल्म में एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगी और इसके लिए वह दो महीनों से तैयारी कर रही हैं। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म की शूटिंग जुलाई से शुरू हो जाएगी।

अक्षय कुमार ने पत्नी ट्विंकल खन्ना को बताया 'दिमाग वाली', बोले- 'मैं तो अनपढ़ हूं...

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार लोगों के बीच काफी मशहूर हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दीं हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' रिलीज हुई थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं चली लेकिन फैंस को अक्षय की एक्टिंग हर फिल्म में पसंद आती है। अक्षय लगातार फिल्में करते रहते हैं। अक्षय कुमार ने दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना की बेटी ट्विंकल खन्ना से शादी की है। उनके दो बच्चे आरव और नितारा हैं। हाल ही में अभिनेता ने अपने परिवार के बारे में खुलकर बातचीत की। इस दौरान अक्षय ने पत्नी ट्विंकल खन्ना की जमकर प्रशंसा की, साथ ही लंदन में बिताए गए दिनों को भी याद किया।

ट्विंकल हैं दिमाग वाली

एक शो के दौरान दिए गए इंटरव्यू में अक्षय ने कहा, "मेरी बेटी की बुद्धि मेरी पत्नी ट्विंकल से मिलती है। मैं तो अनपढ़ आदमी हूं, ज्यादा पढ़ा नहीं हूं। मैं गधा मजदूरी करता हूं, वो दिमाग वाली है" अक्षय ने आगे ट्विंकल के बारे में कहा, "मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि मेरी शादी सुपरस्टार राजेश खन्ना की बेटी से हुई है, लेकिन मैं उससे भी ज्यादा भाग्यशाली इसलिए हूं क्योंकि ट्विंकल बेहद ही प्यारी पत्नी और एक प्यारी मां हैं। अगर आपको जिंदगी में सही पार्टनर मिल जाए तो आपकी जिंदगी परफेक्ट हो जाती है। मैं काम पर जाता हूं, ट्विंकल ने बच्चों की बहुत अच्छे से परवरिश की है। मैं बहुत हैरान हूं कि मेरी पत्नी आज भी अपने जीवन को किस तरह से देखती हैं। वह अब 50 साल की हो गई हैं और वह अभी भी पढ़ती हैं। ट्विंकल ने हाल ही में अपनी मास्टर की डिग्री पूरी की है और अब वह पीएचडी कर रही है।"

अक्षय ने खुद को बताया भाग्यशाली

ट्विंकल के बारे में अक्षय ने कहा, "वह भाग्यशाली हैं कि उन्होंने राजेश खन्ना की बेटी से शादी की, लेकिन उससे भी अच्छी बात यह है कि वह एक बोहतरीन पत्नी और मां हैं। सही

साथी का होना जीवन को बेहतर बना देता है। जब मैं काम पर जाता हूं तो वह हमारे बच्चों का बहुत अच्छे से ख्याल रखती हैं। मैं आज भी जीवन के प्रति उनके नजरिए से हैरान हूं। 50 साल की उम्र में भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखी है, उन्होंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर ली है और अब वह पीएचडी कर रही हैं।"

लंदन में बिताए दिन की यादें की ताजा

अक्षय ने लंदन में बिताई हुए दिनों को याद किया और कहा, "मेरी तरह के कुछ ही लोग होते हैं। जब मैं लंदन जाता हूं, मैं अपनी बेटी को स्कूल छोड़ता हूं, अपने बेटे को विश्वविद्यालय छोड़ता हूं और आखिर में अपनी पत्नी को भी विश्वविद्यालय छोड़ता हूं। और फिर एक अनपढ़ की तरह घर लौटता हूं और पूरे दिन क्रिकेट देखता हूं। अक्षय कुमार और अरशद वारसी जल्द ही फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग राजस्थान में खत्म हो चुकी है।

बच्चे को खिलाड़ी बनाना आसान नहीं इन बातों का रखना चाहिए ध्यान

बच्चे को खिलाड़ी बनाना आसान नहीं, हर अभिभावक को इन बातों का रखना चाहिए ध्यान

अगर आप अपने बच्चे को एक खिलाड़ी की तरह उभरता हुआ देखना चाहती हैं, तो कुछ बातों का ध्यान आपको रखना होगा और कुछ बातों का उसे। यदि आपके बच्चे की रुचि खेल में है। वह भिन्न-भिन्न खेलों में हिस्सा लेता है तो आप खुशनसीब हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आजकल अधिकतर बच्चे मोबाइल में ही अपना वक्त बिताना पसंद करते हैं। इनडोर गेम्स में जहां चोट लगने का खतरा कम होता है। वहीं आउटडोर गेम्स में ये खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में एक मां होने के नाते आपको अपने इन खिलाड़ी बच्चों का विशेष ध्यान रखना होगा। ताकि वह स्वस्थ रहें, मस्त रहें, आगे बढ़े और एक अच्छा स्पोर्ट्स स्टार बने।

ट्रेनर हो प्रशिक्षित

आप अपने बच्चे के लिए ऐसे कोच या ट्रेनर का चुनाव करें, जो कि प्रशिक्षित हो। वह अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने वाला और बच्चे को सुरक्षित रख सकने वाला हो। खेल के दौरान बच्चे को कई बार छोटी तो कई बार बड़ी और गंभीर चोट लग जाती है। इस स्थिति में परिवार वाले घबरा जाते हैं कि वह ठीक है या नहीं, उसे डॉक्टर की जरूरत है या नहीं। ऐसे में इन सवालों को जवाब आपको तभी सही मिल पाएगा, जब आप उनका ट्रेनर चोट की स्थिति को समझने वाला हो। इसलिए बच्चों के ट्रेनर का चुनाव सोच-विचार कर ही करें।

प्राथमिक चिकित्सा

'बच्चा खेलेगा तो गिरेगा भी!' ये बात भी सही है। उसे खेल के दौरान मोच और चोट लगना भी स्वाभाविक है। लेकिन चोट से बचा कैसे जाए, खासकर गंभीर चोट से। वहीं यदि चोट लग जाए तो तत्काल उसका इलाज कैसे हो इसका आपको ध्यान रखना होगा। आपको ध्यान देना होगा कि उन्हें कोई भी चोट इतनी गंभीर न पहुंचे, जिससे उन्हें अधिक नुकसान हो और उसका खेलना ही छूट जाए। इसलिए जरूरी है

कि बच्चे को समझाया जाए। उसे बताया जाए कि वह खेल-खेल में ऐसे कोई भी जोखिम न उठाए, जिससे उसे आगे परेशानी हो। उन्हें खेल को सुरक्षात्मक तरीके और छोटी-मोटी चोट लगने पर तत्काल उपचार के तरीके बताएं। साथ ही आप बच्चे के बैग में भी प्राथमिक चिकित्सा की सामग्री जरूर रखें।

सेफ्टी गार्ड जरूरी

खेलों में हड्डी से जुड़ी परेशानियां होना भी आम है। खासकर क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और जिम्नास्टिक जैसे खेलों में। इसलिए आपको अपने बच्चों को उनके खेलों के अनुसार पूरी सेफ्टी किट मुहैया करवानी चाहिए, ताकि वह इन परेशानियों से बच सकें।

आत्मजागरूकता

बच्चों में आत्म-जागरूकता की भावना का विकास करना भी जरूरी है। ताकि वह सहजता से अपनी कमजोरियों और ताकत को पहचाने और उसे स्वीकार करें। उन्हें कब खुद पर नियंत्रण रखना है और कब दूसरों से मदद लेनी है, सिखाएं। वहीं कई बार बच्चे अपनी चोट को सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं, जिनसे उन्हें बाद में परेशानी हो सकती है। इसलिए उन्हें ऐसा करने से रोकें। इस तरह उन में आत्म-जागरूकता के साथ दूरदर्शिता की शक्ति पैदा होने लगती है।

स्पोर्ट्स बैग में फर्स्ट-एड बॉक्स

जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, इंदौर के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ओ.पी. गोयल कहते हैं, बच्चों को खेल के दौरान चोट लगना स्वाभाविक है। इसे रोका या टाला नहीं जा सकता। लेकिन जरूरी है कि समय रहते इसका इलाज किया जाए, ताकि चोट, मोच या मांसपेशियों का खिंचाव गंभीर स्थिति तक न पहुंचे। बच्चों की आदत होती है कि वे खेल के दौरान लगी चोट को छुपाते हैं, इससे स्थिति ज्यादा बिगड़ सकती है। आप बच्चों को पहले ही बताए कि मैदान में खेल के दौरान कुछ भी हो तो घर आकर बताएं। साथ ही अपने स्पोर्ट्स टीचर को भी इसकी जानकारी दें। आप आउटडोर खेलों से जुड़े बच्चों के स्पोर्ट्स बैग में एक छोटा फर्स्ट-एड बॉक्स रखें, जिसमें प्राथमिक उपचार से जुड़ी सभी चीजें हो।

बच्चे का अकेले खेलना है फायदेमंद, माता-पिता को परवरिश में लाने होंगे ये बदलाव

आजकल परवरिश के तरीके में सिटरवाइजिंग स्टाइल काफी प्रचलित हो रहा है, क्योंकि इससे माता-पिता को बच्चों के साथ रिश्ता मजबूत बनाने का मौका मिलता है। आमतौर पर माता-पिता बच्चों पर रोक-टोक करते रहते हैं और उन पर नजर रखने के लिए हर समय उनके आगे-पीछे घूमते रहते हैं, लेकिन सिटरवाइजिंग पैरेंटिंग में ऐसा नहीं है। इसमें माता-पिता बच्चे के पीछे-पीछे भागने के बजाय उस के खेलते समय एक जगह बैठकर उस पर नजर रखते हैं और जरूरत पड़ने पर ही उसे दूर से ही दिशा-निर्देश देते हैं।

अगर आप भी नए-नए माता-पिता बने हैं तो आपको भी इस नई प्रचलित पैरेंटिंग स्टाइल के बारे में जरूर जानना चाहिए, क्योंकि नए माता-पिता बच्चे की परवरिश को लेकर काफी चिंतित रहते हैं और हमेशा बच्चे के आस-पास रहने की कोशिश करते हैं। ऐसा वे इसलिए करते हैं, क्योंकि वे चाहते हैं कि बच्चे को कभी कोई परेशानी न हो, लेकिन बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए उसे कुछ समय अकेला भी छोड़ना चाहिए।

दोनों के लिए फायदेमंद

सिटरवाइजिंग पैरेंटिंग में माता-पिता बच्चे को दूर से खेलते हुए देखकर उनकी मॉनिटरिंग करते हैं और केवल जरूरत पड़ने पर ही उन्हें गाइड करते हैं। ऐसा करने से माता-पिता को तनाव कम करने में मदद मिलती है, साथ ही इसमें बच्चों को भी स्वतंत्र रूप से खेलने, दोस्त बनाने और अपने

हिसाब से गेम को खेलने का पूरा मौका मिलता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें जनरेशन गैप कम करने और उनके बीच बॉन्डिंग बढ़ाने पर ज्यादा जोर दिया जाता है। इससे आपसी प्यार, दोस्ती और भरोसा बढ़ता है।

आत्मनिर्भरता का भाव

इस परवरिश से बच्चे आत्मनिर्भर बनते हैं और अपने आस-पास के माहौल को ज्यादा बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। उन्हें समझ आता है कि उन्हें खुद अपनी परेशानियों को हल कैसे निकालना है। अगर वे इस दौरान गिर भी जाते हैं तो अपने आप खड़े होकर दोबारा खेलने लगते हैं। ऐसे में वे कठिन परिस्थितियों में भी खुद को संभालकर आगे बढ़ना और अपना निर्णय खुद लेना जैसे महत्वपूर्ण सबक सीखते हैं।

माता-पिता के साथ बच्चे

जब माता-पिता बच्चों के खेल में शामिल हो जाते हैं तो उनका खेल का तरीका बदल जाता है और बच्चे तुरंत सारी जिम्मेदारी माता-पिता पर छोड़ देते हैं। इससे उन्हें अन्य बच्चों के साथ घुलने-मिलने के अवसर भी कम मिलते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप उनके साथ न खेलें, मगर कभी-कभी दूर बैठकर उन्हें अपने तरीके से खेलने दें। ऐसा करने से माता-पिता की उपस्थिति बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, साथ ही वे खुद ही अपनी समस्याओं को हल करने की कोशिश करेंगे और जरूरत पड़ने पर ही आपकी सहायता लेंगे।

उलझेंगे तो खुद ही सुलझेंगे

बाल मनोवैज्ञानिक गार्गी बताती हैं, ऐसा अक्सर देखा गया है कि माता-पिता बच्चों को अकेला बिल्कुल नहीं छोड़ते हैं और खेलते हुए भी उन्हें रोकते-टोकते रहते हैं। ऐसा करने से भले ही माता-पिता बच्चों को गलतियां करने से रोक लें, लेकिन यह बच्चों के विकास के लिए ठीक नहीं होता है। ऐसा करते रहने से बच्चे कठिन परिस्थितियों में समस्याओं का समाधान खुद नहीं निकाल पाते हैं, क्योंकि वे पूरी तरह माता-पिता पर निर्भर हो जाते हैं।

इसलिए बच्चे चाहे छोटे हों या बड़े, दोनों ही स्थितियों में उन्हें कुछ वक्त खुद को संभालने के लिए भी देना चाहिए। इससे न केवल वे भविष्य में बेहतर निर्णय ले पाएंगे, बल्कि समस्या से निपटने के नए तरीके भी सीखेंगे, जिससे उनका व्यक्तित्व निखरेगा और वे खुद के लिए फैसले लेने से कतराएंगे नहीं।

केरल की सबसे सुंदर जगहों में है वागामोन, वहां क्या है खास

भारत के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक दक्षिण भारत का केरल राज्य है। केरल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली, धार्मिक स्थलों, शांत माहौल, झीलों के कारण लोकप्रिय है। केरल में कई पर्यटन स्थल हैं जो पर्यटकों को लुभाते हैं और बार-बार यहां आने के लिए उत्साहित करते हैं। इन्हीं जगहों में से एक वागामोन नाम की जगह है। केरल की इडुक्की सीमा में स्थित कोट्टायम वागामोन का मुख्य आकर्षण है। वागामोन में घूमने और देखने के लिए पर्यटकों को काफी विकल्प मिल जाएंगे। कम पैसों में सुकून भरे सफर के लिए वागामोन आ सकते हैं। इस लेख में वागामोन ट्रिप से जुड़ी सभी जानकारी दी जा रही हैं।

वागामोन के पर्यटन स्थल

उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

वागामोन में उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सैन्चुरी स्थित है, जहां वन्य जीवों में रूचि रखने वाले जा सकते हैं। कुछ वक्त प्रकृति के बीच रहकर बिता सकते हैं। यहां आपको हाथी, बाघ समेत कई जानवर देखने, पहाड़ों और झीलों के बीच बोटिंग का लुत्फ उठाने को मिलेगा।

वागामोन पाइन जंगल

पाइन जंगल में पहुंचकर आप प्रकृति के बेहद करीब खुद को महसूस करेंगे। पाइन फॉरेस्ट को ब्रिटिश काल के दौरान बनवाया गया था। शाम के समय यहां की सुंदरता देखते ही बनती है।

वागामोन झील

वागामोन में देखने लायक सबसे खूबसूरत जगहों में से एक यहां की झील है। हरी-भरी पहाड़ियों और पन्ना ग्रीन टी के बागानों के बीच स्थित इस झील का पानी शांत होता है, जो सुकून का अनुभव कराता है। परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ पिकनिक मनाने के लिए यहां आ सकते हैं। इसके अलावा वागामोन झील में कुछ वाटर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने को भी मिल सकता है।

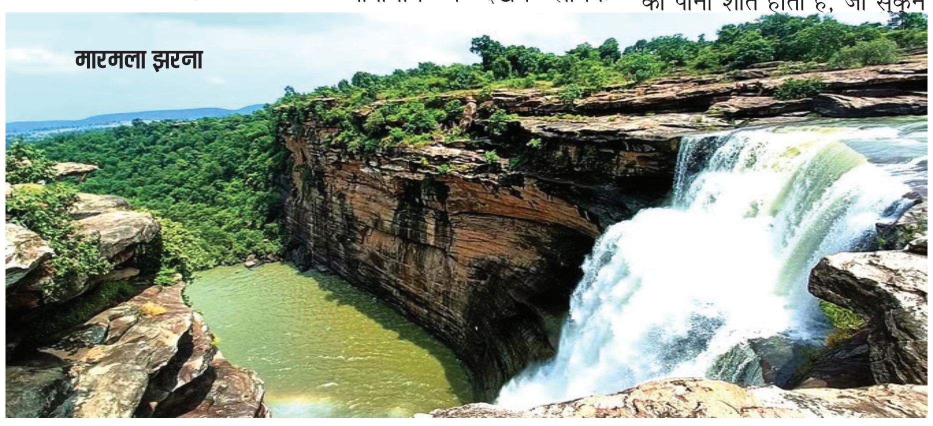

मारमला झरना

वागामोन के मुख्य आकर्षणों में से एक मारमाला झरना है। कोट्टायम जिले के ईराटूपेट्टा में स्थित मारमाला झरना पेड़ों, पहाड़ों और घनी झाड़ियों से घिरा है, जो जंगल की जादूगरनी के रूप में नजर आता है। ट्रैकिंग का आनंद लेने के लिए यह सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

पति-पत्नी के अलग बिस्तर पर सोने का बढ़ रहा चलन, क्या है स्लीप डिवोर्स

एक समय था, जब शादी के बाद पति-पत्नी का अलग-अलग बिस्तर पर सोना रोमांटिक रिलेशनशिप के लिए खराब माना जाता था, लेकिन अब यह युगलों के बीच लोकप्रिय चलन बनने लगा है। कपल के एक दूसरे से अलग-अलग सोने के इस चलन को 'स्लीप डिवोर्स' कहा जाता है। स्लीप डिवोर्स रोमांटिक पार्टनर को विभिन्न कारणों से अलग कमरे में सोने का समर्थन करता है। एक अमेरिकी वेबसाइट के मुताबिक, स्लीप डिवोर्स का उदाहरण अमेरिका के हर तीसरे कपल में देखने को मिल रहा है। आइए जानते हैं स्लीप डिवोर्स क्या है, इसके क्या फायदे हैं जो कपल रोमांस होते हुए भी अलग सोने को तैयार हैं और स्लीप डिवोर्स के नुकसान क्या हो सकते हैं।

स्लीप डिवोर्स क्या है

नाम से ही स्पष्ट है सोने के लिए अलगाव यानी कपल एक दूसरे के साथ नहीं सोते और अलग कमरों या बिस्तर पर सोते हैं। हालांकि स्लीप डिवोर्स का मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि दोनों के बीच संबंध खराब है। यह कपल के बीच एक ऐसा समझौता है जो उन की नींद और रिश्ते दोनों को बेहतर बनाने में सहायक है।

स्लीप डिवोर्स की वजह

कपल की एक दूसरे से अलग अपनी जीवनशैली है। नाइट शिफ्ट या अन्य कारणों से पति को देर से सोने और देर से उठने की आदत हो सकती है। वहीं पत्नी जल्दी सो जाती है और जल्दी उठ जाती है। इस कारण उन्हें बिस्तर शेयर करने पर नींद की समस्या हो सकती है।

अगर पार्टनर को खर्राटे लेने की आदत है तो भी नींद में खलल पड़ सकती है

पार्टनर को कोई स्वास्थ्य समस्या है तो भी रात में बार-बार उठना पड़ता है, इससे दूसरे पार्टनर की नींद में खलल पड़ सकती है

स्लीप डिवोर्स के फायदे

अलग-अलग सोने से कपल को बेहतर नींद आती है।

स्लीप डिवोर्स से कपल के मूड, एनर्जी और एकाग्रता में सुधार हो सकता है।

नींद की कमी से तनाव और चिड़चिड़ापन हो सकता है, जिसका असर रिश्ते पर पड़ता है।

बेहतर नींद से प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है और हृदय रोग, डायबिटीज और मोटापे जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी कम होता है।

दोनों अच्छी नींद लेते हैं तो वह ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं।

स्लीप डिवोर्स के नुकसान

स्लीप डिवोर्स यानी अलग अलग सोने के लिए पकल को एक दूसरे से पहले बात कर लेनी चाहिए और मिलकर फैसला लें। एक के भी मना करने पर रिश्ते में दूरी आ सकती है।

स्लीप डिवोर्स आखिरी विकल्प नहीं है। अगर नींद संबंधी समस्या के लिए यह तरीका अपना रहे हैं तो पहले अनिद्रा की शिकायत दूर करने के अन्य उपाय अपनाएं।

स्लीप डिवोर्स अचानक से शुरू करने के बजाए धीरे धीरे अपनाएं। अचानक से एक दूसरे से अलग होना कपल के बीच रोमांस को प्रभावित कर सकता है।

स्लीप डिवोर्स करने जा रहे हैं तो अपनी और पार्टनर की भावनाओं का ध्यान दें। अगर स्लीप डिवोर्स से पार्टनर असहज महसूस करता है तो आप दोनों को इसपर विचार की जरूरत होती है।

पति-पत्नी पूरे दिन के व्यस्तता के बाद रात में जब अपने कमरे में आते हैं तो कुछ वक्त साथ बिताते हैं और एक दूसरे से बातचीत करते हैं लेकिन अलग-अलग कमरे में सोने के नियम के तहत वह एक दूसरे को वक्त नहीं दे पाते।

संयुक्त परिवार या वर्किंग पति-पत्नी के पास एक दूसरे से बात करने का समय रात का वक्त ही होता है। ऐसे में

फ्रूट कस्टर्ड बनाने की आसान विधि

बहुत से बच्चों के स्कूल में गर्मी की छुट्टियां हो गई हैं और बहुत से बच्चों की छुट्टी होने वाली हैं। ऐसे में अब कुछ समय तक बच्चे घर पर ही रहेंगे। ये जब स्कूल जाते हैं तो उनके खाने को लेकर ज्यादा परेशानी नहीं होती है, दिक्कत तब सामने आती है जब बच्चे घर पर रहते हैं। उस वक्त हर कोई चाहता है कि वो अपने बच्चे को उसकी पसंद की हर एक चीज खिलाए लेकिन इस दौरान उसकी सेहत का भी ध्यान रखना पड़ता है। खासतौर पर अब जब भीषण गर्मी पड़ने लगी है तो लोग ठंडी चीजें ही खाना और खिलाना पसंद करते हैं।

अगर आप भी अपने बच्चे के लिए कुछ स्वादिष्ट और ठंडी डिश बनाने का सोच रही हैं तो फ्रूट कस्टर्ड एक बेहतर विकल्प है। फ्रूट कस्टर्ड एक ऐसा पकवान है जो खाने में स्वादिष्ट लगता है। ये गर्मी से भी राहत पहुंचाता है। अगर आप गर्मी के मौसम में ये अपने परिवारवालों और बच्चों को परोसेंगे तो वो इसे खाकर जरूर खुश होंगे।

फ्रूट कस्टर्ड बनाने का सामान

दूध
अंगूर
अनार
केला
आम
1/4 कप चीनी
कटे हुए काजू
बादाम
कस्टर्ड पाउडर

विधि

फ्रूट कस्टर्ड बनाने के लिए सबसे पहले एक भगोने में दूध उबाल लें। जब तक दूध उबल रहा है तब तक एक कटोरी में थोड़ा सा दूध लेकर उसमें दो बड़े चम्मच कस्टर्ड पाउडर लेकर घोलें। ध्यान रखें कि इसे तब तक मिक्स करना है, जब तक इसमें पड़ीं गुठलियां पिघल न जाएं।

अब उबले हुए दूध को एक नॉन स्टिक कड़ाही में पलट लें। अब इसमें चीनी डालकर चलाते रहें। जब चीनी घुलने लगे तो गैस बंद कर दें और फिर कस्टर्ड वाले घोल को इसमें डाल दें। अब इसे लगातार चलाएं और कुछ देर चलाने के बाद इसे गैस पर दोबारा रख दें। 5 मिनट के बाद जब ये गाढ़ा होने लगे तो गैस बंद करके इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इसमें सभी फलों को काटकर डाल दें। सबसे आखिर में ऊपर से बादाम और काजू भी काटकर डाल दें। अच्छे स्वाद के लिए इसे फ्रिज में रख दें और ठंडा-ठंडा ही परोसें।

सोना पहली बार 74 हजार के पार, चांदी ने 92,444 का ऑल टाइम हाई बनाया

एक ही दिन में 6 हजार रुपए बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सोना और चांदी ने आज यानी 21 मई को ऑल टाइम हाई बनाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, कारोबार के दौरान 10 ग्राम सोना 839 रुपए महंगा होकर 74,222 रुपए का हो गया। चांदी भी आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। ये 6,071 रुपए महंगी होकर 92,444 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले सोमवार 20 मई को चांदी 86,373 रुपए पर थी।

इस साल सोने में अब तक 10 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 10,870 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 74,222 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 92,444 रुपए पर पहुंच गए हैं।

अगले एक साल में 85 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में भी सोने और चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। अगले एक साल में सोने के दाम 80 हजार से 85 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है। कैरेट के हिसाब से ऐसे चेक करें कीमतः मान लीजिए 24 कैरेट सोने का दाम 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम है। यानी एक ग्राम सोने की कीमत हुई 7000 रुपए।

ऐसे में 1 कैरेट शुद्धता वाले 1 ग्राम सोने की कीमत हुई 7000/24 यानी 291 रुपए। अब मान लीजिए आपकी ज्वेलरी 18 कैरेट शुद्ध सोने से बनी है तो 18x291 यानी इसकी कीमत 5,283 रुपए प्रति ग्राम हुई। अब आपकी ज्वेलरी जितने भी ग्राम की है उसमें 5,283 रुपए का गुणा करके सोने की सही कीमत निकाली जा सकती है।

हॉन्गकॉन्ग-सिंगापुर में भारतीय मसालों पर बैन नहीं होने का दावा

> एमडीएच के सभी सैंपल मानक के अनुसार > एवरेस्ट के कुछ नमूनों में कीटनाशक ज्यादा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार के सूत्रों ने दावा किया है कि सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में किसी भारतीय मसालों पर बैन नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए कहा गया है कि पॉपुलर मसाला ब्रांड्स एमडीएच और एवरेस्ट के प्रोडक्ट्स के सिर्फ कुछ बैच को रिजेक्ट किया गया था।

एक अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार ने इन दोनों कंपनियों के सैंपल की जांच की है। इसमें एमडीएच के सभी 18 सैंपल मानकों के अनुसार पाया गए। हालांकि, एवरेस्ट के 12 में से कुछ सैंपल में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा थी। केंद्र सरकार ने एवरेस्ट को अपने प्रोडक्ट्स में सुधार करने के निर्देश दिए हैं। कंपनी को एक ई-मेल भी भेजा गया है, जिसका जवाब अभी नहीं मिला है। इसके अलावा मसाला बनाने वाली दोनों कंपनियों को प्रोडक्ट्स बनाने, उसकी पैकेजिंग, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। प्रोडक्ट्स अपनी सही जगह पर ठीक तरीके से पहुंचे, इसके लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा, मसाला बोर्ड ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग जाने वाले प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड की जांच के लिए प्री-शिपमेंट सैंपलिंग और टेस्टिंग अनिवार्य कर दिया है। सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में अप्रैल महीने में एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ मसालों में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने का दावा किया गया था। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि दोनों देशों में एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स को बैन किया गया है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है। एथिलीन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है।

मसाले में क्यों करते हैं कीटनाशकों का इस्तेमाल?

मसाला बनाने वाली कंपनियां एथिलीन ऑक्साइड सहित अन्य कीटनाशकों का उपयोग ई. कोली और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया और फंगस से फूड आइटम्स को खराब होने से बचाने के लिए करती हैं, क्योंकि इन बैक्टीरिया के संपर्क में आने से मसालों की शेल्फ लाइफ बहुत छोटी हो सकती है। इन्हें लंबे समय तक खराब होने से बचाने पर रोक के बावजूद ये कंपनियां कीटनाशकों को प्रिजर्वेटिव या स्टेरलाइजिंग एजेंट की तरह इस्तेमाल कर रही हैं।

चौथी तिमाही में 6.2% की रफ्तार से बढ़ सकती है जीडीपी

एनएफआरए ने दो ऑडिटर्स पर लगाया 2.5 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। देश की जीडीपी 2023-24 में 6.9 से 7 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ सकती है। चौथी तिमाही यानी जनवरी-मार्च अवधि में इसकी रफ्तार 6.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के प्रमुख अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने कहा, पहली दो तिमाहियों में वृद्धि दर को कम आधार का फायदा मिला। हालांकि, तीसरी (अक्तूबर-दिसंबर) तिमाही में 8.4 फीसदी की वृद्धि दर आश्चर्यजनक थी। सरकार चौथी तिमाही और 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के शुरुआती अनुमान 31 मई को जारी कर सकती है।

तीसरी तिमाही में मिला था उच्च कर संग्रह का फायदा

सिन्हा ने कहा, जब हम आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं तो पता चलता है कि जीवीए और जीडीपी के बीच अंतर है। तीसरी तिमाही में जीडीपी को बड़ा प्रोत्साहन उच्च कर संग्रह से मिला है, लेकिन चौथी तिमाही में ऐसा होने की संभावना नहीं है।

सेंसेक्स 52 अंक फिसलकर 73,953 पर बंद

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी मंगलवार (21 मई) को फ्लैट कारोबार देखने को मिला है। सेंसेक्स 52 अंक फिसलकर 73,953 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 27 अंक की बढ़त रही। ये 22,529 के स्तर पर बंद हुआ। हिंडाल्को के शेयर में आज 4.79% की तेजी रही। ये निफ्टी का टॉप गेनर रहा। वहीं कोल इंडिया के शेयर में 4.49% की तेजी देखने को मिली। नेस्ले का शेयर 1.61% फिसलकर आज निफ्टी का टॉप लूजर रहा।

एशियाई बाजार में सुस्ती से भारतीय बाजार में दबाव

ईरान के राष्ट्रपति की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत का असर पूरे एशियाई मार्केट पर दिख रहा है। चाइना के हैंग सेंग इंडेक्स में 2% से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं जापान का निक्केई इंडेक्स और ताइवान के शेयर बाजार में भी आज गिरावट रही। इसका असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिला है।

'...जानता है तेरा बाप कौन है'

जौमैटो शुरू करने की बात पर पिता ने दी थी प्रतिक्रिया, बोले सीईओ दीपिंदर गोयल

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान, ज़ोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने अपनी स्टार्टअप यात्रा के शुरुआती दिनों के बारे में एक रोचक बात बताई। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की ओर से आयोजित विशेष संपर्क कार्यक्रम में गोयल ने अपने बिजनेस आइडिया पर अपने पिता की शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में बताया। गोयल की इस स्पीच का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्लिप में, वह 16 साल पहले, 2008 में जोमैटो को लॉन्च करने के दिनों को याद करते हुए बता रहे हैं कि कैसे उनके पिता ने उनके फैसले पर संदेह किया था। गोयल ने बताया कि जब मैंने अपने पिता को जोमैटो शुरू करने के बारे में बताया, तो उन्होंने कहा, जनता है तेरा बाप कौन है? गोयल के अनुसार इसका मूल रूप से मतलब था कि आप स्टार्टअप नहीं कर सकते। पंजाब के एक छोटे से

शहर से आने के कारण यह यह मानसिकता थी। उन्होंने कहा, जब मैंने 2008 में जोमैटो की शुरुआत की थी, तो मेरे पिता कहते थे तू जानता है तेरा बाप कौन है।

गोयल ने कहा कि मेरे पिताजी को लगता था हम कभी स्टार्टअप नहीं कर सकते क्योंकि हमारी पृष्ठभूमि साधारण थी। गोयल ने कहा, इस सरकार और उनकी पहल ने मेरे जैसे छोटे शहर के लड़के को जोमैटो जैसा कुछ बनाने के लिए सक्षम बनाया, जो आज लाखों लोगों को रोजगार देता है। मंत्री हरदीप सिंह पुरी के आवास पर 20 मई को आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर के इनोवेटर्स, बुद्धिजीवी, स्टार्टअप लीडर्स और आईटी पेशेवर एक साथ आए। दीपिंदर गोयल ने इस साल मॉडल ग्रेसिया मुनोज से शादी की और शार्क टैंक इंडिया के तीसरे सीजन में जज के रूप में दिखे। उनकी उपलब्धि स्टार्टअप जगत में लोगों को प्रेरित करती रही है।

फिक्स्ड डिपॉजिट से होने वाली आय पर लगेगा टैक्स

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के लिए सबसे लोकप्रिय विकल्पों में से एक है, जो किसी निवेशक की जमा पूंजी को बाजार के उतार-चढ़ाव से बिना प्रभावित हुए पहले से तय ब्याज के आधार पर बढ़ाने में मदद करता है. फिक्स्ड इनकम विकल्पों में खासतौर से भारत में 5 साल के टैक्स सेवर एफडी में निवेश ज्यादा पॉपुलर है. टैक्स सेवर एफडी में 1.50 रुपये तक की जमा पर आप इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत आप टैक्स लाभ ले सकते हैं. यानी आप अपनी टैक्सेबल इनकम से 1.5 लाख रुपये तक की कटौती के लिए क्लेम कर सकते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि यह स्कीम सिर्फ टैक्स बचाती ही नहीं है, बल्कि इसकी ब्याज आय टैक्सेबल भी है। फिक्स्ड डिपॉजिट के जरिए हासिल होने वाले ब्याज पर टीडीएस लगता है, अगर वह इनकम टैक्स नियमों में दी गई लिमिट से अधिक हो. इसलिए एफडी से मिलने वाली ब्याज पर टीडीएस का नियम आपको भी समझना चाहिए, अगर आप इसमें निवेश करने का मन बना रहे हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 05-46, सूर्यास्त. - 18-39
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 18-48 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - वैशाख शुक्ल, बुधवार 22 May
नक्षत्र - स्वाति 07-46 तक उपरान्त विशाखा
योग - वरियान 12- 36 तक उप परिघ
करण- गर 06-18 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पीपल पूर्णिमा व्रत कल है

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	05-18 बजे
चंद्र-	तुला	में	मिथुन..	07-18 बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-31 बजे
बुध-	मेष	में	सिंह...	11-44 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-49 बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला.....	15-56 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	18-05 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-19 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	22-25 बजे
			कुंभ....	00-15 बजे
			मीन...	01-53 बजे
			मेष....	03-29 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:46 - 07:21	शुभ	उत्पात	18:39 - 20:05	अशुभ
अमृत.	07:21 - 08:58	शुभ	शुभ	20:05 - 21:28	शुभ
काल.	08:58 - 10:36	अशुभ	अमृत	21:28 - 22:50	शुभ
शुभ.	10:36 - 12:13	शुभ	चंचल	22:50 - 24:13	शुभ
रोग.	12:13 - 13:50	अशुभ	रोग	24:13 - 01:35	अशुभ
उत्पात	13:50 - 15:28	अशुभ	काल	01:35 - 02:58	अशुभ
चंचल	15:28 - 17:05	शुभ	लाभ	02:58 - 04:21	शुभ
लाभ	17:05 - 18:39	शुभ	उत्पात	04:21 - 05:46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है आपने आजकल के खाने पर बहुत ध्यान दें और उसमें स्वास्थ्यकर चीजों को शामिल करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,): आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा परिवार के साथ समय बिताएं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज का दिन अपने जीवन की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): खुशियाँ मनाने का समय है आपके किसी करीबी की शादी है इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है ।आप किसी जटिल समस्या में फंस गए लगते हैं।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बैंकों को पहली बार तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक लाभ

इस साल आईटी कंपनियों की तुलना में तिगुना मुनाफा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। बैलेंसशीट में सुधार के दम पर देश के बैंकिंग क्षेत्र ने पहली बार तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा कमाया है। सरकारी और निजी बैंकों का लाभ सालाना आधार पर 40.90' फीसदी बढ़कर 2023-24 में 3.1 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2022-23 में यह 2.2 लाख करोड़ रुपये रहा था। खास बात है कि बीते वित्त वर्ष में बैंकों ने आईटी कंपनियों से ज्यादा मुनाफा कमाया है। तीन लाख करोड़ रुपये का यह आंकड़ा मोटे तौर पर बीते वित्त वर्ष की शुरुआती तीन तिमाहियों के दौरान सभी सूचीबद्ध कंपनियों के मुनाफे के बराबर है। 2023-24 में सूचीबद्ध आईटी सेवा कंपनियों का शुद्ध लाभ करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये रहा है।

आंकड़ों के मुताबिक, कुल मुनाफे में सरकारी बैंकों (पीएसबी) की हिस्सेदारी 45.80 फीसदी यानी 1.42 लाख करोड़ रही। यह 2022-23 की तुलना में 34 फीसदी अधिक है। निजी बैंकों का मुनाफा 42 फीसदी बढ़कर 1.7 लाख करोड़ पहुंच गया, जो कुल मुनाफे का 54.83 फीसदी है। निजी बैंकों के साथ अंतर घटा रहे पीएसबी हाल के वर्षों में पीएसबी अपनी बैलेंसशीट में सुधार कर और कमाई बढ़ाकर निजी बैंकों के साथ लाभ के अंतर को कम कर रहे हैं। तीन वर्षों में सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ चार गुना से ज्यादा बढ़ा है। कई बैंकों ने पेंशन के लिए एकमुश्त प्रावधान नहीं किया होता तो पीएसबी और ज्यादा लाभ कमाते।

कितने डिब्बे होंगे और कितने लोग कर सकेंगे सफर

> भारत की पहली बुलेट ट्रेन को लेकर आई बड़ी खबर

हाइलाइट्स

- मुंबई-अहमदाबाद के बीच बन रहा देश का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट
- ट्रेन सप्लाई करने के वास्ते दो जापानी कंपनियों ने बनाया कंसोर्टियम
- इस ट्रैक पर पहली ट्रेन अगस्त 2026 में चलने की उम्मीद है

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। देश का पहला हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर मुंबई और अहमदाबाद के बीच विकसित किया जा रहा है। इस पर अगस्त 2026 में पहली ट्रेन चलने की उम्मीद है। जापान को दो कंपनियों हिताची और कावासाकी ने भारत को बुलेट ट्रेन सप्लाई करने के लिए एक कंसोर्टियम बनाया है। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉरपोरेशन मुंबई-अहमदाबाद प्रोजेक्ट के लिए 18 बुलेट ट्रेन खरीदेगा। इनमें से प्रत्येक ट्रेन में 10 कोच होंगे और इसमें 690 लोग सफर कर सकते हैं। इस ट्रेन में भारतीय परिस्थितियों के मुताबिक बदलाव किए जा रहे हैं। यह ट्रेन 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम होगी। 508 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट की आधारशिला सितंबर 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के तत्कालीन पीएम शिंजो आबे ने रखी थी। माना जा रहा है कि बुलेट ट्रेन के शुरू हो जाने से मुंबई और अहमदाबाद के बीच का सफर मात्र साढ़े तीन घंटे में पूरा हो सकेगा।

हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट में रेलवे अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि जापान की दो कंपनियों ने भारत को बुलेट ट्रेन सप्लाई करने के लिए एक कंसोर्टियम बनाया है। उसने बुलेट ट्रेन के डिजाइन पर बातचीत शुरू कर दी है। भारत के मौसम और दूसरी परिस्थितियों के मुताबिक इसके डिजाइन में बदलाव किए जाएंगे। इन कंपनियों ने भारत को शिनकनसेन ट्रेनों की सप्लाई में दिलचस्पी दिखाई है। लेकिन भारतीय रेलवे के अधिकारियों ने इसके डिजाइन में बदलाव की मांग की थी ताकि इसकी कीमत में कमी लाई जा सके और इसे भारतीय परिस्थितियों के मुताबिक बनाया जा सके। अब इन कंपनियों ने नए डिजाइन के साथ प्रपोजल सौंपा है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने लोन दिया है। लोन की शर्तों के मुताबिक केवल जापानी कंपनियों ही बिड में हिस्सा ले सकती हैं।

कितनी है लागत

इस प्रोजेक्ट का 348.04 किमी हिस्सा गुजरात, 155.76 किमी महाराष्ट्र में और 4.3 किमी हिस्सा दादरा एवं नगर हवेली में है। इस रूट पर कुल 12 स्टेशन बनेंगे। इस प्रोजेक्ट पर एक लाख करोड रुपये से अधिक खर्च आने का अनुमान है। एनएचएसआरसीएल इस प्रोजेक्ट को बना रही है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार केंद्र सरकार इसमें 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी।

गुजरात और महाराष्ट्र को प्रत्येक को 5,000 करोड़ का भुगतान करना होगा। प्रोजेक्ट की बाकी राशि जापान से 0.1 प्रतिशत के मामूली ब्याज पर मिले लोन से मिली रकम से खर्च की जाएगी। पहले इसकी डेडलाइन 2022 थी जिसे बढ़ाकर 2023 किया गया। अब इस पर अगस्त 2026 में ट्रायल शुरू होने की उम्मीद की जा रही है।

क्या ईरान के राष्ट्रपति रईसी की हत्या हुई

खामेनेई के बेटे और मोसाद का नाम क्यों आ रहा सामने

तेहरान, 21 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलिकॉप्टर क्रैश में मौत हो गई है। 63 साल के रईसी 19 मई की शाम करीब 7 बजे अजरबैजान में एक बांध के उद्घाटन के बाद ईरान लौट रहे थे, इसी दौरान उनका हेलिकॉप्टर लापता हो गया। रईसी के अलावा विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन सहित हेलिकॉप्टर में सवार सभी 9 लोग मारे गए। इस हादसे के पीछे बड़ी साजिश का अंदेशा जताया जा रहा है। ईरान में कुछ एक्टिविस्ट्स रईसी की हत्या का आरोप इजराइल पर लगा रहे हैं, तो वहीं कुछ लोगों का कहना है कि रईसी की मौत से खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई के लिए सत्ता का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, रईसी को ईरान के मौजूदा सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई का उत्तराधिकारी माना जा रहा था।

रईसी की मौत को लेकर साजिश के आरोप क्यों लग रहे हैं, इस पूरे घटनाक्रम का ईरान के अंदर और बाहर क्या फर्क पड़ेगा, भारत और ईरान के संबंध आगे कैसे रहेंगे?

ईरान की सरकार ने राष्ट्रपति रईसी की मौत के बाद इमरजेंसी कैबिनेट मीटिंग बुलाई। देश के उप-राष्ट्रपति मोहम्मद मुखबेर ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान रईसी को श्रद्धांजलि देने के लिए उस सीट को खाली रखा गया, जहां वे बैठते थे। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनेई ने राष्ट्रपति रईसी की मौत पर देश में 5 दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है। वहीं ईरान की कल्चर मिनिस्ट्री ने देश भर में सभी कल्चरल एक्टिविटीज पर 7 दिन के लिए रोक लगा दी है। ईरान में राष्ट्रपति को सरकार का हेड, जबकि सुप्रीम लीडर को 'हेड ऑफ स्टेट' कहा जाता है। ईरान के संविधान के मुताबिक, अगर राष्ट्रपति की अचानक मौत होती है तो उप-राष्ट्रपति को पद सौंपा जाता है। इसके लिए सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई अप्रूवल देते हैं। ईरान में मोहम्मद मुखबेर उप-राष्ट्रपति हैं। लिहाजा मुखबेर को देश का नया अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया है। उनके पद संभालने के बाद ईरान में अगले 50 दिन के अंदर राष्ट्रपति चुनाव कराने होंगे। वहीं होसैन अमीराब्दुल्लाहियन की जगह उप विदेश मंत्री बाघेरी कनी को नया विदेश मंत्री बनाया गया है।

राष्ट्रपति रईसी ने अपने 3 साल के कार्यकाल के दौरान मिडिल-ईस्ट में ईरान का प्रभाव बढ़ाने के लिए काम किया था। रईसी ने ईरान का राष्ट्रपति रहते हुए मिडिल-ईस्ट के कई देशों में सशस्त्र समूहों का समर्थन किया। कई पश्चिमी देशों ने ईरान के साथ न्यूक्लियर डील की थी, लेकिन अमेरिका के पीछे हटने के बाद भी रईसी ने ईरान के अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को गति देने की कोशिश की थी। रईसी का हेलिकॉप्टर क्रैश होने की खबर आने के बाद खामेनेई ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के साथ आपात बैठक की। उन्होंने कहा, 'ईरान का प्रशासन इस हादसे से प्रभावित नहीं होगा। लोग चिंता ना करें, सरकार के काम प्रभावित नहीं होंगे।' रईसी लंबे समय तक ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख रहे। उन पर बड़ी तादाद में सरकार के विपक्षियों को मारने के आरोप हैं। उनकी हार्ड लाइन पॉलिसीज के चलते लोग उनसे नाखुश रहे हैं। इसके अलावा ईरान की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। सरकार डिफेंस और सिक्योरिटी पर बहुत पैसा खर्च कर रही है। अभी ईरान में जो स्थिति है, ऐसा लगता है कि सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। देखना होगा कि सरकार इससे कैसे निपटती है।'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जानकार मानते हैं कि रईसी की मौत के बाद ईरान की विदेश या घरेलू नीतियों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। जानकारों का मानना है कि भले ही रईसी को खामेनेई के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन ईरान में सुप्रीम नेता के पास ही सबसे ज्यादा ताकत होती है। वही ईरान की नीतियों को तय करता है। रईसी को ईरानी लोग बहुत गंभीरता से नहीं लेते। 2022 में जब विरोध प्रदर्शन हुए तब रईसी नहीं, बल्कि खामेनेई ही प्रदर्शनकारियों के निशाने पर रहे थे।

रईसी को ईरान में एक कट्टरपंथी मौलाना माना जाता था। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की उम्र 85 साल हो चली है। वह कैंसर से भी जूझ रहे हैं। ऐसे में खामेनेई के वफादार और बेहद करीबी रहे रईसी को उनका उत्तराधिकारी माना जा रहा था। ईरान की सत्ता में उसकी फोर्स 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स' की बड़ी भूमिका रहती है। रईसी के जाने के बाद अब खामेनेई के दूसरे सबसे बड़े बेटे मोजतबा खामेनेई का रास्ता लगभग साफ है। 'ईरान की सरकार में दो धड़े बंट गए हैं। एक धड़ा ऐसा है जो कि अब मुल्लाओं का कट्टरपंथी शासन पसंद नहीं करता है। जबकि दूसरा धड़ा जो रईसी के कट्टरपंथी शासन के समर्थन में था, उसकी तादाद कम होती जा रही है। रईसी की कई मामलों पर मोजतबा से झड़प होती रही है।

शुरुआत में खामेनेई, रईसी के पक्ष में दिखते थे, लेकिन बाद में चुप हो गए। ये भी हो सकता है कि रईसी की मौत के पीछे खामेनेई के ही कुछ करीबी लोगों का हाथ हो।'

ईरानी पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने भी सोशल मीडिया साइट X पर लिखा कि एक कॉन्स्पिरेसी थ्योरी ये भी है कि इस हादसे में खामेनेई के बेटे का हाथ हो सकता है, ताकि वो अपने पिता की जगह लेने का रास्ता आसान कर सके। कुछ समय से भारत और ईरान के रिश्ते ठीक चल रहे हैं। भारत के ईरान से पुराने व्यापारिक रिश्ते भी रहे हैं। इसी साल 13 मई को ईरान के चाबहार में शाहिद बेहेशती पोर्ट को भारत ने 10 साल के लिए लीज पर लिया है। अब पोर्ट का पूरा मैनेजमेंट भारत के पास होगा। यह विदेश में लीज पर लिया गया भारत का पहला पोर्ट है। भारत को इसके जरिए अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया से व्यापार करने के लिए नया रूट मिल जाएगा। भारत इस पोर्ट की मदद से ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के साथ सीधे व्यापार कर सकता है। पहले भारत से अफगानिस्तान कोई भी माल भेजने के लिए उसे पाकिस्तान से गुजरना होता था। हालांकि, दोनों देशों में सीमा विवाद के चलते भारत को पाकिस्तान के अलावा भी एक विकल्प की तलाश थी। चाबहार बंदरगाह के विकास के बाद से अफगानिस्तान माल भेजने का यह सबसे अच्छा रास्ता है।

अमेरिका ने भारत को इस बंदरगाह के लिए हुए समझौतों को लेकर कुछ खास प्रतिबंधों में छूट दी है। चाबहार को पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट की तुलना में भारत के रणनीतिक पोर्ट के तौर पर देखा जा रहा है। ग्वादर को बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट के तहत चीन विकसित कर रहा है।

इधर रईसी की मौत पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी दुख जताया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'रईसी की अचानक मौत से स्तब्ध हूं। उन्होंने भारत-ईरान के द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उनके परिवार और ईरान के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। भारत इस मुश्किल घड़ी में ईरान के साथ खड़ा है।'

रईसी ने भारत से रिश्ते बेहतर करने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन खाड़ी के दूसरे देशों या फिर अमेरिका के दबाव के चलते भारत की तरफ से उतनी सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। ईरान के नए राष्ट्रपति के चुनाव के बाद, वह भारत से चल रही बातचीत और समझौतों की फाइलों को नए तरीके से देखेंगे, उसके बाद ही नए सिरे से भारत को लेकर नीतियां बनाएंगे। अगर हम अमेरिका के दबाव में ईरान को लेकर सकारात्मक नहीं रहे तो जल्द ही ईरान, चीन, पाकिस्तान और रूस के साथ एक अलायंस की भूमिका में आ जाएगा। यह भारत के लिए चिंताजनक स्थिति होगी।' ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जावेद जरीफ ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रपति रईसी की मौत के लिए अमेरिकी पाबंदियां जिम्मेदार हैं। जरीफ ने कहा कि ईरान की एविएशन इंडस्ट्री पर अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से देश को जरूरी सामान नहीं मिल सका। इसके चलते हेलिकॉप्टर क्रैश में राष्ट्रपति की जान गई। अमेरिका के सीनेटर चक शूमर ने कहा है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से हुई बातचीत ये बताती है कि अभी ऐसे कोई सबूत नहीं हैं, जिसके आधार पर रईसी की हत्या में किसी साजिश की बात कही जा सके। हालांकि, शूमर ने ये भी कहा कि वह हालात पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के सांसद माइकल वॉल्ट्ज ने रईसी की मौत पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि ये अच्छी बात है कि हमें उनसे छुटकारा मिल गया। उन्होंने मानवाधिकारों की हत्या की थी।

फ्लोरिडा के ही रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने भी कहा कि रईसी के जाने से दुनिया और सुरक्षित हो गई है। उन्होंने कहा, 'ईरान की जनता रईसी से प्यार नहीं करती थी और अब उन्हें कोई याद नहीं रखेगा। ईरानी जनता हत्यारे तानाशाहों से देश को मुक्त कराने में कामयाब होगी।'

असल बात ये है कि कई सालों से ईरान और अजरबैजान के ताल्लुक खराब हैं। अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच जमीन के विवाद को लेकर इजराइल और अमेरिका, अजरबैजान का समर्थन करते रहे हैं। मोसाद, अजरबैजान में बहुत सक्रिय है। हो सकता है कि बांध के उद्घाटन के कार्यक्रम के दौरान जितनी देर रईसी का हेलिकॉप्टर रुका रहा हो, उस दौरान मोसाद ने हेलिकॉप्टर का कोई पुर्जा निकाल लिया हो। चीन के अखबार ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि इजराइल ही रईसी की हत्या में शामिल है। हो सकता है उन्हें कुछ और इनपुट्स मिले हों। हालांकि, अभी ये सिर्फ आशंकाएं हैं कि मोसाद, सीआईए या अजरबैजान ने रईसी की हत्या की साजिश रची हो।' इजराइल और ईरान, साल 1979 तक एक-दूसरे के सहयोगी हुआ करते थे। 1979 में ईरान में इस्लामिक क्रांति हुई और देश में जो सरकार आई वह विचारधारा के स्तर पर इजराइल की घोर विरोधी थी। अब ईरान इजराइल के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता और उसे पूरी तरह खत्म करने की वकालत करता है। इजराइल भी मानता है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए खतरा है। इजराइल का कहना है कि ईरान फिलिस्तीनी हथियारबंद समूहों और लेबनान में शिया गुट हिजबुल्लाह को फंड करता है। इजराइल और हमास की जंग के दौरान हिजबुल्लाह भी हमास की तरफ से इजराइल के खिलाफ हमले करने लगा।

बीते अप्रैल में कथित तौर पर इजराइल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया। इसमें ईरान के कई अधिकारियों की मौत हो गई। रईसी ने तब कहा था कि ईरानी इलाके में इजराइल के हमले हुए तो इजराइल को इसका अंजाम भुगतना होगा। इसके कुछ ही दिन बाद ईरान ने इजराइल पर भी पहली बार कई मिसाइल अटैक किए।

इसके पहले भी ईरान और इजराइल एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले करते रहे हैं, लेकिन तब दोनों देशों में कोई भी इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं लेता था।

गाजा में इजराइल हमास जंग के दौरान अब ईरान खुलकर फिलिस्तीनियों का साथ दे रहा है। 19 मई को अजरबैजान में बांध के उद्घाटन के बाद रईसी ने फिलिस्तीनियों के लिए ईरान का समर्थन जारी रखने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि, 'हम ये मानते हैं कि फिलिस्तीन मुस्लिम दुनिया का सबसे अहम मुद्दा है और हम इस बात को लेकर निश्चिंत हैं कि ईरान और अजरबैजान के लोग हमेशा फिलिस्तीन और गाजा के लोगों का समर्थन करते हैं और इजराइल के यहूदीवादी शासन से नफरत करते हैं।'

रईसी की मौत के बाद इजराइल के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हमास का बयान भी सामने आया है। हमास ने कहा, 'हमारी संवेदनाएं खामेनेई, ईरान की सरकार और ईरान के लोगों के साथ हैं। दुख और मुश्किल की इस स्थिति में हम ईरान के साथ हैं। हादसे में ईरान के उन नेताओं की जान चली गई, जिन्होंने ईरान के हित के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और हमारी लड़ाई में भी पूरा सहयोग दिया।'

हमास ने ये भी कहा, 'यहूदियों के अत्याचार के खिलाफ फिलिस्तीनियों की लड़ाई में उन्होंने हमेशा हमारा साथ दिया। हमें भरोसा है कि ईरान के लोग इस दुखद हादसे से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

अजॉय का दावा- ओडिशा में एक दल की सरकार बनना असंभव

पार्टी को लोकसभा की 8-9 सीटें जीतने की आस

जमशेदपुर, 21 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के प्रभारी और एआईसीसी सदस्य डॉ. अजॉय कुमार ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती है। पार्टी विधानसभा चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी। वहीं, उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा के दस साल के कुशासन से तंग आ चुकी है। जनता इस बार बदलाव चाहती है।

कांग्रेस नेता कुमार ने सोमवार को जमशेदपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की 21 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस की आठ/नौ सीटें जीतने की भी संभावना है। वहीं, पार्टी के पास विधानसभा चुनावों में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन करने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा, यह तय है कि ओडिशा में कांग्रेस के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती।

400 से अधिक सीटों के नारे पर कसा व्यंग

ओडिशा प्रभारी कुमार ने भाजपा के 400 से अधिक सीटें जीतने के नारे पर भी व्यंग कसा। उन्होंने कहा कि लोगों ने इसे गलत समझा है। दरअसल, भाजपा 400 से अधिक सीटें जीतने वाली नहीं थी। उनका मतलब था कि अगर भाजपा आगामी आम चुनाव में सत्ता बरकरार रखती है तो पेट्रोल और डीजल की कीमतें 400 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ जाएंगी।

प्रज्जवल मामले में भाजपा को घेरने का प्रयास

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के अंदर आप सांसद स्वाति मालीवाल पर हमले के मामले में कुमार ने कांग्रेस का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि पार्टी महिलाओं पर किसी भी अपराध के खिलाफ है। इस दौरान उन्होंने भाजपा को घेरने की कोशिश की। कहा, जेडीएस सांसद प्रज्जवल रेवन्ना के मामले में भाजपा चुप क्यों है? उनसे जुड़े यौन शोषण के मामले से संबंधित सैकड़ों ऑडियो और वीडियो सामने आ चुके हैं। बावजूद उनके खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

कुमार ने बताया कि इंडिया ब्लॉक मंगलवार को गोपाल मैदान में एक बड़ी बैठक करेगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंदर केजरीवाल, पंजाब सीएम भगवंत मान, झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन बैठक को संबोधित करेंगे।

24 मई तक बारिश-बिजली का अलर्ट

रांची, 21 मई (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग ने 24 मई तक के लिए अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को पाकुड़, साहिबगंज, गिरिडीह, गोड्डा जिले के कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। इस दौरान यहां हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी के बीच रहेगी। इसके साथ ही देवघर, दुमका, जामताड़ा के कुछ इलाकों मे भी बारिश के आसार हैं। इसे लेकर भी मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। पिछले 24 घंटे के तापमान पर नजर डालें तो कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। रांची में तेज हवा और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हुई है।

भाजपा सांसद जयंत सिन्हा को कारण बताओ नोटिस

चुनाव प्रचार से नदारद रहने पर बाबूलाल मरांडी ने मांगा जवाब

रांची, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने हजारीबाग लोकसभा सीट से मनीष जायसवाल को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद चुनाव प्रचार में भाग नहीं लिया। सोमवार को हुए मतदान में अपने मत का प्रयोग भी नहीं किया। पार्टी ने सिन्हा से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के बेटे जयंत झारखंड की हजारीबाग लोकसभा से मौजूदा सांसद हैं।

जयंत सिन्हा को भाजपा के राज्य महासचिव आदित्य साहू ने नोटिस भेजा है। उन्होंने नोटिस में कहा, 'जब से पार्टी ने मनीष जयसवाल को हजारीबाग लोकसभा सीट से उम्मीदवार

घोषित किया है, तब से आप संगठनात्मक कार्यों और चुनाव प्रचार में कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। आपने अपने मताधिकार का प्रयोग करना भी उचित नहीं समझा। आपके कारण पार्टी की छवि खराब हुई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के निर्देश के बाद पार्टी ने जयंत से स्पष्टीकरण मांगा है। कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर साहू ने कहा कि यह सिन्हा की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। वहीं, इस संबंध में सिन्हा ने कॉल का जवाब नहीं दिया।

चुनावी राजनीति से मुक्त करने का अनुरोध कर चुके सिन्हा

जायसवाल के हजारीबाग से लोकसभा उम्मीदवार की घोषणा होने से कुछ घंटे पहले ही सिन्हा ने पार्टी नेतृत्व से उन्हें चुनावी राजनीति से मुक्त करने का अनुरोध किया था। दो मार्च को सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट में कहा, वह आर्थिक और शासन के मुद्दों पर पार्टी के साथ काम करना जारी रखेंगे और अपने प्रयासों को 'भारत और दुनिया भर में वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने' पर केंद्रित करना चाहते हैं।

सिन्हा ने पोस्ट में आगे कहा, 'मुझे पिछले दस वर्षों से भारत और हजारीबाग के लोगों की सेवा करने का सौभाग्य मिला है। इसके अलावा, मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा नेतृत्व द्वारा प्रदान किए गए कई अवसरों का आशीर्वाद मिला है। मैं उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। जयंत सिन्हा ने 2019 में कांग्रेस के गोपाल साहू को हराकर 4.79 लाख वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं, जायसवाल इससे पहले जेवीएम के टिकट पर मांडू विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं।

एक चिता पर जले 17 शव

एक ही परिवार के 11 लोग, हादसे में मारे गए थे 19 लोग, 2 का अंतिम संस्कार ससुराल में

कवर्धा, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुए हादसे में मारे गए 19 लोगों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। 17 लोगों का अंतिम संस्कार तो एक ही चिता में किया गया। इसमें एक ही परिवार के 11 लोगों के शव थे। इस दौरान माहौल बेहद गमगीन हो गया। वहीं, दो महिलाओं के शवों का अंतिम संस्कार उनकी ससुराल में किया गया। हादसे में मृतकों के परिजन को प्रदेश सरकार 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार का मुआवजा देगी। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार मृतकों के परिजनों के साथ है। घायलों को इलाज की अच्छी सुविधा मिले, यह हम देख रहे हैं। मरने वालों में एक ही परिवार के 11 लोग थे, एक साथ जलाई गई 17 लोगों की चिता में 11 लोग एक ही परिवार के थे। परिवार के एक सदस्य रतन सिंह ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए रोज जाते थे, कभी बाइक से तो कभी फोर व्हीलर से जाते थे। जो गाड़ी चलाता था, उसे ज्यादा अनुभव नहीं था। दरअसल, 20 मई को तेज रफ्तार पिकअप पलटकर 20 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया था। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, 7 से ज्यादा लोग घायल हुए। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास हुआ है। एसपी अभिषेक पल्लव के मुताबिक मरने वालों में 18 महिलाएं शामिल हैं। इनमें मां-बेटी सहित 3 बच्चियां भी हैं। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। हादसे के दौरान पिकअप में 25 लोग सवार थे।

सभी लोग तेंदूपत्ता तोड़कर गांव लौट रहे थे। हादसा इतना जबरदस्त था कि 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के दावों से उलट ग्रामीणों का कहना है कि हादसे के समय पिकअप में 30 से 35 लोग सवार थे। ब्रेक फेल होने से हादसे की आशंका है। हादसे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, सीएम विष्णु देव साय, पूर्व सीएम भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज समेत कई नेताओं ने दुख जताया है।

हेमंत सोरेन की जमानत पर आज फिर सुनवाई

एससी में सिब्बल की दलील-घोटाले वाली जमीन हेमंत के कब्जे में नहीं, ईडी ने बेल का किया विरोध

रांची, 21 मई (एजेंसियां)। चुनाव प्रचार में शामिल होने को लेकर झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर आज सुनवाई हुई । सुप्रीम कोर्ट में हेमंत सोरेन की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पक्ष रखा। आज की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे कल के लिए फिर लिस्ट किया है। बेल पर कल भी सुनवाई होगी। आज कोर्ट में सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने दलील दी है कि यह 8.86 एकड़ जमीन का मसला है। जो आदिवासी भूमि है। छोटानागपुर टीनेंसी एक्ट के तहत इसे ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है। सिब्बल ने सोरेन की तरफ से कहा कि 12 प्लॉट हैं, 1976 से 1986 के बीच गैर आदिवासियों के नाम की रजिस्टर में एंट्री हुई है। तब हेमंत सोरेन 4 साल के थे। इससे उनका कुछ लेना देना नहीं है। सिब्बल ने कहा कि सोरेन पर आरोप है कि 2009-10 में उन्होंने जमीन पर जबरन कब्जा किया। उनके खिलाफ 20 अप्रैल 2023 को केस चलाया जाता है। इस जमीन पर बिजली का कनेक्शन आरोपी नंबर चार के नाम पर है। 2015 में हुई लीज में यह खेती वाली जमीन है। साफ है कि यह हेमंत सोरेन के कब्जे में नहीं। लीज का मालिक राजकुमार है। सिब्बल ने शिकायतकर्ता बैजनाथ मुंडा और श्यामलाल पाहन का नाम लेते हुए कहा कि ये जमीन के मालिक होने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह भुइंहरी जमीन है। इसलिए मुंडा और पाहन का दावा विवादित है। मामला बेनामी प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यह सिविल मामला है और इसलिए ईडी जांच नहीं कर सकती है। ईडी ने सोमवार (20 मई 2024) को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हेमंत सोरेन राज्य मशीनरी का दुरुपयोग करके उनके खिलाफ मनी लॉनड्रिंग मामले की जांच को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पूर्व कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने बीजेपी के 11 नेताओं को भेजा नोटिस

सैलजा ने कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूर्व प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने भाजपा के 11 नेताओं को मानहानि का नोटिस भेजा है। सैलजा ने दो दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगने को कहा है, नहीं तो उन पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। वर्तमान में कुमारी सैलजा हरियाणा के सिरसा लोकसभा सीट के कांग्रेस प्रत्याशी हैं। जिन नेताओं ने आरोप लगाए थे। उन्हें बीजेपी ने सिरसा लोकसभा चुनाव में जिम्मेदारी सौंपी है।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा के वकील ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री चंद्रशेखर

शुक्ला, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, पूर्व महापौर वाणी राव, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिता रावटे, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष तुलसी साहू, पूर्व प्रदेश ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष चौलेश्वर चंद्राकर, उषा पटेल, आलोक पांडेय, अजय बंसल और अरुण सिंह नोटिस भेजा है। नोटिस के बाद भाजपा नेताओं ने भी पलटवार करते हुए कहा कि नोटिस से डरने वाले नहीं हैं।

सिरसा में पूर्व विधायक और बीजेपी नेताओं से मीडिया से चर्चा की। इस दौरान सैलजा के ऊपर कई आरोप लगाए थे। कोयला और शराब घोटाले का सरंक्षण देने का आरोप, विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण के मामले में पैसे लेने का आरोप लगाए थे। बीजेपी नेताओं से आरोप लगाया था कि कुमारी सैलजा ने सिर्फ पैसा देने वाले लोगों को टिकट बांटी थी। नेताओं ने कहा कि सिरसा में आने का मकसद केवल यही था कि मतदाताओं को सैलजा के बारे में जानकारी मिल सके कि किस तरह भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

उम्मीद से कम अंक आने से थी परेशान, लगा ली फांसी

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षा की रिजल्ट जारी होने के बाद किसी ने खुशी मनाई, तो किसी के घर में मातम छाया। ऐसे ही एक मामला राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र से निकल कर सामने आया है। क्लास में टॉपर रही, लेकिन 12वीं में आये परिणाम से असंतुष्ट रही छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामला विधानसभा थाना क्षेत्र के ग्राम संकरी का है। छात्रा हमेशा 80 फीसदी से ज्यादा अंक से क्लास पास करती थी, लेकिन 12वीं बोर्ड की परीक्षा में आये परिणाम से छात्रा परेशान थी। उसने 19 मई को अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा वसुंधरा बारले (17साल) बोर्ड परीक्षा 2024 के 12वीं में 63 प्रतिशत हासिल की थी।

अमेरिका बोला- भारत विरोधी रिपोर्ट्स झूठी, वहां धार्मिक स्वतंत्रता है

यूएस मीडिया ने कहा था- भारत में मुस्लिम दरकिनार हुए, मोदी जीते तो खतरा बढ़ेगा

न्यूयॉर्क, 21 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी मीडिया लगातार भारत में हो रहे चुनाव को मुसलमानों के खिलाफ बता रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 19 मई को एक रिपोर्ट पब्लिश की थी, जिसमें कहा गया था कि भारत में रह रहे मुस्लिम परिवारों को दरकिनार कर दिया गया है। वहां उनकी पहचान तक पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

इस पर सोमवार (20 मई) को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की तारीफ की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हम इन रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज करते हैं। अमेरिका दुनिया भर में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने के लिए हमेश तैयार रहता है। हमें इसके लिए भारत समेत कई अन्य देशों का साथ मिला है।

इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपनी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया, जिसमें बताया

गया था कि भारत में मुसलमानों का दमन हो रहा है। हफ्तेभर में यह दूसरी बार है जब अमेरिका की तरफ से ऐसा बयान दिया गया है। इससे पहले 17 मई को व्हाइट हाउस ने कहा था कि दुनिया में भारत से ज्यादा जीवंत लोकतंत्र कहीं और नहीं हैं। भारतीयों के वोट देने और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की क्षमता तारीफ के काबिल है। भारत में लोकसभा चुनाव शुरू होने के बाद से अमेरिकी मीडिया लगातार देश के खिलाफ खबर छाप रहा है। वे भारत में धर्मनिरपेक्ष ढांचे को खतरा बता रहा है। ज्यादातर मीडिया हाउस का कहना है कि अगर प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आते है तो देश में मुसलमानों के खिलाफ हिंसा बढ़ जाएगी। साथ ही भारत सरकार मुसलमानों को दरकिनार कर देगी। इन रिपोर्ट्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी खारिज कर चुके हैं। चुनाव प्रचार और इंटरव्यूज के दौरान पीएम ये कह चुके हैं कि देश में किसी भी समुदाय का दमन नहीं हो रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में अल्पसंख्यकों पर जुल्म की खबरें बेतुकी हैं और जनता को इनसे दूर रहना चाहिए। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री के इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल ने एक रिपोर्ट में बताया कि 1950 से 2015 तक भारत में मुस्लिम आबादी 43.15% तक बढ़ी हैं। इसके उलट, इसी दौरान हिंदुओं की आबादी में 7.82% की गिरावट देखी गई है। इससे पहले 17 मई को व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया था कि अमेरिका भारत में हो रहे चुनाव को करीब से देख रहा है। वे प्रक्रिया में लगातार सुधार की मांग कर रहे हैं।

नेतन्याहू के खिलाफ जारी हो सकता है अरेस्ट वारंट

इंटरनेशनल कोर्ट में सुनवाई जारी, आरोप- फिलिस्तीनियों पर हमले करवाए, गाजा को तबाह करने की कोशिश

यरूशलम, 21 मई (एजेंसियां)। हमास के साथ जंग के बीच इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जा कर सकता है। उन पर हमास जंग में युद्ध अपराध का आरोप है। आईसीसी के चीफ प्रॉसिक्यूटर करीम खान ने कोर्ट में नेतन्याहू और इजराइल के रक्षा मंत्री के खिलाफ अरेस्ट वारंट की मांग की है।

बीबीसी के मुताबिक, करीम खान ने कहा है कि नेतन्याहू और इजराइल के रक्षा मंत्री पर आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर इजराइल सेना को फिलिस्तीनी नागरिकों को टारगेट करने का आदेश दिया। उन्होंने गाजा में मानवीय मदद को पहुंचने से रोका, जिससे वहां भुखमरी के हालात बन गए।

इसके अलावा नेतन्याहू ने जंग के बहाने फिलिस्तीनियों की हत्याएं करवाईं और गाजा को तबाह करने की कोशिश की।

आईसीसी के जज अब इस बात पर विचार कर रहे हैं कि वे नेतन्याहू के खिलाफ वारंट जारी करेंगे या नहीं। दूसरी तरफ नेतन्याहू ने सोमवार (20 मई) को अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को बेतुका और झूठा बताया। उन्होंने कहा कि अगर वारंट जारी होता है तो ये सिर्फ एक नेता नहीं बल्कि पूरे इजराइल के खिलाफ होगा। इजराइली नेताओं के अलावा अंतरराष्ट्रीय कोर्ट हमास के लीडर इस्माइल हानिए और याह्या सिनवार के खिलाफ भी युद्ध अपराधों को लेकर वारंट जारी कर सकता है। हमास नेताओं पर आरोप हैं कि 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमले के दौरान वहां के नागरिकों और खासकर महिलाओं पर अत्याचार किए गए। यूएन और कई मीडिया रिपोर्ट्स में इजराइलियों की बेरहमी से हत्या और रेप के दावे किए गए हैं।

हमले के दौरान हमास ने करीब 250 इजराइली नागरिकों को किडनैप कर लिया था। इसके बाद इजराइल और हमास में जंग शुरू हो गई, जिसमें अब 35,500 फिलिस्तीनी मारे गए।

'इजराइल और हमास के बीच कोई समानता नहीं'

सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट का विरोध किया। उन्होंने कहा, "इजराइल और हमास के बीच कोई समानता नहीं है। इजराइल अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है। अमेरिकी की विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी गिरफ्तारी वारंट को सिरे से खारिज कर दिया।

रसद आपूर्ति की समस्याओं की वजह से ईरान की मदद नहीं कर पाए

रईसी के निधन के बाद अमेरिका ने जारी किया बयान

वॉशिंगटन, 21 मई (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की रविवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान चली गई। इस हादसे के बाद अमेरिका ने एक बयान जारी किया है। अमेरिका ने बताया कि रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद वे रसद आपूर्ति की समस्याओं कारण से ईरान सरकार को सहायता प्रदान नहीं कर पाया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि ईरान ने अमेरिका से सहायता मांगी थी। मैथ्यू मिलर ने कहा, ईरानी सरकार ने हमसे सहायता मांगी थी। हमने उन्हें स्पष्ट किया था कि हम उनकी सहायता करेंगे। लेकिन कुछ कारणों से हम उन्हें सहायता प्रदान नहीं कर पाए। उन्होंने राष्ट्रपति रईसी के निधन पर शोक जताया। इस दौरान मैथ्यू मिलर ने रईसी की निंदा भी की। उन्होंने कहा, मुझे कुछ बातें कहने दीजिए, चार दशकों तक रईसी ईरानियों की आवाज दबातते रहे। वह मानवाधिकार के हनन में भी शामिल थे। वह 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों की हत्या में भी शामिल थे। उनके कार्यकाल के दौरान महिलाओं और लड़कियों के कई मानवाधिकों का हनन हुआ। मैथ्यू मिलर ने कहा, हम किसी को भी हेलीकॉप्टर क्रैश में मरते हुए देखना नहीं चाहते हैं, लेकिन इससे एक राष्ट्रपति और न्यायाधीश के रूप में उनके रिकॉर्ड की वास्तविकता नहीं बदलेगी।। हम ईरान के लोगों को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए उनका समर्थन करना जारी रखेंगे। बता दें कि रविवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रईसी के अलावा ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दोल्लाहियन भी सवार थे। हेलीकॉप्टर में कुल नौ लोग सवार थे और सभी की मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पायलट ने होलीकॉप्टर से नियंत्रण खो दिया था, जिसके चलते यह हादसा हुआ। इस हादसे में राष्ट्रपति रईसी समेत बाकी सभी की मौत हो गई। बचाव टीमों से पता चल रहा है कि हेलीकॉप्टर का पूरा केबिन काफी क्षतिग्रस्त और जल गया है।

राहुल गांधी को हाजिर होने का आदेश

रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट ने जारी किया दूसरा समन, शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

रांची, 21 मई (एजेंसियां)। रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को समन जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें सशरीर उपस्थित होने को कहा है। दरअसल राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसे लेकर नवीन झा ने शिकायत दर्ज की थी। 2018 में नवीन की ओर से याचिका दाखिल की गई, जिसमें कहा गया है कि राहुल के बयान से उन्हें ठेस पहुंची है और साथ में पार्टी की छवि भी खराब हुई है।

इस मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आज दूसरी बार समन जारी किया है। इससे पहले साल 2018 में पेश होने का आदेश जारी हुआ था। इस समन को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था। अब एक बार फिर राहुल गांधी को समन भेजा गया है। आज हुई सुनवाई में शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता बिनोद कुमार साहू और अमरदीप साहू ने पैरवी की। इस मामले को लेकर अब अगली सुनवाई चार जून को की जाएगी।

दिल्ली में साल 2018 में अधिवेशन हुआ था। इस अधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा में हत्या का आरोपित भी अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता है। जिसको लेकर चाईबासा कोर्ट में भी शिकायत वाद दर्ज कराई गई है।

हाईकोर्ट भी लगा चुका है एक हजार का जुर्माना

बीते शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया। ये जुर्माना अदालत में जवाब दाखिल करने में देरी के कारण लगाया गया। दरअसल कांग्रेस के इस पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला चाईबासा के निचली में चल रहा है। जिसे निरस्त करने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी को लेकर अदालत ने जवाब मांगा था, जिसे नहीं देने पर कोर्ट ने जुर्माना लगाया।

झारखंड में राहुल गांधी के खिलाफ तीन मुकदमे चल रहे हैं। पहला मामला है जिसमें नवीन झा ने रांची की निचली अदालत में अमित शाह पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। दूसरा मामला भी अमित शाह को लेकर है। भाजपा नेता प्रताप कुमार ने चाईबासा कोर्ट में याचिका दायर की थी। तीसरा मामला मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। सभी मामले की सुनवाई रांची में हो रही है।

राम मंदिर का उद्घाटन राष्ट्रपति से क्यों नहीं करवाया

केजरीवाल बोले- क्योंकि वे आदिवासी हैं, झारखंड से बीजेपी को 1 सीट भी मिली तो दमन और बढ़ेगा

जमशेदपुर, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज जमशेदपुर पहुंचे है। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राम मंदिर का उद्घाटन हुआ तो पूरे देश ने जश्न मनाया, मंदिर का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए था। प्रधानमंत्री को भी होना चाहिए था, लेकिन राष्ट्रपति को क्यों नहीं बुलाया? क्योंकि वे आदिवासी हैं। केजरीवाल ने कहा कि अगर भाजपा को 1 भी सीट झारखंड से मिली तो यह दमन और बढ़ेगा। अगर आपने कमल का बटन दबाया तो हेमंत सोरेन को जेल में रहना पड़ेगा। लेकिन, अगर आपने इंडिया गठबंधन का बटन दबाया तो 4 जून को नतीजे आएंगे और 5 जून को हेमंत सोरेन जेल से बाहर आएंगे। रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी अपनी पत्नी सुनीता के साथ शामिल हुए। भाषण की शुरुआत में जब चंपाई सोरेन केजरीवाल और उनकी पत्नी को संबोधित करने लगे तो

उपनाम पर उनकी जुबान फंस गई। वह दिल्ली के मुख्यमंत्री को अरविंद 'केजरीजाल' कह बैठे। इसके बाद जब उनकी पत्नी का नाम लिया तो सुनीता चौधरी कह डाला। पास में खड़े प्रत्याशी समीर मोहंती ने उन्हें टोका तो चंपाई ने अपनी गलती सुधारनी चाही, लेकिन इस बार वह सुनीता अग्रवाल कह बैठे।'

तीसरी गलती का अहसास होने पर चंपाई खुद भी हंस पड़े। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि मैं जेल से सीधा आप लोगों के बीच आ रहा हूं। एक दिन मैं जेल के सेल में बैठा था। वहां हर सेल में टीवी उपलब्ध है। टीवी में देखा सुप्रीम कोर्ट ने मुझे चुनाव प्रचार करने की मोहलत दे दी। मैं तो हैरान था। मोदी जी ने कितनी कोशिश की, कि मुझे बेल ना मिले। मेरे ऊपर बजरंग बली का आशीर्वाद है। केजरीवाल ने कहा, अब झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन जी जेल में हैं। मोदी जी ने जिस मंशा से मुझे और हेमंत जी को जेल में डाला था। उनकी सोच थी कि मेरी पार्टी टूट जाएगी। सरकार गिर जाएगी। विधायक खरीद लूंगा। जेएमएम तोड़ दूंगा। विधायक खरीद लूंगा। पूरा उल्टा हुआ। भगवान सब देख रहा है। दिल्ली के अंदर पार्टी के बिखरने की बजाय हम सब एकजुट हो गए। ना दिल्ली की सरकार गिरी। ना पंजाब की सरकार गिरी। अरविंद केजरीवाल इंडी गठबंधन के प्रत्याशी समीर कुमार मोहंती के पक्ष में वोट की अपील करने के लिए जमशेदपुर पहुंचे है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जमशेदपुर में चुनाव प्रचार के दौरान अपने सार्वजनिक संबोधन के बाद ड्रम पर हाथ भी आजमाया।

लंदन से सिंगापुर जा रहे विमान में टर्बुलेंस की वजह से एक यात्री की मौत, कई घायल

बैंकॉक, 21 मई (एजेंसियां)। लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री की मौत हो गई है। विमान में कई यात्री घायल भी बताए जा रहे हैं। इसकी वजह खतरनाक टर्बुलेंस को बताया गया है।

एयरलाइन ने बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। टर्बुलेंस के बाद विमान की बैंकॉक में आपातकालीन लैंडिंग कराई गई है।

दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिक ने कचरे के पहाड़ में खोजा 24 अरब डॉलर का 'अदृश्य' सोना

पीछे पड़ी दुनिया

जोहान्सबर्ग, 21 मई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका एक युवा शोधकर्ता ने अपने शहर जोहान्सबर्ग में 'अदृश्य सोने' के सैकड़ों टन भंडार की खोज की है, जिसकी कीमत 24 अरब डॉलर (लगभग 1999 अरब रुपये) है। सोने के इतने बड़े खजाने की खोज इस शोधकर्ता ने मास्टर डिग्री के थीसिस के दौरान की थी, लेकिन इसका असर इतना ज्यादा हुआ कि यूनिवर्सिटी ने उनकी डिग्री को पीएचडी में अपग्रेड कर दिया। स्टेलनबाश यूनिवर्सिटी के छात्र स्टीव चिंगवारू ने जोहान्सबर्ग के प्रतिष्ठित खदान डंप को अपने शोध का विषय बनाया। ये डंप सोने की खदान से निकले कचरे से बना हुआ है, जो विशालकाय टीले के रूप में नजर आता है। चिंगवारू बचपन से इन टीलों को देखते आए हैं। जब जोहान्सबर्ग में तेज हवा चलती तो इन टीलों से निकली नारंगी धूल लोगों के बालों, कपड़ों और गले में लग जाया करती थी। जब बड़े हुए तो उन्हें टेलिंग के बारे में पता चला। टेलिंग उन अपशिष्ट पदार्थों को कहा जाता है जो खनिज निकालने के बाद बच जाते हैं। चिंगवारू ने कहा कि लोग पहले से ही इन टेलिंग से सोना निकाल रहे थे, लेकिन इससे 30 प्रतिशत ही हासिल हो रहा था। चिंगवारू कहते हैं कि मैं जानना चाहता था कि बाकी 70 प्रतिशत कहां है। वे इसे क्यों नहीं निकाल पा रहे थे?

उन्होंने शोध में खदानों के ढेरों

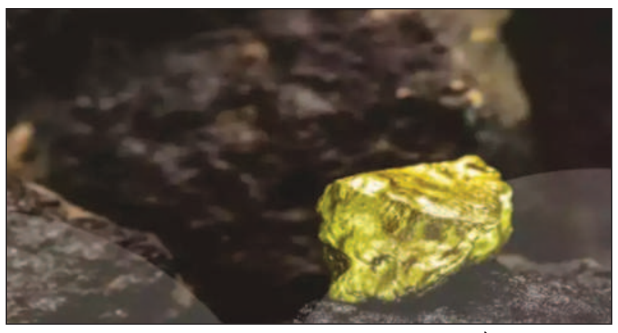

से नमूनों की जांच की तो पाया कि अधिकांश सोना पाइराइट नामक खनिज में छिपा हुआ था। वर्तमान तकनीक से इसका पता नहीं चल रहा था। चिंगवारू ने गणना की तो पाया कि इस कचरे के पहाड़ में 420 टन अदृश्य सोना छिपा हुआ है, जिसकी कीमत 24 अरब डॉलर है। हालांकि, उनके शोध से यह तो पता चलता है कि यहां बहुत सारा सोना है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस सोने को निकालने के लिए किफायती तकनी है जिससे लाभ कमाया जा सके। केप टाउन यूनिवर्सिटी में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर मेगन बेकर कहती हैं कि जब तक यह नहीं किया जा सकता कोई भी कंपनी इसमें निवेश नहीं करेगी।

बातचीत दोबारा शुरू करने की आवश्यकता नहीं

कच्चातिवु द्वीप के मुद्दे पर आया श्रीलंका का बयान

कोलंबो, 21 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कच्चातिवु द्वीप को लेकर चर्चा करने का कोई कारण उन्हें नहीं दिख रहा। साबरी ने बताया कि कई साल पहले दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद ही इस मामले पर चर्चा खत्म हो गई थी। श्रीलंका के विदेश मंत्री ने कहा कि एक जिम्मेदार पड़ोसी राष्ट्र होने के नाते श्रीलंका किसी को भी भारत की सुरक्षा से समझौता करने की अनुमति नहीं देगा। कच्चातिवु द्वीप को लेकर श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, अगर आप इसे ध्यान से देखे, तो ये वे मुद्दे हैं, जिन पर हमने वर्षों पहले ही चर्चा कर निष्कर्ष निकाल चुके हैं। मुझे इसे दोबारा शुरू करने की आवश्यकता नहीं दिखती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कच्चातिवु द्वीप पर टिप्पणी का मतलब इस चर्चा को फिर से शुरू करना नहीं है। साबरी ने आगे कहा, वहां घरेलू राजनीतिक जरूरतों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश जारी है कि उस समय विचार-विमर्श ठीक से किया गया था या नहीं। श्रीलंका में चीनी जासूसी जहाजों के आगमन पर साबरी ने कहा, हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर कांग्रेस पर निशाना

साधा था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा, तमिलनाडु के नीचे एक द्वीप था, लेकिन इसे कांग्रेस ने श्रीलंका को दे दिया। अब जब हमारे मछुआरे उस क्षेत्र में जाते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।

नेपाल ने यूं ही नहीं भड़काया भारत के साथ नक्शा विवाद

पीएम प्रचंड की ना 'पाक' चाल, समझें ओली कनेक्शन

काठमांडू, 21 मई (एजेंसियां)। भारत और नेपाल के बीच एक बार फिर से नक्शा ववाद भड़कता दिख रहा है। नेपाल की सरकार ने अपने नए नोट पर देश के ववादित नक्शे को छापने का फैसला किया है। इस नक्शे में कालापानी, लिंपियाधुरा, लिपुलेख जैसे भारत के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा बताया गया है। इस ऐलान के बाद जहां भारत में तीखी प्रतक्रिया हुई, वहीं नेपाल में भी इसके खिलाफ आवाजें तेज हो गईं। नेपाल के राष्ट्रपत के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी नेपाल ने ववादत नक्शे को छापने को गलत कदम बताया। इसके बाद वामंपथियों के दबाव में आकर नेपाल की सरकार ने चिरंजीवी को पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। नेपाल ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब भारत में चुनाव हो रहे हैं। वहीं नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की गठबंधन सरकार को संसद में बेहद महत्वपूर्ण वश्वासमत को हासिल करना था। नेपाल के नए नक्शे को नोट पर छापने के फैसले से भारत के साथ सीमा ववाद का मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है। साल 2020 में नेपाल की तत्कालीन केपी ओली सरकार ने नए नक्शे को बनाया था। इसमें चीनी राजदूत की बेहद भूमिका मानी जाती है। नेपाल ने यह कदम तब उठाया जब सीमा विवाद को लेकर दोनों ही देशों के बीच में बातचीत चल रही थी। नेपाल में वर्तमान समय में वामपंथी गठबंधन की सरकार चल रही है और प्रचंड पीएम हैं। उन्हें चीन समर्थक ओली ने समर्थन दे रखा है। विश्लेषकों का कहना है कि यह प्रचंड सरकार नए नक्शे को नोट पर छापकर यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह राष्ट्रवादी है। साथ ही क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता को लेकर जोर दे रही है।

प्रचंड ने कुर्सी बचाने के लिए चली चाल?

द डिप्लोमैट की रिपोर्ट के मुताबिक यह केवल एक वजह नहीं है जिसकी वजह से नेपाल ने यह नक्शा छापने का फैसला किया। दरअसल, प्रचंड सरकार का हिस्सा नेपाल की जनता समाजबादी पार्टी यह संकेत दे रही थी कि वह अपना समर्थन वापस ले रही है। जनता समाजबादी पार्टी ने आखिरकार 13 मई को अपना समर्थन वापस भी ले लिया। इसके बीच प्रचंड को 20 मई को संसद के अंदर विश्वासमत हासिल करना था जिसे उन्होंने जीत लिया। दिसंबर 2022 में सत्ता में आने के बाद प्रचंड ने चौथी बार विश्वासमत हासिल किया है।

गत 20 मई को बहुमत हासिल करने के लिए प्रचंड को ओली की पार्टी की सबसे ज्यादा जरूरत थी ताकि सरकार को बचाया जा सके। केपी ओली के बारे में कहा जाता है कि वह क्या फैसला करेंगे, इसको लेकर कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

सीरिया की प्रथम महिला अस्मा असद को ब्लड कैंसर

डॉक्टर्स ने कहा- गंभीर है बीमारी, एकांतवास में होगा इलाज

दमिश्क, 21 मई (एजेंसियां)। सीरिया की प्रथम महिला और राष्ट्रपति बशर अल असद की पत्नी अस्मा असद ब्लड कैंसर (ल्यूकेमिया) से जूझ रही हैं। एक खबर के अनुसार सीरियाई राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा इस बात की जानकारी दी गई है। बताया गया है कि अस्मा असद की कई दौर की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान डॉक्टरों की टीम को उनके शरीर में ब्लड कैंसर के लक्षण मिले। मेडिकल जांच में पाया गया कि अस्मा असद गंभीर ब्लड कैंसर से जूझ रहीं हैं।

नुक्कड़ों पर कलाकारी की आड़ में जासूसी तो नहीं!

आईएसआई पर पाकिस्तानी ही क्यों कर रहे संदेह?

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। आपने शहर के व्यस्त चौराहों पर कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करते देखा होगा। अगर सामने से न देखा हो तो इनके वीडियो पर जरूर नजर पड़ी होगी। ये कलाकार सिर से पैर तक पूरी तरह एक आकर्षक सुनहरे रंग में खुद को रंगे, हाथ में छड़ी लिए बिल्कुल स्थिर खड़े होते हैं। पहली नजर में इन कलाकारों को देखकर लगता है कि कोई मूर्ति है लेकिन अचानक पास पहुंचने पर ये सिर से टोपी निकालकर या छड़ी हिलाकर लोगों को हैरान कर देते हैं। कलाकारों की इस पूरी कोशिश का मतलब कुछ रुपये कमा लेना होता है, ताकि आजीविका चल सके। लेकिन एक पाकिस्तान में इन कलाकारों के लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। इन कलाकारों पर अब अपने ही देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई का मुखबिर समझा जा रहा है।

पाकिस्तान में कलाकारों पर जासूसी का आरोप

पाकिस्तान की राजधानी

इस्लामाबाद में जैसे-जैसे इन गोल्डन कलाकारों की संख्या बढ़ी, वैसे ही उनके खिलाफ कांस्पिरेसी थ्योरी भी बढ़ गई है। पाकिस्तान के हर संस्थान में पाकिस्तानी सेना का हस्तक्षेप कोई छिपी बात नहीं है। पाकिस्तान की सेना अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए लगातार कॉन्पिरेसी थ्योरी को जनता के दिमाग में डालती आई है। ये अब लोगों के मन में इस कदर बैठ गया है कि हर आदमी के पास पाकिस्तान में एक कॉन्स्पिरेसी थ्योरी है।

पाकिस्तानियों के दिमाग को किस तरह से ब्रेनवाश किया गया है, इसे बताने के लिए कई उदाहरण हैं। 2010 में आई विनाशकारी बाढ़ को पाकिस्तानी लोग अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए से जोड़ते हैं। पाकिस्तान में बहुत सारे लोगों का मानना है कि अमेरिका के पास मौसम को कंट्रोल करने वाली तकनीक है, जिससे वो पाकिस्तान में बाढ़ ले आया। इतना ही नहीं, बहुत सारे पाकिस्तानी तो ये भी मानते हैं कि ओसामा बिन लादेन यहूदी है और वर्ल्ड ट्रेड पर हमला अमेरिका ने खुद कराया था। ऐसे में नुक्कड़ कलाकारों को जासूस समझ लेना कोई बड़ी बात नहीं है।

क्यों शक कर रहे पाकिस्तानी?

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में इस्लामाबाद के 25 वर्षीय अली अब्बास के हवाले से बताया गया है कि राजनीतिक माहौल इतना ध्रुवीकृत हो गया है कि हम इस बात को लेकर अधिक संदेह में जी रहे हैं कि हमें कोई देख रहा है या सुन रहा है। 53 वर्षीय मुस्ताक अहमद गोल्डन कलाकार है। उनके जैकेट, पैंट, छड़ी और टोपी सभी जगह सुनहरे रंग का स्प्रे पेंट किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने चेहरे और हाथ पर सोने का मेकअप लगाया है। अहमद कभी छतरी बेचते थे, लेकिन तीन साल पर पहले उन्होंने गोल्डन कलाकार बनने का फैसला किया। अब लोग उन्हें गोल्डन ठाकुर कहते हैं। अहमद ने न्यूयार्क टाइम्स को बताया कि जब उन्हें पता चला कि दूसरे कलाकार इसमें अच्छी कमाई कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या खुफिया एजेंसियों के लिए काम करके अपनी आमदनी को बढ़ाएंग तो उन्होंने सीधे इनकार कर दिया। लेकिन इस सवाल पर कि क्या दूसरे गोल्डन मैन इस तरह से कमाई कर रहे हैं तो उन्होंने जवाब दिया, 'शायद कर रहे हों। यह पाकिस्तान है।'

25 लोकसभा सीटों में से सबसे पहले आएंगे इनके परिणाम, क्या है कारण

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अब 2 चरणों के लिए मतदान शेष है, इसके बाद 4 जून को उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला हो जाएगा। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों के लिए 19 और 26 अप्रैल को दो चरणों में वोट डाले गए थे। इनमें 266 प्रत्याशी मुकाबले में उतरे, जिसमें 247 पुरुष और 19 महिला प्रत्याशी शामिल थीं। प्रदेश की जिन सीटों पर मतदान प्रतिशत कम रहा, वहां के नतीजे सबसे पहले आएंगे और बम्पर वोटिंग वाली सीटों के नतीजे देरी से जारी होंगे। इस लिहाज से यदि देखा जाए तो राजस्थान में सबसे कम मतदान करौली-धौलपुर सीट पर और सबसे ज्यादा मतदान बाड़मेर सीट पर हुआ है।

प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर मतदाताओं की संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा मतदाता पाली लोकसभा क्षेत्र में 23 लाख 43 हजार 232 हैं, जबकि सबसे कम मतदाता दौसा लोकसभा क्षेत्र में 18 लाख 99 हजार 304 हैं। वहीं त्रिकोणीय मुकाबले के चलते जबरदस्त वोटिंग के बाद बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा वोट 16 लाख 75 हजार 287 डाले गए।

सबसे पहले खुलेंगे पोस्टल बैलेट

प्रदेश में मतगणना 4 जून को सुबह आठ बजे से शुरू होगी। मतगणना स्थल के अंदर एवं बाहर सुरक्षा इंतजाम, मतगणना दल, ईवीएम एवं पोस्टल बैलट गणना और शेष मतगणना के दौरान वीडियोग्राफी करवाई जाएगी। प्रदेश में 27 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। नियत समय पर सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। सबसे पहले डाक मतों की गिनती शुरू होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे से ईवीएम से वोटों की गिनती शुरू होगी। सुबह 9 बजे से रुझान आने शुरू हो जाएंगे। यदि रिकाउंटिंग की स्थिति नहीं बनती है तो दोपहर 1 से 1:30 बजे तक ज्यादातर सीटों पर गिनती पूरी हो जाएगी।

इन 13 सीटों पर हुआ कम मतदान

करौली-धौलपुर-9 लाख 79 हजार 618 वोट, दौसा - 10 लाख 58 हजार 386 वोट, झुंझुनूं - 10 लाख 94 हजार 900 वोट, बीकानेर - 11 लाख 8 हजार 418 वोट, भरतपुर - 11 लाख 16 हजार 742 वोट, अजमेर- 11 लाख 90 हजार 439 वोट, राजसमंद - 12 लाख 3 हजार 299 वोट, टोंक - सवाई माधोपुर 12 लाख 15 हजार 309 वोट, नागौर - 12 लाख 28 हजार 494 वोट, अलवर - 12 लाख 37 हजार 446 वोट, जयपुर ग्रामीण - 12 लाख 38 हजार 818 वोट. सीकर - 12 लाख 74 हजार 270 वोट, भीलवाड़ा - 12 लाख 96 हजार 228 वोट

यहां हुआ ज्यादा मतदान, नतीजे देरी से

बाड़मेर- 16 लाख 75 हजार 287 वोट, बांसवाड़ा- 16 लाख 25 हजार 731 वोट, चित्तौड़गढ़- 14 लाख 88 हजार 898 वोट, उदयपुर- 14 लाख 87 हजार 268 वोट, कोटा- 14 लाख 87 हजार 879 वोट, जयपुर- 14 लाख 49 हजार 612 वोट, जालोर- 14 लाख 44 हजार 866 वोट, झालावाड़-बारां - 14 लाख 15 हजार 420 वोट , चूरू- 14 लाख 7 हजार 716 वोट, गंगानगर - 13 लाख 99 हजार 688 वोट, जोधपुर - 13 लाख 70 हजार 616 वोट, पाली- 13 लाख 39 हजार 989 वोट

ओडवाड़ा पीड़ितों के बीच पहुंचे रविंद्र सिंह भाटी

महिलाओं के आसूं देख कह डाली बड़ी बात

जालोर, 21 मई (एजेंसियां)। शिव विधानसभा क्षेत्र से विधायक और बाड़मेर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी जालोर जिले के ओडवाड़ा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने महिलाओं और स्थानीय लोगों से पूरी घटना की जानकारी ली। साथ ही यहां के लोगों को हर संभव मदद का आश्वासन दिलाया। बता दें कि पिछले गुरुवार को प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश पर यहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। हालांकि, पहले दिन मचे बवाल के बाद दूसरे दिन ही जोधपुर हाईकोर्ट ने अपने आदेश पर रोक लगा दी थी।

रविंद्र सिंह भाटी ने पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान महिलाएं अपनी व्यथा बयां करते हुए रो पड़ी। भाटी ने कहा कि वो गांववालों की मदद करने के लिए आए हैं। उ

नसे जो भी बन पड़ेगा, वो यहां के गांववालों के लिए करेंगे।

राजनीति करने वालों पर तंज कसते हुए रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि यहां आने से चुनाव से कोई लेना देना नहीं है। मेरा लोकसभा क्षेत्र बाड़मेर है और मैं जालोर लोकसभा क्षेत्र के इस गांव में सिर्फ ग्रामीणों की मदद के लिए आया हूं। 36 कौम को मैं अपना मानता हूं और सभी के मुद्दे को लेकर हमेशा लड़ता रहूंगा।

भाटी ने सरकार से की ये मांग

उन्होंने कहा कि अगर किसी के घर की दीवार टूटती है तो वो लोगों के लिए सिर्फ दीवार होगी। लेकिन, घर के मालिक के लिए वो आशियाना होता है। आज वो टूटता है तो किसी के पास शब्द नहीं होंगे। यहां पर भी ऐसा ही देखने को मिला है। जब महिलाएं अपनी व्यथा बयां कर रही थी तो उनका गला भर गया था और आंखों में आंसू थे।

ऐसे में मैं सरकार से यही कहूंगा कि सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से पैरवी कर मौके पर स्थिति को स्पष्ट करें और भूमि के हस्तांतरित के नियम अपनाए। जिससे लोगों को राहत मिल सके।

भाजपा-कांग्रेस के नेता भी पहुंचे थे ओड़वाड़ा गांव

बता दें कि ओड़वाड़ा में हाईकोर्ट के आदेश पर गुरुवार को हुई कार्रवाई के दौरान कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचा था, तब 70 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए थे। लेकिन, कार्रवाई के दूसरे दिन भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने गांव पहुंचकर हालाता जाने थे।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ओडवाड़ा ने कहा था कि जो नुकसान हो चुका उसकी भरपाई तो नहीं कर सकते, लेकिन आगे यह नुकसान नहीं होगा। वहीं, कांग्रेस के जालोर-सिरोही लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत भी ओडवाड़ा पहुंचकर ग्रामीणों रूबरू हुए थे।

शर्मसार करने वाली है दिल्ली मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद के साथ हुई घटना- भजनलाल शर्मा

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। नई दिल्ली लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के समर्थन में सभा करने पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचार हुए। देश में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के आधार पर काम किया। 1984 में सिखों के साथ दंगे हुए और दोषियों को बचाने का काम कांग्रेस ने किया। उन्होंने आमजन से कहा कि आज देश की स्थिति क्या है और 2014 से पहले देश की स्थिति बिगाड़ने वाले कौन लोग थे, इसके बारे में सभी को सोचना पडेग़ा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज बढ़ता हुआ भारत नजर आ रहा है। 2014 से पहले देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, वह अर्थव्यवस्था आज दुनिया में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले समय में तीसरे स्थान पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली देश का दिल है और यहां के आमजन के दिल में भाजपा है। अन्ना हजारे के साथ आंदोलन करके भ्रष्टाचार हटाने की बात कहकर सत्ता में आए केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं।

महिला राज्यसभा सांसद के साथ दिल्ली मुख्यमंत्री आवास में हुई घटना शर्मसार करने वाली है। देश में दो तरह की धाराएं चल रही हैं, एक धारा परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की है, वहीं दूसरी धारा मां भारती की सेवा कर रही है।

कांग्रेस नेता के कार्यालय में चोरों ने धावा बोला

सांगानेर स्थित ऑफिस से चुरा ले गए कम्प्यूटर और टीवी

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जयपुर में बढ़ते चोरों के बुलंद हौसलों ने इस बार कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज के कार्यालय पर ही धावा बोल दिया। 17 मई की रात 12.30 बजे दो शातिर बदमाश मुंह पर मास्क लगाकर कार्यालय में घुसे और वहां के चौकीदार को कुछ सुंघाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद चोर यहां से LED टीवी, कम्प्यूटर और अन्य सामग्री लेकर फरार हो गए।

घटना को लेकर भारद्वाज ने मुख्यमंत्री पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि उनका कार्यालय मुख्यमंत्री के चुनाव कैंप से मात्र 100 मीटर की दूरी पर है, इसके बावजूद चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि सांगानेर में कानून व्यवस्था जैसी कोई चीज नहीं है। घटना के बाद कार्यालय के कर्मचारी बनवारीलाल ने मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। भारद्वाज ने बताया कि वे हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरे पर थे तभी उनके कार्यालय को निशाना बनाया गया।

सांगानेर में चोरी, चेन स्नैचिंग और डकैती की लगातार बढ़ती वारदातों को लेकर भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान विधायक और मुख्यमंत्री को इसकी कोई चिंता नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा ही चलता रहा, तो सरकार को उग्र आंदोलन के लिए तैयार रहना होगा।

हनुमानगढ़ में किसानों को मिली बड़ी राहत

राज्य सरकार के इस फैसले के बाद उनकी जमीन नहीं होगी नीलाम

हनुमानगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सहकारी बैंकों के डिफाल्टर किसानों की जमीन नीलाम नहीं होगी। राज्य सरकार ने सहकारी बैंकों की कर्ज वसूली प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए किसानों की जमीन की नीलामी भी रोक दी है। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान राज्य सहकार बैंक प्रबंधक को पत्र लिखकर सहकारी बैंकों की ओर से कर्ज वसूली की प्रक्रिया अगले आदेश तक स्थगित करने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही सरकार के ध्यान में लाए बिना इस तरह की कार्रवाई पर नाराजगी भी जताई है।

हनुमानगढ़ में नीलामी के मिले थे नोटिस

सहकारी भूमि विकास बैंक ने हनुमानगढ़ जिले के 20 लोगों की जमीन नीलाम करने के नोटिस जारी किए थे। हनुमानगढ़ सहकारी भूमि विकास बैंक ने इसकी सार्वजनिक सूचना जारी कर नीलामी के लिए तीन जून की तारीख तय की थी। इनमें सबसे अधिक रावतसर तहसील के किसान हैं। इस पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार को घेरा था। इसके बाद भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का बयान आया कि किसानों की जमीन नीलाम नहीं होने दी जाएगी।

तीन जून से लेकर 24 जून तक नीलामी की थी डेट

हनुमानगढ़ सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड रावतसर, पीलीबंगा, टिब्बी, पल्लू और हनुमानगढ़ तहसील में कुल 20 किसानों की भूमि तीन जून से लेकर 24 जून तक नीलाम करने की घोषणा की थी। ये नीलामी ऋण नहीं चुकाने पर हुई थी।

पति ने बंद कमरे में पत्नी की पीट-पीटकर हत्या की

अस्पताल में बोलाः सड़क हादसे में हुई घायल

पाली, 21 मई (एजेंसियां)। पाली शहर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र के सुंदर नगर विस्तार में ससुर की जेब से रुपए गायब करने के शक में एक पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी अपनी पत्नी को अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया गया। मृतका के शरीर पर चोटों के निशान देखकर चिकित्सक ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने आरोपी पति, सास, ससुर और जेठ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। इधर, मंगलवार को पुलिस ने मृतक महिला के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव पीहर पक्ष को सौंप दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन कुमार शर्मा ने बताया कि सुंदर नगर विस्तार

निवासी दिलीप (29) पुत्र गिरधारीलाल प्रजापत अपनी पत्नी जसोदा (28) और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहता है। आरोपी कुछ दिन पहले कार लेकर बेंगलूरु से अपने भाई के साथ पाली आया था और दोनों भाई सालासर बालाजी गए हुए थे। आरोपी के पिता गिरधारीलाल ने जेब से पैसे गायब होने की शिकायत की। इसके बाद आरोपी को अपनी पत्नी पर शक हुआ और उसने पत्नी से बंद कमरे में पूछताछ की। सही जवाब नहीं मिलने पर पत्नी से बुरी तरह मारपीट की। इस दौरान पत्नी की मौत हो गई तो आरोपी उसे अपनी कार में डालकर बांगड़ अस्पताल पहुंचा। आरोपी ने चिकित्सकों से कहा कि बांगड़ कॉलेज रोड पर सड़क हादसे में बाइक से गिरकर पत्नी घायल हो गई।

बांगड़ अस्पताल के ट्रोमा वार्ड में चिकित्सक ने मारपीट के निशान देखे तो पुलिस को सूचना दी। ट्रांसपोर्ट नगर थाने के एएसआई ओमप्रकाश चौधरी ने आरोपी पति से पूछताछ की तो उसने अपनी पत्नी से झगड़ा होने और उससे मारपीट करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने मामले में मृतका के पति दिलीप प्रजापत सहित परिवार के अन्य सदस्यों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिलीप की जसोदा से 14 जुलाई 2016 को शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों के दो बच्चे हुए। जिनका नाम जीत उर्फ जीतू (8 साल) और 3 साल की बेटी पायल है। मृतका का पीहर जैतारण थाना क्षेत्र के चावण्डिया कलां हाल अहमदाबाद के हिम्मत नगर क्षेत्र में है।

विधायक के नाम सुसाइड नोट लिखकर किसान ने की आत्महत्या, पत्नी और बच्चों से मांगी माफी

झुंझुनू, 21 मई (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले के घरडू की ढाणी में एक किसान ने विधायक के नाम सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के नाम के साथ उसने सुसाइड नोट में लिखा है कि उन्होंने मेरे खेत का रास्ता बंद कर दिया है और कुएं की मोटर के तार भी काट दिए हैं। विधायक का सपोर्ट होने के कारण मेरी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।

जिले के घरडू की ढाणी में एक किसान बलबीर (45) पुत्र लालचंद ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस को इस मामले में एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें मौत के जिम्मेदारों के नाम लिखे हैं।

सूरजगढ़ थाना अधिकारी ने

बताया कि इस संबंध में मृतक के छोटे बेटे आशीष ने मामला दर्ज करवाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतक ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि मेरी मौत का जिम्मेदार वीर सिंह, कर्मवीर, राजकुमार, हितेश, विकास, संदीप, सुनील, प्रदीप, कुलदीप, चाचा श्योचंद व होशियार सिंह के बेटे व पोते हैं। एक विधायक भी इनके पक्ष में हैं। हालांकि नोट में किसी विधायक के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। किसान ने अपने नोट में लिखा है कि विधायक के सपोर्ट के कारण इन्होंने मेरे खेत का रास्ता बंद कर दिया है और कुएं की मोटर के तार काट दिए हैं। साथ ही लोरिंग मशीन भी खेत में नहीं जाने दे रहे हैं। मेरी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।

मैं पत्नी और बच्चों से इस काम के लिए माफी चाहता हूं। आत्महत्या की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा। पुलिस को बलबीर की जेब से एक एप्लीकेशन भी मिली, जो उसने थानाधिकारी के नाम लिखी थी। इसमें कुएं के पानी के लिए पड़ोसियों द्वारा परेशान करने का जिक्र किया गया है तथा जान-माल का खतरा भी बताया है। यह एप्लीकेशन 11 मई को लिखी गई थी, इसके पीछे ही बलबीर ने सुसाइड नोट भी लिखा।

अवैध पिस्तौल, मैगजीन और कारतूस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, बड़ी वारदात करने की फिराक में थे

बीकानेर, 21 मई (एजेंसियां)। जिले की साइबर सेल ने नोखा पुलिस के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के जखीरे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें गैंग का सरगना हिस्ट्रीशीटर श्रवण सिंह सोढ़ा व उसका साथी सवाई सिंह शामिल है। पुलिस ने आरोपियों को 11 अवैध पिस्टल, 20 मैगजीन व 40 कारतूस के साथ पांचू पुलिया के पास से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि ये सभी अवैध हथियार वो मध्यप्रदेश से लाया था और इन हथियारों के साथ बीकानेर, गंगानगर, चूरू, सीकर व जोधपुर में बड़ी वारदात करने की फिराक में था। जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी श्रवणसिंह सोढा पर गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश व राजस्थान के अलग-अलग जिलों में कुल 24 प्रकरण दर्ज हैं। श्रवण सिंह को छह माह पूर्व भी चार हथियारों के साथ चूरू पुलिस ने डकैती योजना में गिरफ्तार किया था। वह 15 दिन पहले ही अंतरिम जमानत से फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार उसने अपने साथियों के साथ मिलकर शहर के शराब व्यवसायियों को डराने, धमकाने व विरोधी गैंग के सदस्यों को ठिकाने लगाने की प्लानिंग थी। पुलिस आरोपियों से आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर सख्ती से पूछताछ कर रही है।

रिटायर्ड सार्जेंट पर 60 लाख की ठगी का आरोप

सेना में ठेके दिलवाने के नाम पर कारोबारी से की धोखाधड़ी

जोधपुर, 21 मई (एजेंसियां)। सेना में ठेके दिलवाने के नाम पर एक ट्रेडिंग कारोबारी से 60 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। इसमें सेना से रिटायर्ड सार्जेंट और उसकी पत्नी पर आरोप लगाया गया है। उन्होंने मिलकर 60.56 लाख की धोखाधड़ी की। हालांकि इसमें दस लाख रुपये लौटा दिए गए। पति-पत्नी ने मिलकर उसे एक्सटॉर्सन में भी फंसाया और एक झूठी रिपोर्ट रातानाडा थाने में दी गई। जब एडवांस दिए चेक बाउंस हुए तब पीड़ित ने अदालत की शरण ली और इस्तगासे से महामंदिर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। महामंदिर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि मानसागर गली नंबर एक निवासी प्रेमप्रकाश अटल की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि वह मंडोर मंडी में ट्रेडिंग का कार्य करने के साथ बैंक लोन लेनदेन का काम भी करता है। वह सीए भी है। मंडोर मंडी में आने वाले भवानी सिंह उसका परिचित है। एक दिन भवानी सिंह ने उसके कार्यालय पर आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा निवासी पतिबंदला श्रीनिवास उर्फ श्रीनिवासु से मिलवाया था। पतिबंदला ने खुद को सेना में कार्यरत होना बताया। साथ ही सेना में मिनरल वॉटर इत्यादि के ठेके लेने देने के बारे में जानकारी दी, लेकिन इसके लिए केवल सैन्य कर्मचारी को ही ठेके दिलाने की बात की थी। जान पहचान होने पर 2022 में पतिबंदला श्रीनिवास फिर से प्रेम प्रकाश से मिला और बताया कि सेना में सब्जी का कॉन्टेक्ट मिल रहा है, जो उसने प्रेम प्रकाश से लेने को कहा। इस पर प्रेम प्रकाश ने सैन्य कॉलोनी में सब्जी की स्टॉल का ठेका पतिबंदला श्रीनिवास के नाम से लिया और 11 लाख रुपये लगाए। मई 2022 में ठेका लिया तब तक सही चला। पतिबंदला श्रीनिवास ने इसमें 10 लाख चुकाए। इसके बाद 2023 सितंबर तक बंदला ने प्रेम प्रकाश को मोबाइल रिपेयर, आरओ आदि का ठेका दिलाया और प्रेम प्रकाश ने पतिबंदला श्रीनिवास के नाम से कॉन्ट्रेक्ट लिए और कुल 60 लाख का इनवेस्ट किया। पतिबंदला श्रीनिवास ने अक्टूबर 2023 तक हर दिन पांच हजार रुपये दिए फिर देना बंद कर दिया। इस पर प्रेम प्रकाश ने उससे नियमित पैसे लौटाने पर जोर बनाया तब पहले उसने माफी मांग कर जल्द ही पैसे लौटाने को कहा, लेकिन बाद में उसने टालना शुरू कर दिया।

टॉप दस बदमाशों में शामिल दस हजार का इनामी डकैत गिरफ्तार

एक साल से पुलिस कर रही थी तलाश

करौली, 21 मई (एजेंसियां)। मासलपुर थाना पुलिस ने 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी मासलपुर में डकैती के मामले में एक साल से फरार चल रहा था। आरोपी मासलपुर थाने के टॉप 10 बदमाशों में शामिल है। मासलपुर थाना अधिकारी चंचल शर्मा ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन और एएसपी शंकरलाल मीणा तथा डीएसपी अनुज शुभम के सुपरविजन में अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत डकैती के आरोपी रामगोविन्द पुत्र सुंदर पाल उम्र 30 साल निवासी चिलीपुरा कस्बा नगर पुलिस थाना डांग बसई जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के ऊपर एसपी ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित है। आरोपी को बाड़ी बस स्टैंड से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया है।

हेड कांस्टेबल परमजीत, गजराज, इनामी बदमाशों की तलाश में गश्त कर रहे थे।

परचून की दुकान से भी कम सिनेमा हॉल की कमाई

सिंगल स्क्रीन थिएटर में गिनती के दर्शक!

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल अब अपने अंतमि दिन गिन रहे हैं। उनकी कमाई देखकर तो यही लगता है कि वे कभी भी दम तोड सकते हैं। उन्हें 'हाउस फुल' का बोर्ड लटकाए जमाने गुजर गए हैं। हर गुजरते साल के साथ सन्नाटा बढ़ता जा रहा है। परचून की दुकानों की दुकानदारी भी इन हॉल की रोजाना कमाई से ज्यादा है। मालिक थिएटर बंद रखना पसंद कर रहे हैं। खुलने पर वे रोजाना लगभग 4,000 कमाते हैं। वहीं, बिजली, रखरखाव और अन्य परिचालन लागतों पर खर्च लगभग 7,000 रुपये आता है। इस तरह यह पूरी तरह नुकसान का सौदा बन गया है। तेलंगाना में तो नौबत यह आ गई है कि कई सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों ने अगले 10 दिनों तक बंद रहने का फैसला किया है। ये वही थिएटर हैं जहां दर्शक कभी फिल्मों के रिलीज होने का इंतजार करते थे। थिएटर में झूमते हुए ताली और सीटी बजाते थे। नाचते थे। यहां तक कि स्क्रीन पर सिक्के भी फेंकते थे। इन सिंगल-स्क्रीन सिनेमाघरों में पहले दिन पहले शो का माहौल यह संकेत दे देता था कि फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी या नहीं। कई बार टिकट खरीदने के लिए कतार में इंतजार कर रही भीड़ को एडजस्ट करने के लिए 1,000 सीटें भी काफी नहीं होती थीं। टिकट काउंटर पर 'हाउसफुल' का साइन लगा दिया जाता था। इसकी छोटी कांच की खिड़की बंद हो जाती थी। इससे दलालों से टिकट खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता था। वो टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग करते थे। लेकिन, अब सबकुछ बीते दिनों की बात हो गई है।

धूल खा रहे संगिल स्क्रीन थिएटर :

इन सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों में अब केवल अंधेरे और धूल भरे गलियारे बचे हैं। सिनेमाघरों में पुरानी कुर्सियां, फटे पोस्टर और जीर्ण-शीर्ण छतों से आती रोशनी की किरणें हैं। पूरे देश में सिनेमाघरों की यही स्थिति है। भारतीय सिंगल स्क्रीन सिनेमा इस स्थिति में कैसे पहुंच गए?

घरों में टेलीविजन की लोकप्रियता बढ़ने के बाद से सिंगल स्क्रीन सिनेमा को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। सैटेलाइट टीवी ने लोगों को दुनियाभर की फिल्में और शो देखने में सक्षम बनाया। ऐसे में उन्हें मनोरंजन के लिए स्थानीय सिनेमा में जाने की जरूरत महसूस नहीं हुई। फिर वीसीआर (वीडियो कैसेट रिकॉर्डर) आया। वीसीआर एक कॉम्पैक्ट और हल्का उपकरण था। इसका आकार 15 इंच के लैपटॉप के बराबर था। वीसीआर में वीडियो टेप का इस्तेमाल किया जाता था। यह घटना आज के ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म क्रांति जैसी थी।

आज ओटीटी प्लेटफॉर्म और मल्टी प्लेक्स ने सिंगल स्क्रीन सिनेमा को मटियामेट कर दिया है। हर साल खुलने वाले नए मल्टी प्लेक्स ने सिंगल स्क्रीन सिनेमा घरों को लील लिया है। महामारी ने मल्टी प्लेक्स को भी प्रभावित किया है। इससे ओटीटी प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है।

आज भी बड़ी स्क्रीन पर लोगों को फिल्में देखना पसंद :

एक हालिया सर्वे के अनुसार, 90 प्रतिशत भारतीय अभी भी बड़ी स्क्रीन पर फिल्में देखना पसंद करते हैं। ऐसे में थिएटरों में फिर से उछाल देखने को मिल रहा है। लेकिन, यह उछाल मुख्य रूप से मल्टी प्लेक्स में देखा जा रहा है। कोई भी व्यक्ति खराब रखरखाव वाले सिंगल-स्क्रीन थिएटर में फिल्म क्यों देखना पसंद करेगा, जहां खाने-पीने के सीमित विकल्प हों और फिल्म से पहले या बाद में बॉलिंग या शॉपिंग जैसे मनोरंजन के विकल्प न हों?

सिंगल स्क्रीन सिनेमा के नवीनीकरण में कोई बुराई नहीं है। लेकिन, मालिक जोखिम लेने से हिचकिचाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मनोरंजन के बंडल विकल्पों के साथ नवीनीकृत सिंगल स्क्रीन सिनेमा होने से ऐसी फिल्में हासिल करने की मूलभूत व्यावसायिक समस्या हल नहीं होगी जो बड़े दर्शकों को आकर्षित करेंगी। मल्टी प्लेक्स कई स्क्रीन पर लोकप्रिय फिल्मों के साथ कम लोकप्रिय फिल्में भी दिखा सकते हैं। हालांकि, सिंगल स्क्रीन सिनेमा मालिकों को ऐसी फिल्में चुननी होती हैं जो बॉक्स ऑफिस पर हिट हों और अच्छी खासी कमाई कराएं। हालांकि, ऐसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पूरे साल चलाना संभव नहीं है।

निर्माता और फिल्म वितरक अपनी फिल्मों को मल्टी प्लेक्स में चलाना पसंद करते हैं। उन्हें ऐसा करने में अधिक सहजता महसूस होती है। मल्टी प्लेक्स में वे अपनी फिल्मों के लिए प्राइम टाइम शो सुरक्षित कर सकते हैं, भले ही ग्राहक आधार बड़ा न हो, जबकि सिंगल स्क्रीन वाले केवल ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्राइम टाइम आवंटित करते हैं।

सिंगल स्क्रीन मालिकों को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिसे वे टाल नहीं सकते। वह है क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों की स्क्रीनिंग। राज्य सरकार का लक्ष्य इन फिल्मों को बढ़ावा देना है ताकि वे अपने अस्तित्व को बरकरार रख सकें। सिंगल स्क्रीन थिएटरों के लिए एक बड़ी वित्तीय चुनौती है। कारण है कि उन्हें एयर-कंडीशनिंग, कर्मचारियों के वेतन, करों और अन्य खर्चों के लिए ऊंची लागत वहन करनी पड़ती है, जबकि उनकी वार्षिक आय 5,00,000 रुपये से कम हो गई है।

इस स्थिति में सिंगल स्क्रीन सिनेमा के पास केवल एक ही विकल्प बचता है। वे अन्य मल्टी प्लेक्स के साथ अधिग्रहण सौदा करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, इस विकल्प की भी एक चुनौती है। मल्टी प्लेक्स पर्याप्त पार्किंग, सुपरमार्केट और शॉपिंग स्पेस के साथ बड़े, सुनियोजित क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हैं। सिंगल स्क्रीन सिनेमा अक्सर कई मालिकों की साझा की गई पुरानी संपत्तियां होती हैं। उनके पास ऐसी सुविधाओं के लिए आवश्यक स्थान नहीं होता है। भले ही उनके पास जगह हो, लेकिन पुनर्विकास निर्माण योजना नगर निगम व पालिका अधिकारियों की स्वीकृति को पूरा नहीं कर सकती है।

यह एक और कारण है कि सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर क्यों अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नवीनीकरण में पर्याप्त निवेश के बावजूद सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर अभी भी आर्थिक रूप से संघर्ष कर सकते हैं। यह बताता है कि भारत में 10,000 सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों में से केवल 60 प्रतिशत या उससे भी कम ही वर्तमान में चालू हैं। जो बंद हो गए हैं, उन्हें अपनी संपत्ति बेचने में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

मंदिर भावी पीढ़ियों को मूल्य, विश्वास और सांस्कृतिक परंपराएं प्रदान करतें हैं : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने मंदिरों की स्थिति पर लंबी समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को तेलंगाना में मंदिरों को विकसित करने का निर्देश दिया है ताकि आध्यात्मिक सुंदरता को बढ़ाया जा सके और भक्तों को मानसिक आराम प्रदान किया जा सके। मंत्री ने सुझाव दिया कि मंदिरों के बारे में नकारात्मक कहानियां भक्तों की भावनाओं को आहत करेंगी और इस संदर्भ में, देवदाय विभाग के तहत काम करने वाले प्रत्येक अधिकारी को मंदिरों के प्रबंधन को सख्ती से करने के लिए समर्पण के साथ काम करना चाहिए। राजस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज हैदराबाद के बोग्गीकुंटा में राजस्व विभाग के कार्यालय में एक लंबी समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि मंदिर केवल भौतिक संरचनाएं नहीं हैं, वे धन हैं जो भावी पीढ़ियों को मूल्य, विश्वास और सांस्कृतिक परंपराएं प्रदान करते हैं। देवोदय विभाग के अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे ऐसे मंदिरों का प्रबंधन आंतरिक पवित्रता के साथ करें। इस अवसर पर बैठक में एजेंडे में उल्लिखित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की गयी। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को अतिक्रमित मंदिर भूमि को जब्त करने के लिए सशस्त्र उपाय करने का निर्देश दिया। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को मंदिर भूमि विवादों को सुलझाने के लिए सख्त कदम उठाने और शीघ्र समाधान के लिए सक्षम कानूनी विशेषज्ञों को नियुक्त करने का निर्देश दिया। जबकि अधिकारियों ने बताया कि मंदिर की भूमि के अतिक्रमण को रोकने के लिए 15,000 एकड़ भूमि के लिए जियो-टैगिंग पहले ही की जा चुकी है, उन्होंने अधिकारियों को ऋण विभाग से संबंधित सभी प्रकार की भूमि की जियो-टैगिंग का काम जल्द से जल्द पूरा करने की सलाह दी। मंत्री सुरेखा ने मंदिर की पट्टे की जमीनों, मंदिर की जमीनों में पट्टे की दुकानों का विवरण और उनसे होने वाली आय के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों को जल्द से जल्द बकाया जमा करवाने की सलाह दी गई। मंत्री ने स्टांप और पंजीकरण विभाग में पंजीकृत मंदिर की भूमि के विवरण और धरणी में पंजीकृत मंदिर की भूमि के विवरण के बीच अंतर के बारे में अधिकारियों से पूछताछ की। धरणी में देवदया विभाग की भूमि का विवरण दर्ज करने के लिए कदम उठाने के अलावा, अधिकारियों को संबंधित मंदिरों के नाम पर पासबुक जारी करने के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई। यह सुझाव दिया गया है कि मंदिर की भूमि में समारोह हॉल और अन्य उपयोगिता संरचनाओं को लेकर मंदिर की भूमि की रक्षा करने और ऋण विभाग के लिए आय उत्पन्न करने के लिए इस दिशा में योजना बनाई जानी चाहिए। मंदिरों में न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नियमित कदम उठाए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय एवं विश्राम की सुविधाओं में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। मंदिरों में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कूड़ा प्रबंधन में नगर पालिकाओं का सहयोग लेना चाहिए। जहां स्वच्छता होती है, वहां देवता विराजमान होते हैं। ऐसी स्थितियां होती हैं जहां भक्त अपना मन भगवान पर तभी केंद्रित कर पाते हैं जब स्वच्छ वातावरण हो। मंदिरों में प्रसाद की बिक्री के लिए उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक कवर मानकों के अनुरूप होने चाहिए।

इस्पात सचिव ने की एनएमडीसी वेंडर पोर्टल की शुरुआत

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने एनएमडीसी के वेंडर चालान प्रबंधन और स्वयं सेवा पोर्टल का कंपनी के कार्यालय में प्रारंभ किया।

नागेंद्र नाथ सिन्हा को कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन सीएमडी अमिताभ मुखर्जी, निदेशक दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक विनय कुमार और सीवीओ बी विश्वनाथ तथा वेंडरों के साथ संबंधित एनएमडीसी अधिकारियों द्वारा पोर्टल की जानकारी प्रदान की गई ।

एनएमडीसी को बधाई देते हुए नागेन्द्र नाथ सिन्हा ने कहा, "एनएमडीसी को इसके सुस्थिर व्यापार प्रथाओं के लिए जाना जाता है और इस प्रकार की पहल पारदर्शिता और जवाबदेही के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हुए वेंडर सहभागिता को प्रोत्साहित करेगी। वेंडर इंटरैक्शन रूट में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर एनएमडीसी ने उद्योग के लिए नई दिशाएं तय की हैं।

अमिताभ मुखर्जी ने कहा, दक्षता और पारदर्शिता के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एनएमडीसी हर परिस्थिति में आगे रहने का प्रयास करता है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म जिम्मेदार खनन के प्रति हमारे संकल्प का एक प्रमाण है।" एनएमडीसी ने 45 मीट्रिक टन उपलब्धि के उत्साह के साथ वित्त वर्ष 25 में एक सकारात्मक शुरुआत की है। इस्पात सचिव ने एनएमडीसी के प्रदर्शन और चालू वित्त वर्ष के लिए बनाई जा रही योजनाओं की समीक्षा भी की।

फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स का नया अभियान

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल ने अपना नया अभियान 'आर यू' पेश किया। जागरूकता फैलाने के लिए 'ध्यान-से-लीजिए' अभियान के विस्तार के रूप में सही खरीदारी?' उपभोक्ताओं के बीच, खरीदे जा रहे 1 लीटर पाउच में खाद्य तेल की मात्रा की जांच करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उपभोक्ता मामले मंत्रालय, भारत सरकार, सूरजमुखी तेल की प्रत्येक 1 लीटर थैली इसमें 910 ग्राम तेल होना चाहिए, हालांकि कुछ ब्रांड कम मात्रा में 1 लीटर का एक जैसा दिखने वाला पैक बेचते हैं। अभियान 'क्या आप सही खरीद रहे हैं?' का उद्देश्य उपभोक्ताओं को मात्रा की जांच करने के लिए प्रोत्साहित करना है खरीदने से पहले पैक पर खाद्य तेल की मात्रा अंकित कर दें, ताकि वे धोखा न खाएं। इस अवसर पर बोलते हुए पी चन्द्रशेखर रेड्डी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सेल्स एंड; जेमिनी एडिबल्स और मार्केटिंग में मार्केटिंग फैट्स इंडिया लिमिटेड ने कहा, "हमारा अभियान 'क्या आप सही खरीद रहे हैं?' उपभोक्ता सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।यह आवश्यक है उपभोक्ताओं को कोई भी ब्रांड खरीदने से पहले थैली में खाद्य तेल की मात्रा की जांच करनी होगी सूरजमुखी तेल, खुद को धोखा खाने से बचाने के लिए है।

पूजा सामग्री अधिक मूल्य पर बेचे जाने पर मंत्री के तेवर सख्त

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि नारियल, पूजा सामग्री और अन्य सामान बाजार मूल्य से अधिक बेचे जा रहे हैं और कई अधिकारियों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। लगातार व्हाट्सएप ग्रुपों में राज्य भर में देवोदय विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के मामलों पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था को दुरूस्त किया जाना चाहिए। उन्होंने आदेश दिया कि समय-समय पर मंदिर एवं धर्म विभाग के अधिकारियों के विरूद्ध लेखों की समीक्षा की जाए और आरोप सही पाए जाने पर तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

मंदिरों का विवरण तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी में वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के निर्देश

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री ने अधिकारियों को मंदिरों से संबंधित विवरण जैसे स्थल पुराण, मंदिर प्रशस्ति आदि को तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं, जो भक्तों के लिए सुविधाजनक होगा और इसमें मंदिर पर्यटन का विकास योगदान देगा। इस मौके पर अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि एक क्यूआर कोड भी बनाया जाएगा ताकि मंदिर के बारे में पूरी जानकारी मिल सके। सीएसआर धन के लिए एक समर्पित पोर्टल विकसित करने का सुझाव दिया गया है। मंत्री ने अधिकारियों को निविदाओं को सबसे पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने की सलाह दी।

सीएम रेवंत ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी 33वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद के सोमाजीगुडा में राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को याद किया।

इसी तरह, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ आए अन्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। इस बीच, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने खम्मम जिले के कुसुमांची गांव में राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और दिवंगत प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। दूसरी ओर, अमेरिका दौरे पर गए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कायर में पुण्यतिथि समारोह में हिस्सा लिया।

कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की गोष्ठी, पुस्तक लोकार्पण संपन्न

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में मदन बाई क़ीमती सभागार रामकोट में क्लब की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में कवि चन्द्र प्रकाश दायमा की काव्यकृति पानी सब डालेंगे ही का लोकार्पण हुआ। सत्र की अध्यक्षता डॉ अहिल्या मिश्र ने की। मुख्य अतिथि प्रो ऋषभ देव शर्मा, विशेष अतिथि डॉ गंगाधर वानोडे, डॉ राजीव सिंह व चन्द्रप्रकाश दायमा थे।

कवि गोष्ठी में दया शंकर प्रसाद, भावना मयूर पुरोहित, मोहिनी गुप्ता, डॉ सुरभि दत्त, डॉ रमा द्विवेदी, दीपक दीक्षित, गीता अग्रवाल, के पी अग्रवाल, हर्शलता दुधोडिया, सूरज कुमारी गोस्वामी, सीताराम माने, विजयलक्ष्मी बसवा, पुष्पा वर्मा, उमा सोनी, जी परमेश्वर, पूनम जोधपुरी, राजीव सिंह, दीपक कुमार दीक्षित, डॉ आशा मिश्रा, हेमलता मिश्र मानवी, भगवती अग्रवाल, अंशु श्री सक्सेना, दर्शन सिंह, पुरुषोत्तम कड़ेल, मधु दायमा, चंद्रप्रकाश दायमा, शिल्पी भटनागर, मीना मुथा, ममता जायसवाल आदि ने काव्य पाठ किया।

शिक्षा प्रणाली में खाली पदों की भर्ती की जानी चाहिए : जंगैया

आसिफाबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस यूटीएफ के प्रदेश अध्यक्ष जंगैया ने मांग की कि राज्य भर में शिक्षा प्रणाली में रिक्तियों को भरा जाना चाहिए और पदोन्नत किया जाना चाहिए।

यूटीएफ कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होने के लिए जंगैया डिस्ट्रिक्ट सेंटर आये थे और डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले दस वर्षों से शिक्षा व्यवस्था अस्त-व्यस्त है। प्रदेश भर में रिक्त पदों को भरा जाए और पदोन्नति दी जाए। पिछले अक्टूबर में 774 मल्टी-जोनल पदों पर प्रमोशन और रोके गए थे, जिन्हें पूरा करना चाहते हैं। राज्य के सभी जिलों में विद्याधिकारी पदों पर नियुक्ति होनी है। शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया में संभावित देरी को देखते हुए विश्वविद्यालयों से रिक्तियां भरने का अनुरोध किया गया है। हालाँकि राज्य सरकार द्वारा नये स्कूलों की स्थापना स्वागतयोग्य है, लेकिन मौजूदा स्कूलों में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों का बकाया बिजली बिल माफ किया जाए नहीं तो स्कूल इतने बड़े बिल भरने में सक्षम नहीं होंगे।

राज्य की मुख्य सचिव चावा रवि ने कहा कि अम्मा आदर्श स्कूलों के नाम पर 600 करोड़ की मंजूरी संतुष्टिदायक है। सरकारी स्कूलों के प्रति अभिभावकों का विश्वास बढ़ाने के लिए स्कूल में नामांकन के लिए अभी से नामांकन अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनका समुदाय विशेष अभियान के पीछे खड़ा रहेगा। वे केजीबीवी में काम करने वालों को मूल वेतन देना चाहते हैं। उनकी मांग है कि बकाया डीए और पीआरसी दिया जाए और एजेंसी क्षेत्र के लिए अलग से डीएससी बनाई जाए। इस कार्यक्रम में संघ के राज्य सचिव लक्ष्मारेड्डी, जिला अध्यक्ष शांति कुमारी, प्रधान सचिव इंदु राव, उपाध्यक्ष हेमंत शिंदे, कोषाध्यक्ष रमेश, नेता तिरूपति, बदीराव, अन्नपूर्णा, राजेश, किरण ने भाग लिया।

धान खरीद की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए : कृष्ण आदित्य

आसिफाबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के विशेष सचिव और श्रम विभाग के अधिकारी कृष्ण आदित्य ने कहा कि अधिकारी इस महीने की 31 तारीख तक अनाज क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से गुणवत्तापूर्ण अनाज खरीदने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कदम उठाएं। कुमरभीम आसिफाबाद, मंचिरयाल जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, बदावत संतोष, मंचिरयाल जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) बी. राहुल, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु, सबावत मोतीलाल के साथ जिला कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु और सबावत मोतीलाल ने धान खरीदा।

अध्यापकों के लिए बीआयएस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विजयवाडा, 21 मई(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो(बीआयएस-ब्यूरो आफ इंडियन स्टैन्डर्ड्स) उप निदेशक विवेकवर्धन रेड्डी ने कहा कि, बीआयएस(भारतीय मानक ब्यूरो) द्वारा चिन्हित जीवनोपयोगी वस्तूएं, हालमार्क चिन्हित स्वर्णाभूषणों के ध्रुवीकरण हेतु बीआयएस केयर एप्प का उपयोग करें।

इस संदर्भ में, हाल ही में विशाखापट्नम शहर में अध्यापकों के लिए बीआयएस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 60 अध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आंध्र प्रदेश स्कूल एज्युकेशन, जोन 1, क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक बी. विजय भास्कर ने भाग लिया उन्होने अपने संबोधन में बताया कि, अबतक विजयवाडा बीआयएस नुसार, 277 सरकारी स्कूलों में स्टैन्डर्ड्स क्लब स्थापित किये गये हैं। उन्होने तत्संबंधित कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर बीआयएस अधिकारियों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में ब्यूरो आफ इंडियन स्टैन्डर्ड्स उप निदेशक डी. विवेक वर्धन रेड्डी सहित सेक्शन आफिसर भावनारायण अन्य ने भाग लेकर मीडिया कर्मी को बीआयएस कार्यकलापों की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा इस बात पर जोर दिया कि, बीआयएस द्वारा चिन्हित जीवनोपयोगी वस्तूएं, हालमार्क चिन्हित स्वर्णाभूषणों के ध्रुवीकरण हेतु बीआयएस केर एप्प का उपयोग करना चाहिए।

23 मई से लक्ष्मी नारायण मंदिर महोत्सव

मदनूर, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लक्ष्मी नारायण मंदिर कमिटी के अध्यक्ष संदूरवार हनमंलू ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही श्री लक्ष्मी नारायन स्वामी रथ उत्सव का आयोजन किया गया है। 23 मई के दिन सुबह महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। वैशाख शुद्ध पुर्णिमा के दिन सुबह भजन व महाप्रसाद श्याम दस बजे लक्ष्मी नारायण मंदिर से लेकर पुराना बस स्थानक हनुमान मंदिर तक रथ की शोभा यात्रा का आयोजन किया गया है। साथ ही 24 मई को कुस्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

इंडी गठबंधन की ...

इंडी गठबंधन वालों से विकास नहीं हो सकता। सपा-कांग्रेस के समय कुंभ में भगदड़ मच जाती थी। इनका सुशासन और हमारी आस्था से छत्तीस का रिश्ता है। सपा और कांग्रेस ने तुष्टीकरण का कंपटीशन होता था। इन लोगों ने राम मंदिर का बहिष्कार किया। यह लोग सत्ता में आए तो अगले साल होने वाले कुंभ को क्या अच्छे से होने देंगे।

स्वाति मालीवाल मारपीट ...

पुलिस ने उनके सभी सवालों के जवाब नोट किए हैं। इनकी मैपिंग की और क्राइम स्पॉट की फोटोग्राफी भी हुई है, जहां स्वाति से मारपीट हुई थी। दिल्ली पुलिस बिभव कुमार के घर भी गई थी।

दिल्ली पुलिस ने सीएम हाउस से सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर कलेक्ट किए :

स्वाति मालीवाल मारपीट केस में 19 मई को दिल्ली पुलिस सीएम अरविंद केजरीवाल के घर पहुंची थी। जहां सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर कलेक्ट किए। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पुलिस को सीसीटीवी से छेड़खानी की आशंका है। क्राइम सिक्वेंस का प्रॉपर फुटेज पुलिस को नहीं मिला है। एक्सपर्ट्स इसकी जांच करेंगे।

भारत की सैन्य ...

उन्होंने बताया कि महाभारत की महाकाव्य लड़ाइयों, मौर्य, गुप्त और मराठों के शासनकाल की रणनीति के बारे में पता लगाया। पिछले साल रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि प्रोजेक्ट उद्भव को एक रणनीतिक शब्दावली और वैचारिक ढांचे को तैयार करने के लिए डिजाइन हुआ। इसमें भारत की दार्शनिक और सांस्कृतिक विरासत अंतर्निहित है। सेना प्रमुख मनोज पांडे ने कहा कि परियोजना उद्भव ने प्रख्यात भारतीय और पश्चिमी विद्वानों के बीच पर्याप्त बौद्धिक अभिसरण के बारे में बताता है। साथ ही उनके विचार, दर्शन और दृष्टिकोण के बीच प्रतिध्वनि को दिखाता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की जनजातीय परंपराओं, मराठा नौसैनिक विरासत और सैन्य हस्तियों, विशेषकर महिलाओं के व्यक्तिगत वीरतापूर्ण कारनामों के बारे में बताया। साथ ही उनको नए क्षेत्रों में अन्वेषण करने के लिए प्रेरित किया। मनोज पांडे ने बताया कि यह परियोजना शिक्षाविदों, विद्वानों, अभ्यासकर्ताओं और सैन्य विशेषज्ञों के बीच नागरिक-सैन्य सहयोग को बढ़ावा देकर पूरे देश के दृष्टिकोण को मजबूत करती है।

भगवान जगन्नाथ मोदी ...

महाप्रभु को किसी इंसान का भक्त कहना भगवान का अपमान है। इससे दुनिया भर में करोड़ों जगन्नाथ भक्तों और ओडिया लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। भगवान जगन्नाथ ओडिया अस्मिता के सबसे महान प्रतीक हैं। भाजपा नेता ने ओडिया अस्मिता को चोट पहुंचाई है। राज्य के लोग इसे याद रखेंगे। पटनायक के पोस्ट पर पात्रा ने लिखा, आज पुरी में पीएम मोदी के रोड शो की सफलता के बाद मैंने कई मीडिया चैनलों को बयान दिया। हर जगह मैंने कहा कि मोदी जी महाप्रभु जगन्नाथ के भक्त हैं। एक जगह गलती से मैंने उलटा बोल दिया। हम सब की जुबान कभी-कभी फिसल जाती है। इसे मुद्दा न बनाएं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी ने भी भाजपा नेता के बयान की आलोचना की। खड़गे ने कहा, सत्ता के नशे में चूर भाजपा हमारे भगवानों को भी नहीं बख्शेगी। 4 जून को जनता इनका यह अहंकार खत्म करेगी। राहुल ने कहा, जब प्रधानमंत्री खुद को शहंशाह और दरबारी उन्हें भगवान समझने लगे, तो मतलब साफ है कि पाप की लंका का पतन नजदीक है। करोड़ों लोगों की आस्था को चोट पहुंचाने का अधिकार मुट्ठी भर भाजपा के लोगों को आखिर किसने दिया? यह अहंकार ही उनके विनाश का कारण बन रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एलिमिनेटर में कोहली रच सकते हैं इतिहास

आईपीएल में ऐसा नहीं कर पाया कोई भी बल्लेबाज

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में 22 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस सीजन में आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही थी। शुरुआती 8 मुकाबलों में टीम महज एक मैच जीत पाई थी लेकिन टीम स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हर मैच में कमाल की बल्लेबाजी कर रहे थे। आईपीएल 2024 में विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और सिर पर ऑरेंज कैप सजी है। वहीं अब एलिमिनेटर मुकाबले में कोहली इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं।

कोहली करेंगे 8000 आईपीएल रन पूरे!

आईपीएल की शुरुआत से ही विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते आ रहे हैं। कोहली ने कई सालों तक टीम की कप्तानी भी की है। आईपीएल इतिहास में कोहली ने अभी तक 251 मैचों की 243 पारियों में 7971 रन बनाए हैं। फिलहाल कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली अब अपने 8 हजार आईपीएल रन पूरे करने से 29 रन दूर हैं। अगर एलिमिनेटर मैच में कोहली राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 29 रन बना लेते हैं तो वे आईपीएल में 8 हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

अभी तक आईपीएल में कोई भी बल्लेबाज ये कारनामा नहीं कर पाया है। आईपीएल में विराट कोहली 8 शतक और 50 अर्धशतक लगा चुके हैं। इसके अलावा उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 113 रनों का रहा है। आईपीएल इतिहास में कोहली के बल्ले से 702 चौके और 271 छक्के निकले हैं।

आईपीएल 2024 में कोहली का प्रदर्शन

आईपीएल 2024 में कोहली का बल्ला जमकर आग उगल रहा है। इस सीजन कोहली एक शतक भी लगा चुके हैं। अभी तक 14 मैचों में कोहली 155 के स्ट्राइक रेट से 708 रन बना चुके हैं। इस दौरान कोहली ने 59 चौके और 37 छक्के लगाए हैं। अब एलिमिनेटर मैच में टीम को कोहली से ऐसे ही शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मिश्रित रिले में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ भारत को स्वर्ण

पेरिस का टिकट पाने से चूके

बैंकॉक, 21 मई (एजेंसियां)। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम रैंकिंग में 23वें से 21वें स्थान पर आ गई है। हालांकि, पेरिस के टिकट के लिए भारत को शीर्ष 16 में आना जरूरी है।

एशियाई रिले चैंपियनशिप में भारतीय मिश्रित रिले टीम ने राष्ट्रीय कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। बावजूद इसके मोहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी, अमोज जैकब और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी पेरिस ओलंपिक का टिकट पाने से रह गई। भारतीय टीम ने तीन मिनट 14.12 सेकंड का समय निकाला और हांगझोऊ एशियाई खेलों में बनाए गए 3.14.34 के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यहां भारतीय टीम ने रजत जीता था।

पेरिस के लिए शीर्ष 16 में आना जरूरी

श्रीलंका ने तीन मिनट 17 सेकंड के साथ रजत और वियतनाम ने तीन मिनट 18.45 सेकंड के साथ कांस्य जीता। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम रैंकिंग में 23वें से 21वें स्थान पर आ गई है। हालांकि, पेरिस के टिकट के लिए भारत को शीर्ष 16 में आना जरूरी है। नासाउ (बहामास) में हुई विश्व रिले एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 14 टीमें पेरिस का टिकट हासिल कर चुकी हैं। 15वां और 16वां स्थान रैंकिंग के आधार पर दिया जाएगा। इस वक्त चेक रिपब्लिक (3.11.98) और इटली (3.13.56) 15वें और 16वें स्थान पर हैं। भारत को यहां इटली के समय के पीछे छोड़ना था।

विश्व रिले में चूक गई थी मिश्रित रिले टीम

विश्व रिले एथलेटिक्स में भारत की पुरुष और महिला 400 मीटर रिले टीम ने ओलंपिक का टिकट हासिल किया, लेकिन मिश्रित रिले टीम ने हीट में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। दूसरे दौर में राजेश रमेश के चोटिल होने के कारण मिश्रित रिले टीम ने हिस्सा नहीं लिया था। ओलंपिक क्वालिफाइंग की अंतिम तिथि 30 जून है। एथलेटिक महासंघ अब मिश्रित रिले टीम को अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपटीशनों में उतारकर पेरिस का टिकट दिलाने की कोशिश करेगा।

पैरा एथलीट दीप्ति ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

400 मीटर दौड़ में रचा इतिहास

कोबे, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय पैरा एथलीट दीप्ति जीवनजी ने विश्व कीर्तिमान के साथ विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत लिया। बौद्धिक रूप से दिव्यांग दीप्ति ने टी-20 कैटेगरी की 400 मीटर दौड़ में 55.07 सेकंड का समय निकाल कर नया कीर्तिमान बनाया। उन्होंने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क की ओर से बीते वर्ष इसी चैंपियनशिप में बनाए गए 55.12 सेकंड के कीर्तिमान को पीछे छोड़ा। तुर्किये की आइसल ओंडेर ने 55.19 सेकंड के साथ रजत और इक्वाडोर की लिजांशेला आंगुलो ने 56.68 सेकंड के साथ कांस्य जीता।

दीप्ति की आंखों में है समस्या

दीप्ति ने दो वर्ष पूर्व ही एथलेटिक्स को अपनाया है। उनकी आंखों में समस्या है। उन्होंने रविवार को हीट में 56.18 सेकंड का समय निकालते हुए नया एशियाई कीर्तिमान स्थापित किया था, जिसे उन्होंने फाइनल में विश्व कीर्तिमान में बदल दिया। भारतीय डिस्कस थ्रोअर योगेश कथूनिया ने डिस्कस थ्रो की एफ-56 कैटेगरी में 41.80 मीटर के साथ रजत पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक में रजत जीतने वाले योगेश का यह विश्व चैंपियनशिप में तीसरा पदक है। बीते वर्ष उन्होंने पेरिस में रजत और 2019 में दुबई में उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

ताने दिए जाते थे नहीं होगी शादी

वारंगल (तेलंगाना) जिले की रहने वाली दीप्ति के माता-पिता मजदूर हैं। उनके कोच एन रमेश के मुताबिक उसके गांववासी ताने देते थे दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण उसकी शादी नहीं होगी, लेकिन हांगझोऊ एशियाड में स्वर्ण जीतने के बाद उसका जीवन बदला। य

हां तक जिले के कलेक्टर ने दीप्ति के घर का दौरा किया तो उनके माता-पिता की हैरानी की सीमा नहीं रही। एक पीईटी अध्यापक ने पहली बार स्कूल मीट में दीप्ति की प्रतिभा को पहचान था। उन्होंने अध्यापक को बोला दीप्ति को उनके पास हैदराबाद भेजें। उन्हें बताया गया कि दीप्ति के पास बस का किराया देने के पैसे नहीं है। उन्होंने कंडक्टर से बात कर दीप्ति को हैदराबाद बुलाया और बाद में कंडक्टर को बस का किराया दिया। गोपीचंद की संस्था दीप्ति को प्रायोजित कर रही है।

निषाद को ऊंची कूद में रजत

टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले हाई जंपर निषाद कुमार ने रविवार को यहां टी-47 कैटेगरी में ऊंची कूद का रजत पदक जीता।

निषाद का भी यह विश्व चैंपियनशिप में तीसरा पदक है। बीते वर्ष पेरिस में उन्होंने रजत और दुबई में कांस्य जीता था। टी-35 कैटेगरी की 200 मीटर दौड़ में प्रीति पॉल ने कांस्य पदक जीता। भारत अब तक इस चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीत चुका है।

छठे दौर के बाद अरविंद अकेले बढ़त पर कायम

अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ ड्रॉ खेला

शारजाह, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंड मास्टर अरविंद चिदंबरम शारजाह मास्टर्स टूर्नामेंट में छठे दौर के बाद अकेले बढ़त पर कायम है। उन्होंने अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद के छह दौर में पांच अंक हैं और वह 2700 ईएलओ अंक के ईलीट क्लब से जुड़ने के लिए सिर्फ दो अंक पीछे हैं। छठे दौर का आकर्षण शीर्ष वरीय और भारतीय ग्रैंड मास्टर अर्जुन एरिगेसी रहे।

उन्होंने रूस के डेनियल यूफा को काले मोहरों से खेलते हुए 42 चालों में हराया। वह कई खिलाड़ियों के साथ 4.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट में अभी तीन दौर और खेले जाने हैं।

अरविंद ने छठे दौर में अमेरिका के सैम शैंकलैंड के खिलाफ आसान ड्रॉ के साथ अपनी एकल बढ़त को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। दुनिया के सबसे मजबूत ओपन टूर्नामेंटों में शामिल इस प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने रूस के दानिल युफा पर शानदार जीत दर्ज की। ईरान के बर्दिया डेंशवर और अमीन ताबाताबेई, अमेरिका के हंस मोके नीमन और शैंकलैंड, सर्बिया के एलेक्सी सराना के साथ अर्जुन साढ़े चार अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के श्रेयस रॉयल ने अभिमन्यु पुराणिक को ड्रॉ पर रोककर ग्रैंड मास्टर नॉर्म की ओर एक और कदम बढ़ाया।

काले मोहरों से खेलते हुए चिदंबरम को शैंकलैंड के खिलाफ ज्यादा चुनौती नहीं मिली और उन्होंने अमेरिका के खिलाड़ी को जल्द ही ड्रॉ के लिए राजी कर लिया। अर्जुन ने भी काले मोहरों से खेलते हुए युफा के खिलाफ दिन की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने 42 चाल के बाद रूस के खिलाड़ी को हार मानने पर मजबूर कर दिया।

फ्रेंच ओपन की तैयारियों के लिए रोलां गैरो पहुंचे रफेल नडाल

खिलाड़ी की फॉर्म और फिटनेस पर संशय बरकरार

पेरिस, 21 मई (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन से पहले होने वाले अभ्यास सत्र को देखने के लिए करीब 6000 दर्शक पहुंचे। करीब डेढ घंटे तक चले अभ्यास सत्र के बाद नडाल ने प्रशंसकों को आटोग्राफ दिए। रविवार से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी।

रिकॉर्ड 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन रफेल नडाल आगामी टूर्नामेंट की तैयारियों के लिए रोलां गैरो लौटे हैं। हालांकि, उनकी फॉर्म और फिटनेस को लेकर संशय की स्थिति बरकरार है। 37 वर्ष के नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और दो अभ्यास जोड़ीदारों के साथ यहां पहुंचे।

फ्रेंच ओपन से पहले होने वाले अभ्यास सत्र को देखने के लिए करीब 6000 दर्शक पहुंचे। करीब डेढ घंटे तक चले अभ्यास सत्र के बाद नडाल ने प्रशंसकों को आटोग्राफ दिए। रविवार से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। नडाल कूल्हे की चोट के कारण 2023 में लगभग पूरे सत्र से बाहर रहे थे। वह हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हुबर्ट हुरकाज से हार गए थे।

कासाब्लांका चेस वैरिएंट: कार्लसन बने विजेता

आनंद को तीसरा स्थान; विश्वनाथन ने मैग्नस से दूसरी बाजी ड्रॉ खेली

कासाब्लांका, 21 मई (एजेंसियां)। पांच बार के विश्व चैंपियन और विश्व नंबर एक नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने कासाब्लांका चेस वैरिएंट टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, पांच बार के विश्व विजेता भारतीय ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद तीसरे स्थान पर रहे। आनंद की टूर्नामेंट में कार्लसन के साथ दूसरी बाजी ड्रॉ समाप्त हुई। आनंद ने मिस्र के अमीन बासेम को हराया। यह उनकी टूर्नामेंट में एकमात्र जीत रही। कार्लसन ने छह दौर में साढ़े चार और आनंद ने तीन अंक हासिल किए। अमेरिका के हिकारु नाकामुरा साढ़े तीन अंक के साथ दूसरे और बासेम एक अंक के साथ चौथे और अंतिम स्थान पर रहे।

सफेद मोहरों से कार्लसन से ड्रॉ खेले आनंद

यह अनोखा टूर्नामेंट नए प्रयोग पर आधारित था। इसमें शतरंज की दुनिया के ऐतिहासिक मुकाबलों की बराबरी की पोजीशन को चारों खिलाडियों के सामने रखा गया। उन्हें दी गई पोजीशन से खेल शुरू कर मुकाबला आगे बढ़ाना था। पहले दौर में कार्लसन ने आनंद को हराया था, लेकिन दूसरे दौर में अलेक्जेंडर अल्काइन और डॉ. मैक्स यूवे के बीच 1935 में हुई विश्व चैंपियनशिप की तीसरी बाजी की पोजीशन को लिया। आनंद यहां सफेद मोहरों से बेहतर स्थिति में थे, लेकिन कार्लसन ने अपने रुक (हाथी) का बलिदान देते हुए बाजी को ड्रॉ की ओर मोड़ दिया।

कार्लसन ने प्रारूप को मनोरंजक बताया

पांचवें दौर में नाकामुरा और आनंद की बाजी भी ड्रॉ रही, वहीं कार्लसन ने अमीन को हराया। छठ दौर में कार्लसन-नाकामुरा ने ड्रॉ खेला और आनंद ने अमीन को हराया। कार्लसन ने जीत के बाद कहा कि यह एक मनोरंजक प्रारूप था। वह इसे दोबारा जरूर आजमाना चाहेंगे। मजेदार बात यह थी कि यहां यह फर्क नहीं पड़ रहा था कि आप सफेद या काले मोहरों से खेल रहे हैं, क्योंकि पोजीशन बराबरी वाली थीं और दोनों के ही पास समान मौके थे।

पेरिस ओलंपिक में किसके साथ जोड़ी बनाएंगे रोहन बोपन्ना?

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक में एन श्रीराम बालाजी या युकी भांबरी के साथ जोड़ी बना सकते हैं। उन्हें अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) से उसे मंजूरी मिलना तय है। विश्व युगल रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज 44 वर्ष के बोपन्ना शीर्ष 10 में होने के कारण अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल ड्रॉ में 32 टीमें होंगी जिसमें से एक देश अधिकतम दो टीमें रख सकता है।

क्वालिफिकेशन मानदंडों के तहत शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ी अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं जो एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 300 के भीतर होना चाहिए। एआईटीए सूत्रों के अनुसार बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए उनके जोड़ीदार के तौर पर टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल करने के लिए एआईटीए को बालाजी और भांबरी का नाम भेजा है।

एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने कहा, 'आम तौर पर खिलाड़ी अपना जोड़ीदार खुद चुनता है। चयन समिति उससे विकल्प पूछेगी और उस पर बात की जाएगी। रोहन जिसके साथ भी खेलना चाहेगा, उस पर विचार किया जाएगा।' बालाजी ने हाल ही में जर्मनी के आंद्रे बेजेमैन के साथ कैगलियारी चैलेंजर टूर्नामेंट जीता था। वहीं भांबरी ने फ्रांस के अलबानो ओलिवेत्ती के साथ अप्रैल में म्युनिख में एटीपी 250 टूर्नामेंट जीता और इस महीने बोर्डो चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचे।

भारतीय टेनिस में ओलंपिक या बहु खेल आयोजनों में नामांकन को लेकर हमेशा विवाद रहा है। वर्ष 2012 में महेश भूपति और बोपन्ना दोनों ने लिएंडर पेस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पेस ने विष्णुवर्धन को जोड़ीदार बनाया था। इसके बाद मिश्रित युगल में सानिया मिर्जा को पेस के साथ खेलने के लिए कहा गया लेकिन देश की शीर्ष महिला खिलाड़ी सानिया ने पेस को तसल्ली देने के लिए उनका इस्तेमाल करने पर एआईटीए को आड़े हाथों लिया था।

एशियाई खेल 2018 में पेस ने दो दिन पहले यह कहकर नाम वापिस ले लिया था कि एआईटीए ने उन्हें विशेषज्ञ जोड़ीदार नहीं दिया है।

एआईटीए ने बोपन्ना का जोड़ीदार दिविज शरण को बनाया था जिससे पेस को एकल खिलाड़ी के साथ खेलना पड़ा। बोपन्ना का यह ओलंपिक पदक जीतने का आखिरी मौका होगा जो 2016 रियो खेलों में मिश्रित युगल में सानिया के साथ पदक से चूक गए थे ।

भारत के चोटी के एकल खिलाड़ी सुमित नागल जिनेवा ओपन के पहले दौर में अर्जेंटीना के सेबेस्टिएन बाएज से हारकर बाहर हो गए हैं।

दुनिया के 94वें नंबर के खिलाड़ी नागल को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी अर्जेंटीना के क्लेकोर्ट विशेषज्ञ प्रतिद्वंद्वी ने 7-6, 6-3 से हराया। नागल ने हार के बाद ट्वीट किया, 'हार से निराश हूं, लेकिन फ्रेंच ओपन से पहले अच्छी तैयारी हुई। अगला लक्ष्य पेरिस।'

मलयेशिया मास्टर्स में खिताब जीतने उतरेंगी सिंधू

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। ब्रेक से लौटी पी वी सिंधू पेरिस ओलंपिक से पहले शुरू हो रहे मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत दर्ज करके अपना मनोबल ऊंचा करने के इरादे से उतरेंगी।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया। अब वापसी करते हुए उनका लक्ष्य इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला एकल में अच्छा प्रदर्शन करने का होगा। वह पिछले साल अक्तूबर में घुटने की चोट से उबरने के बाद से फॉर्म में नहीं है। ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी सिंधू का रिटर्न पहले की तरह नहीं रहा है और कई करीबी मुकाबले वह हार गई हैं। वह छह प्रतिस्पर्धाओं में से दो में ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी हैं। पिछली बार वह 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीती थी। पहले दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से होगा। अश्मिता चालिहा, आकृषि कश्यप और मालविका बंसोड भी अच्छे नतीजे देना चाहेंगी। पुरुष वर्ग में किरण जॉर्ज अकेले भारतीय हैं जो जापान के ताकुमा ओबायाशी से पहला मैच खेलेंगे।

जैविक विविधता सृष्टि की विशेषता : वन मंत्री

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि मानवता तभी जीवित रह सकती है जब इस धरती पर जैव विविधता विकसित होगी। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई) के अवसर पर, मंत्री सुरेखा ने जैव विविधता के महत्व पर अपने विचार साझा किए। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि जैविक विविधता सृष्टि की विशेषता है, यह भूमि केवल मनुष्य की नहीं है, इस भूमि पर सभी प्राणियों का अधिकार है। ऐसा कहा जाता है कि मानव जीवन तभी जारी रह सकता है जब 'जीवन चक्र' जिसमें एक जीवित वस्तु दूसरे जीवित वस्तु पर निर्भर होती है, जारी रहे। मंत्री ने चिंता व्यक्त की कि मनुष्य लालची होकर और अपनी आवश्यकताओं से अधिक सुविधाएं प्रदान करके इस प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। परिणामस्वरूप, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र में गंभीर उतार-चढ़ाव आया है और कई प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह आपदा इसी तरह जारी रही तो मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इन स्थितियों की पृष्ठभूमि में, मंत्री सुरेखा ने जैव विविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए लोगों को जीवनशैली अपनाने, हरियाली बढ़ाने, ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय करने और जानवरों और पौधों जैसे अन्य जीवित प्राणियों के प्रति दया रखने की सलाह दी। इस दिशा में उन्होंने लोगों से इस वर्ष 'योजना का हिस्सा बनें' की थीम के साथ जैव विविधता के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा किये गये आह्वान को क्रियान्वित करने की अपील की।

सरकार की झीलों के संरक्षण और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता : दानाकिशोर

झीलों के संरक्षण और पुनरुद्धार पर कार्यशाला आयोजित की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी क्षेत्रों में झीलों के संरक्षण और पुनरुद्धार पर आज कार्यशाला आयोजित की गई। एक दिवसीय कार्यशाला में नगर प्रशासन और शहरी विकास के वरिष्ठ अधिकारी, झीलों के संरक्षण और पुनरुद्धार के क्षेत्र के विशेषज्ञ, गैर सरकारी संगठनों और जल संरक्षण के क्षेत्र में स्टार्ट अप के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रमुख सचिव एमएएंडयूडी दानकिशोर ने कहा कि सरकार विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में झीलों के संरक्षण और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। झीलों और उनके जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा और सुधार के उद्देश्य से हैदराबाद महानगर क्षेत्र में झीलों के संरक्षण को पूरा करने के लिए झील संरक्षण समितियों का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कि स्वस्थ झीलें न केवल हमें कई पर्यावरणीय लाभ प्रदान करती हैं, बल्कि वे हमारे जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती हैं और हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करती हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में शहरी क्षेत्रों में 4234 से अधिक झीलें हैं। तेजी से शहरीकरण के परिणामस्वरूप, राज्य में विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में कई झीलें गंभीर रूप से दूषित हो गई हैं या उन पर अतिक्रमण हो गया है, इसलिए राज्य में जल स्तर के संतुलन को बनाए रखने के लिए झीलों का जीर्णोद्धार महत्वपूर्ण है। प्रधान सचिव ने विभिन्न सरकारी आदेशों के बारे में भी बताया, जो झीलों और जल निकायों के संरक्षण और पुनरुद्धार के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इन निर्देशों को लागू करके, राज्य का उद्देश्य स्थायी जल प्रबंधन सुनिश्चित करना, जैव विविधता को बढ़ाना और अपने निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से रचनात्मक और टिकाऊ समाधान लागू किए हैं, जैसे अपशिष्ट जल उपचार सुविधाओं में सुधार, बफर जोन और रिपेरियन प्लांटिंग के माध्यम से पोषक तत्वों के भार को कम करना, निगरानी में समुदाय को शामिल करना, स्थानीय स्तर पर इन जल निकायों की सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नागरिक विज्ञान पहल का उपयोग करना। उन्होंने महसूस किया कि झील संरक्षण और पुनरुद्धार के क्षेत्र में दीर्घकालिक प्रयासों के लिए बहु-हितधारक दृष्टिकोण आवश्यक हैं।

जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ झील संरक्षण और पुनरुद्धार के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। एचएमडब्ल्यूएसबी के एमडी सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि झीलें ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन रेखा हैं, लेकिन नागरिकों में अपनेपन की भावना की कमी के कारण वे शहरी क्षेत्रों में उपेक्षा का स्रोत बन गई हैं।

सभा का स्वागत करते हुए, सीडीएमए दिव्या ने कहा कि झीलें केवल मनोरम परिदृश्य नहीं हैं, वे महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र हैं जो जैव विविधता का समर्थन करते हैं, भूजल को रिचार्ज करते हैं, जलवायु को नियंत्रित करते हैं और समुदायों के लिए मनोरंजक स्थान प्रदान करते हैं। उन्होंने दुख जताया कि शहरीकरण, प्रदूषण और उपेक्षा ने कई झीलों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, खासकर तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में। उन्होंने महसूस किया कि वैज्ञानिक ज्ञान, नवीन प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर, टिकाऊ शहरी विकास का एक मॉडल बनाया जा सकता है जो विकास को पर्यावरणीय संरक्षण के साथ संतुलित करता है। कार्यशाला में विशेष सचिव आई एंड सीएडी प्रशांत जीवन पाटिल, निदेशक ईवीडीएम जीएचएमसी प्रकाश रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में भारत भर में जल निकायों के संरक्षण और कायाकल्प पर केस स्टडी और सर्वोत्तम प्रथाओं, झील कायाकल्प में नागरिक भागीदारी और झील कायाकल्प के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की गई।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से चोरी व गायब हुए 30 हजार मोबाइल बरामद

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से चोरी व गुम हुए 30049 मोबाइल फोन, मोबाइल डिवाइस बरामद किया है। तेलंगाना राज्य पुलिस ने 19 अप्रैल 2023 को सीईआईआर पोर्टल के शुभारंभ के बाद से 30,049 मोबाइल डिवाइस सफलतापूर्वक बरामद किए हैं और देश में दूसरे स्थान पर है। सीईआईआर पोर्टल को दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा मोबाइल चोरी और नकली मोबाइल उपकरणों के खतरे को रोकने के लिए विकसित किया गया था सीईआईआर पोर्टल को आधिकारिक तौर पर 17 मई, 2023 को देश भर में लॉन्च किया गया था और इसे 19 अप्रैल, 2023 से तेलंगाना राज्य में पायलट आधार पर शुरू किया गया था। तेलंगाना राज्य में अतिरिक्त डीजीपी, सीआईडी को सीईआईआर पोर्टल के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है जो सुपर यूजर भी हैं। सीईआईआर पोर्टल तेलंगाना राज्य की पुलिस इकाइयों के सभी 780 पुलिस स्टेशनों में संचालित है। तत्कालीन एडीजी सीआईडी महेश भागवत पहले राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी थे जिन्होंने राज्य के भीतर और बाहर भी मोबाइल रिकवरी को सुव्यवस्थित किया। वर्तमान में एडीजीपी सीआईडी शिखा गोयल, सीईआईआर पोर्टल के तहत काम की प्रगति की निगरानी करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप (30049) खोए/चोरी हुए मोबाइल डिवाइस बरामद किए गए, जिनमें से अंतिम (1000) (9) दिनों में बरामद किए गए और शिकायतकर्ता को सौंप दिए गए। राज्य में प्रतिदिन औसतन (76) मोबाइल बरामद किए जाते हैं। तेलंगाना राज्य में सबसे अधिक रिकवरी हैदराबाद कमिश्नरेट द्वारा (4869) मोबाइल डिवाइस के साथ की गई है, इसके बाद साइबराबाद कमिश्नरेट द्वारा (3078) और राचकोंडा कमिश्नरेट द्वारा (3042) मोबाइल डिवाइस के साथ की गई है, इसके बाद वारंगल कमिश्नरेट द्वारा (1919) और निजामाबाद द्वारा (1556) मोबाइल डिवाइस के साथ की गई है। पुलिस ने उपयोगकर्ता मित्रता बढ़ाने और नागरिकों की सेवा करने के लिए तेलंगाना के नागरिकों से अनुरोध है कि वे खोए/लापता मोबाइल उपकरणों की रिपोर्ट करने के लिए टीएस पुलिस नागरिक पोर्टल पर इस सेवा का उपयोग करें। डॉ. लावण्या एनजेपी, एसपी, साइबर अपराध, सीआईडी, टी.एस. हैदराबाद, हेमंत राठवे, डीडीजी सुरक्षा, एम. अरविंद कुमार, निदेशक सुरक्षा, लक्ष्मण कुमार के, सहायक निदेशक (सुरक्षा लेखा परीक्षा), और चौ. सुरेश बाबू सहित दूरसंचार विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय में आईटी सेल के निरीक्षक, सीआईडी राज्य में सीईआईआर आवेदन के कार्यान्वयन की देखरेख कर रहे हैं। महेश एम. भागवत एडीजी रेलवे और सड़क सुरक्षा प्रभारी एडीजी सीआईडी ने (13) महीने के समय में 30,000 मोबाइल फोन की सफल वसूली के लिए एसपी साइबर अपराध और टीम की सराहना की है।

नर्सिंग अधिकारियों को तुरंत मिले लंबित वेतन : हरीश

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने राज्य सरकार से 4,000 नव नियुक्त नर्सिंग अधिकारियों के अवैतनिक वेतन के मुद्दे को तुरंत संबोधित करने का आह्वान किया। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के तहत नियुक्त इन अधिकारियों को चार महीने से वेतन नहीं मिला है, जिससे काफी वित्तीय कठिनाई हो रही है। इस मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए, हरीश राव ने पिछली बीआरएस सरकार के दौरान शुरू की गई 7,000 नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति का श्रेय लेने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, लेकिन उनके वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में विफल रही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि उन्होंने एलबी स्टेडियम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र दिए, लेकिन उनके वेतन और भत्ते के भुगतान के महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया।

पूर्व मंत्री ने वेतन में देरी के कारण नर्सिंग अधिकारियों के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार, जो हर महीने की पहली तारीख को वेतन के समय पर भुगतान का दावा करती है, को मौजूदा स्थिति को समझना चाहिए और उसके अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने सरकार से लंबित चार महीनों के वेतन का तुरंत भुगतान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले इन स्वास्थ्य कर्मियों की वित्तीय भलाई को अनदेखा करना सरकार के लिए अस्वीकार्य है।

खाई खोदते समय श्रमिक की मौत, 3 घायल

राजन्ना-सिरसिला, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोनारावपेट मंडल के वेंकटरावपेट में मंगलवार को एक खाई खोदने के दौरान एक मनरेगा श्रमिक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक जब मजदूर खाई खोदने में लगे थे तो अचानक मिट्टी धंस गई और उनके ऊपर गिर गई। मारुपाका राजव्वा (46) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को सिरसिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री श्री पोन्नम प्रभाकर ने टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों का घर है हैदराबाद

1,665 पौधों, 315 पक्षी और 141 तितली की प्रजातियां

सीबीआई पर हैदराबाद के स्कोर में हुआ सुधार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद 315 पक्षी प्रजातियों, 1,665 पौधों और 141 तितली प्रजातियों के साथ जैव विविधता की एक प्रभावशाली श्रृंखला का दावा करता है। यह शहर 53 प्रजातियों के साथ सरीसृप विविधता और 64 मछली प्रजातियों के साथ समृद्ध जलीय जीवन का भी घर है। 22 मई को इस अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस पर, हैदराबाद अपनी जैव विविधता विरासत को प्रदर्शित करता है और भारत का एकमात्र शहर बन गया है जिसने एक दशक के भीतर दो बार अपने शहरी जैव विविधता सूचकांक (सीबीआई) का मूल्यांकन और जारी किया है। सीबीआई पर हैदराबाद के स्कोर में उल्लेखनीय सुधार हुआ, जिससे 58 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

नवीनतम सीबीआई शहर के जैव विविधता प्रबंधन और पारिस्थितिक स्वास्थ्य का एक व्यापक मूल्यांकन प्रदान करती है, जो तीन प्रमुख घटकों - मूल जैव विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और जैव विविधता शासन के आसपास संरचित है। यह प्रमुख पारिस्थितिक विवरणों की निगरानी और उन्हें बढ़ाने, एक शहर के भीतर जैव विविधता, स्थिरता और जीवन की गुणवत्ता के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करता है।

आईसीएलईआई दक्षिण एशिया के कार्यकारी निदेशक इमानी कुमार कहते हैं कि जीएचएमसी की पहल जैसे कि हरिता हरम, झीलों का संरक्षण, वन क्षेत्र में वृद्धि और शहरी फेफड़ों के स्थानों में सुधार ने शहरी जैव विविधता में काफी वृद्धि की है। आईसीएलईआई साउथ एशिया की वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक (जैव विविधता) डॉ. मोनालिसा सेन कहती हैं कि हैदराबाद के लिए सीबीआई ने देशी प्रजातियों, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और जैव विविधता प्रशासन पर महत्वपूर्ण संकेतकों पर प्रकाश डाला है।

प्राकृतिक संपत्ति क्षेत्र : हैदराबाद के लिए सीबीआई के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की सीमाओं के भीतर प्राकृतिक संपत्ति क्षेत्रों में 0.38 प्रतिशत राष्ट्रीय उद्यान, 3.99 प्रतिशत प्राकृतिक वनस्पति और 4.78 प्रतिशत रॉक आउटक्रॉप शामिल हैं। विरल वनस्पति 1.35 प्रतिशत, वृक्षारोपण 1.32 प्रतिशत और एवेन्यू वृक्ष आवरण 1.63 प्रतिशत है।

रेव पार्टी में शामिल हुई थी तेलुगु अभिनेत्री हेमा

बेंगलुरू पुलिस ने की पुष्टि

बेंगलुरू, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेंगलुरू के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने मंगलवार को कहा कि लोकप्रिय तेलुगु अभिनेत्री हेमा बेंगलुरू में उस रेव पार्टी में मौजूद थीं जहां ड्रग्स जब्त किया गया था। पत्रकारों से बात करते हुए पुलिस आयुक्त ने पुष्टि की कि अभिनेत्री हेमा उस रेव पार्टी में शामिल हुई थीं, जिस पर सोमवार को पुलिस ने छापा मारा था। इससे पहले हेमा ने रेव पार्टी में अपनी मौजूदगी से इनकार करते हुए बेंगलुरू में एक वीडियो बनाकर खुद के हैदराबाद में होने का दावा किया था। पुलिस आयुक्त ने कहा कि वह रेव पार्टी में मौजूद थी। हम उन परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं जिनके तहत उसने बेंगलुरू फार्महाउस में वीडियो बनाया।

सूत्रों ने बताया कि हेमा रेव पार्टी में मौजूद थी और छापेमारी के बाद उसने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई और रोते हुए कहा कि मीडिया के सामने उसकी पहचान उजागर न की जाए। शौचालय जाने के बहाने वह चुपके से बाहर निकली और उसी फार्महाउस के परिसर से वीडियो रिकॉर्ड किया, जहां रेव पार्टी आयोजित की गई थी।

सोमवार को जारी किए गए वीडियो में हेमा ने दावा किया कि वह कहीं नहीं गई थीं और हैदराबाद के एक फार्महाउस पर आराम कर रही थीं। उन्होंने अपील की कि बेंगलुरू में एक रेव पार्टी में मेरे शामिल होने की खबरों पर यकीन न करें। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की कि उसने बेंगलुरू के उस फार्महाउस पर वीडियो बनाया था जहां छापा मारा गया था। पुलिस ने यह भी कहा कि उनके पास पार्टी में शामिल होने के दौरान हेमा की वही पोशाक पहने हुए तस्वीरें हैं जो वीडियो में हैं। पुलिस कमिश्नर दयानंद ने कहा कि रेव पार्टी में कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। प्रतिभागियों के रक्त के नमूने एकत्र कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रेव पार्टी इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी क्षेत्र में आयोजित की गई थी और इसका शीर्षक था 'सनसेट टू सनराइज विक्ट्री।' पार्टी में 101 से अधिक लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एमडीएमए, कोकीन, हाइड्रो गांजा और अन्य पदार्थों का इस्तेमाल किया गया था। इस संबंध में इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान वाईएम अरुणकुमार, राज, एल वासु और डी नागाबाबू के रूप में हुई है। सीसीबी की एंटी-नारकोटिक्स विंग रक्त के नमूनों के परीक्षण परिणामों की प्रतीक्षा कर रही थी और उन प्रतिभागियों को पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी कर रही थी, जिन्होंने नशीली दवाओं के सेवन के लिए सकारात्मक परीक्षण किया था। आयोजक ने इस कार्यक्रम के लिए आंध्र प्रदेश से 25 से अधिक लोगों को बेंगलुरू भेजा था। पुलिस को फार्महाउस पर खड़ी कारों में से एक में आंध्र प्रदेश के एक विधायक का पास मिला। पार्टी, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञ और तेलुगु अभिनेता शामिल थे, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी के पास सिंगेना अग्रहारा क्षेत्र में जीएम फार्महाउस में आयोजित की गई थी। जांच से पता चला कि हैदराबाद के एक व्यक्ति ने जन्मदिन समारोह के बहाने पार्टी का आयोजन किया था।

छात्र वीजा सत्र के लिए बढ़ा समय

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने दी जानकारी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने छात्र वीजा सीज़न को दो सप्ताह तक बढ़ा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि बाद में साक्षात्कार की तारीख वाले छात्र अपने कार्यक्रमों के लिए समय पर अमेरिका पहुंच सकें। परिणामस्वरूप, छात्र वीजा साक्षात्कार अब अगस्त 2024 के अंत तक जारी रहेंगे। आवेदकों की सहायता के लिए, एजुकेशनयूएसए इंडिया छात्र वीज़ा सूचना सत्र 2024 का आयोजन कर रहा है। इन सत्रों में अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावासों से एक कांसुलर अधिकारी शामिल होंगे, जो छात्र वीज़ा आवेदन प्रक्रिया पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

नियुक्ति स्लॉट का पहला सेट जारी होने के बाद, वाणिज्य दूतावास ने सोमवार को छात्र वीज़ा साक्षात्कार आयोजित करना शुरू किया। अगले कुछ हफ्तों में, जून, जुलाई और अगस्त के लिए अतिरिक्त अपॉइंटमेंट स्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे। हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता में वाणिज्य दूतावासों और नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में अमेरिकी छात्र वीजा नियुक्तियों के इच्छुक छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्धता की जांच कर सकते हैं और स्लॉट बुक कर सकते हैं।

भूजल पुनर्भरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को हब्सीगुडा के काकतीय पार्क में उथले जलभृत पुनर्भरण परियोजना पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नगर निगम अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों ने भी भाग लिया। यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) की एक राष्ट्रीय पहल के हिस्से के रूप में जीएचएमसी और द रेनवाटर प्रोजेक्ट (टीआरपी) द्वारा शुरू की गई है। पार्क में 6.85 लाख वर्ग मीटर से अधिक का जलग्रहण क्षेत्र है, जिसमें 44.6 करोड़ लीटर की भंडारण क्षमता और 53 लाख लीटर की वार्षिक वर्षा क्षमता है। इस परियोजना ने उस क्षमता को बढ़ाया जिससे न केवल भूजल का पुनर्भरण होगा बल्कि शहरी बाढ़ में भी कमी आएगी।

काकतीय पार्क के अलावा शहर के चार अन्य पार्कों में भी यह पहल की गई है। जीएचएमसी ने अपने प्रेस बयान में कहा कि शहर में भूजल स्तर बहुत गिर रहा है, कई बोरवेल सूख रहे हैं। साथ ही, शहर की सड़कों पर थोड़ी सी बारिश में भी पानी भर जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए जीएचएमसी ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत अमृत योजना के तहत पायलट आधार पर 'शैलो एक्विफर रिचार्ज प्रोजेक्ट' शुरू किया है।

इस पहल के तहत, उथले जलभृतों में पानी को पंप करने के लिए 100 से 120 फीट की गहराई तक उथले पानी इंजेक्शन बोरवेल स्थापित किए जाएंगे। इससे जब भी बारिश होती है तो नीचे की परतों को रिचार्ज करने, आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों से पानी इकट्ठा करने और रिचार्ज गड्ढों के माध्यम से पानी निकालने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त (यूबीडी) डॉ. सुनंदा रानी, उप निदेशक चंद्र शेखर राव, टीआरपी से कल्पना रमेश और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बीआरएस ने दस वर्षों में राज्य को दिवालिया बनाया : कांग्रेस

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन में मेडिपल्ली विधायक सत्यम ने कहा कि केटीआर, हरीश राव और ईटेला राजेंदर जितना हो सके बात कर रहे हैं।

बीआरएस ने दस वर्षों में राज्य को दिवालिया बना दिया। आपने दो लाख नौकरियाँ दीं तो लोगों ने आपको हरा क्यों दिया? हमने अपनी सरकार बनने के कुछ ही दिनों के भीतर 30,000 नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि यह जानते हुए कि मलकाजगिरी हुजूराबाद में हार रहे हैं। इसके बाद भी इटेला राजेंदर अनुचित टिप्पणी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि निर्माण क्षेत्र में बीजेपी के नेता ज्यादा हैं। अपने नेताओं से पूछो क्या हमने डराने के लिए किसी से पैसे लिए हैं। अगर ये साबित हो जाए कि हमने किसी से पैसे लिए हैं तो हम कुछ भी करने को तैयार हैं। ईटेला राजेंदर को रेवंत रेड्डी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

काकतीय शिलालेख की हुई पहचान

शिलालेख 13वीं शताब्दी की तेलुगु लिपि और तेलुगु भाषा का है। काकतीय रुद्रमादेव महाराजा के

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर जिले में एक मंदिर के खंभे पर 13वीं शताब्दी की तेलुगु लिपि के शिलालेख की पहचान की गई और उसे समझा गया। महबूबाबाद जिले के नेल्लिकुदुरु मंडल के ब्राह्मणकोट्टापल्ली गांव में स्थित संताना वेणुगोपालस्वामी मंदिर के मंदिर स्तंभ पर लगे शिलालेख की पहचान मंदिर के पुजारी एम. वेणुगोपाल और तेलंगाना के विरासत विभाग के पूर्व उप निदेशक समुद्रला श्रीरंगाचार्यु ने की। शिलालेख को कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के संयोजक श्रीरामोजु हरगोपाल द्वारा पढ़ा और हल किया गया था। हरगोपाल के अनुसार, यह शासनकाल के दौरान, स्थानीय नयनकारा नेता रत्ताकुला परथट्टा रायसाहिनी विचारौतु, गांव (गड्डा) झील, नहर और पसराचेनु को रामनाथदेवरा को उपहार के रूप में बनाया गया था।

आमतौर पर शिलालेखों में रुद्रमा नाम के स्थान पर रुद्रदेव महाराजुलु का उल्लेख मिलता है। इस शिलालेख में रुद्रदेव महाराजू का उल्लेख कम ही मिलता है। उन्होंने बताया कि यह एक विशेष विशेषता है। श्रीरामोजू हरगोपाल ने बताया कि यह एक नया काकतीय दानसासनम है जो कुम्मारिकुंटा में ब्राह्मणकोट्टापल्ली मंदिर के रामनाथदेवरा में किया गया था।

पेड़ गिरने से पति की मौत, पत्नी घायल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बोलाराम में मंगलवार सुबह एक पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। वह आदमी और उसकी पत्नी बोलाराम के सरकारी अस्पताल में प्रवेश कर रहे थे तभी एक बड़ा पेड़ उन पर गिर गया। दोनों पेड़ के नीचे आ गए और घायल हो गए। जहां पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं महिला घायल हो गई और उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.